

प्राधिकार से प्रकाशित १७४८।ऽमह्य ४५ ४७७४०॥ ४४

सं0 25]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 19, 1982 (ज्येष्ठ 29, 1904)

No. 251

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 19, 1982 (JYAISTHA 29, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ш--खण्ड 1

,982

PART III—SECTION

_{भा०-}]---राष्ट्रपति

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभागि और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा धायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 मई 1982

सं० ए० 110016/1/81-प्रशा०—सघ लोक सेवा धायोग के अनुभाग श्रिधकारी श्री एच० एस० भाटिया को राष्ट्रपति द्वारा 3 मई, 1982 में तीन मास की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में डेस्क श्रिधकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

2 श्री एच० एम० भाटिया कार्मिक श्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग, क का० ज्ञा० स० 12/1/74-सी० एम० (1) दिनाक 11 दिसम्बर, 1975 की शती के प्रनुसार ६० 75/- प्र० मा० की दर से विणेष बेतन प्राप्त करेंगे।

य० रा० गाधी श्रवर माधिव (प्रणा०) मघ लोक मेवा श्रायोग गृह मंझालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व 9ुलिस बल

नई दिल्ली-110066, दिनाक 28 मई, 1982

स० (एफ० वो)/46/81-स्था०---राष्ट्रपति, श्री एस० सी० विद्यार्थी मध्य प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा श्रिधकारी का के० रि० पु० बल मे प्रतिनिमृत्वप क ।समय 18-1-82 से 20-3-82 कि बढ़ाते हैं।

ए० के० सूरी महायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 मई 1982

सं 10/30/81-प्रणा०-I---राष्ट्रपति, निम्निलिखित वरिष्ठ भूगोलवेत्ताओं को उनके नामों के समक्ष दिणित जनगणना कार्यालयों में प्रत्येक के समक्ष दिशान तारीखों से एक वर्ष से अनिधिक श्रविध के लिए या अब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रविध कम हो, पूर्णतः श्रस्थायी और तदर्थ श्राधार पर श्रनुमंधान श्रिधकारी (मानिचित्र) के पद पर पदीन्नित द्वारा यहर्ष नियुक्त करते हैं:---

ऋम सं०	नाम		क्षार्यालय जिसमें कार्यरत हैं मुख्याल		प नियुक्ति की तारीख		
2.	श्री मोहम्मद अञ्बास श्री एम० श्रार० पुरी श्री क्याम देव		जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार, पटना जनगणना कार्य निदेशालय, हरियाणा, चण्डीगढ़ जनगणना वार्य निदेशालय, श्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद।	पटना चण्डीगढ़ हैदराबाद	26 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्म) 22 फरवरी, 1982 (श्रपराह्म) 24 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्म)		
4.	श्री माधव ग्याम		हदराबाद । जनगणना कार्य निवेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई	बम्बई	18 मार्चे, 1982 (पूर्वाह्न)		

उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियां संबंधित श्रिधिवारियों को अनुसंधान श्रिधिकारी (सानचित्र) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रधान नहीं करेंगी। तदर्थ तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में विरिष्ठत। श्रीर श्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी उपरोक्त पद पर नदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बना कोई कारण बताए रद्द किया जा सकता है।

विनांक 29 मई

2. श्री राव का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली-110002, दिनांक 24 मई 1982

सं० 9-के० वा० ले० प० 1/40-69---महालेखाकार दितीय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता कार्यालय में कार्यरत सर्वश्री डी० पी० वैनर्जी, मनोरंजन नाथ, लेखापरीक्षा श्रीधकारी (वाणिज्यिक) श्रपनी श्रीधवार्षिता श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-1981 सथा 30-11-1981 क्रमशः श्रपगह्न से सरकारी सेवा में सेवा निवृत्त हो गये।

एम० ए० सोमेग्बर राव उप निदेणक (वाणिज्यिक) कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, दिल्ली-2, दिनांक 11 मई 1982

सं श्रमासन-1/कार्यालय श्रादेश संख्य 54—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा श्रीधकारी श्री मन मोहन सिंह, वार्धक्य श्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 मई 1982 श्रपराह्म को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे।

उनकी जन्म तिथि 24 मई 1924 है।

सं० प्रशा०-I/का० म्रा० सं० 55—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखापरीक्षा मधिकारी श्री जी० बी० लाल वार्धेक्त श्रायु प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप 31 मई 1982 (श्रपराह्न) को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे। उनकी जन्म तिथि 18 मई 1924 है

समर राय संयुक्त निवेशक ले॰ प॰ (प्र॰)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 17 मई 1982

सं० प्रशासन-1/ले० अ० प्रमो०/51—इस कायिलय की अधिसूचना कमांक प्रशासन -1/ले० अ० प्रमो०/510 दिनांक 31-3-1982 के निरमन में, महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रवेश खालियर ने श्री एल० बी० सिंह, (02/273) अनुभाग श्रिधिकारी की स्थापना लेखा श्रिष्ठकारी के रूप में वैतनमान रुपय 840-40-1000 द० श्र०-40-1200 पर दिनांक 1 जनवरी,

1982 पूर्वाह्न से प्रोफार्मा (ग्रौपचारिक) पदोन्नति हेतु सहर्ष स्वीकृति प्रदान की है।

> ह० ग्रपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान जयपुर, विनांक 29 मई 1982

सं० प्रशा०-II/राजपत्त-श्रिधसूचना/168--महालेखाकार राजस्थान ने निम्निक्षित प्रवर अनुभाग श्रिधकारियों को पदोन्नत करके उनके आगे दिए दिनांक से अग्रतर श्रादेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय मे स्थानापन्न लेखाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है :---

- श्री गणेश नारायण व्यास . 16-4-82 (पू०)
- 2. श्री राम गोपाल भ्रम्रवाल . 24-4-82 (भ्रप०)
- 3. श्री मुखदेव कुमार खन्ना . 27-4-82 (पू०)

एम० एस० शेखावत वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा ग्रार्डनन्स फैंक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 21 मई, 1982

सं० 27/जीं०/82—नार्धक्य सेवा निवृत्ति भ्रायु प्राप्त कर श्री के० पी० सुकुल, स्थानापन्न एम० ग्रो० (मौलिक एवं स्थायी सहायक) तारीख 31 श्रक्तूबर, 1981 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

विनांक 22 मई 1982

सं० 25/जी०/82---वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर, श्री बाच्चा सिंह, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 दिसम्बर, 1981 श्रपराह्म से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 26/जी०/82—वार्धक्य निवृत्ति स्रायु प्राप्त कर, श्री एच० श्रार० मजुमदार, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी स्टोरहोल्डर) दिनांक 30 जून, 1981 प्रपराह्न, से सेवा निवृत्त हुए।

> षी० के० मेहता सहायक महानिदेशक, श्रार्डनेन्स फैक्टरियां

उद्योग मंद्रालय श्रौद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 25 मई, 1982

सं० ए०-19018(164)/75-प्रशासन (राज०)-खण्ड-2--राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलाहाबाद के सहाय क निदेशक, ग्रेड-1 (यांतिकीं) श्री एस० सी० गुलाटी को दिनांक 12 मई, 1982 (पूर्वाह्न) से, श्रगले श्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, रांची में तदर्थ श्राधार पर उपनिदेशक (यांतिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 मई, 1982

सं० 12(752)/72-प्रशा० (जी)— तकनीकी सलाहकार के पद पर भारतीय निवेश केन्द्र/भारतीय श्रौद्योगिक विकास बैंक भोपाल में, दिनांक 31-5-1980 से 31-3-1981 तक की प्रतिनियुक्ति की अविधि समाप्त होने तथा दिनांक 1-4-1982 से 5-5-82 तक के श्रीजित अवकाश की समाप्ति पर, श्री एस० श्रार० सिंह ने विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली में दिनांक 6-5-1982 (पूर्वाह्न) से उपनिवेशक (रसायन) के पद का कार्य भार संभाल लिया है।

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन मनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1982

सं० प्र०-1/2(353)/7—राष्ट्रपति, निम्नलिखित धिंध-कारियों को जो स्थापनापन्न उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, समूह "ए" के ग्रेड II (के रूप में उनके नाम के सामने लेखा-कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर कार्य कर रहे हैं को दिनांक 30-9-1981 से नियमित श्राधार पर उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा समूह "ए" के ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

- श्री पीं० एन० सोनी, म० नि० पू० नि० मुख्यालय, नई दिल्ली।
- 2. श्री एंस० फारूख हमीद, म० नि० पू० नि० मुख्यालय, नई दिल्ली।
- 3. श्री सुधोष बंसल, पू० तथा नि० निषे०, कलकत्ता ।
- 4. श्री एस० एल० संखूजा, पू० तथा मि० निद्रे०, बम्बई।
- श्री एस० के० शुक्ल, म० जि० पू० नि०, मुख्यालय नई दिल्ली।

उप निदेशक पूर्ति के रूप में नियमित धाधार पर पदोन्नित होने पर उपर्युक्त ग्रिधकारियों को दिनांक 30-9-81 (पूर्वाह्न) से 2 वर्ष के लिए परिबोक्षाधीन रखा जाता है।

सोहन लाल कपूर उप निवेशक (प्रशासन)

(प्रशासन धनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 31 मई, 1982

सं० प्र०-6/247(38)—-निरीक्षण अधिकारी (इन्जी) के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारीं (इन्जी) श्री जी० सहदेवन के रिचर्डसन धौर और कुड़ास लि० (भारत सरकार का संस्थान) में स्थायी रूप से समंजित कर लिये जाने पर दिनांक 1-6-1980 के पूर्वाह्म से जनका त्याग पत्न स्वीकार कर लिया गया है।

> न० म० **पेरू**माल उप निवेशक (प्रशासन)

इस्पात एवं खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लीह एवं इस्पात नियंत्रण कलकत्ता-20, दिनांक 25 मई 1982

सं० ई०-I-2(3)/75(०)--लौह एवं इस्पात नियंत्रक गुलदूबारा श्री प्रबीर कुमार बसु राय चौधरी, श्रधीक्षक की प्रौन्निति कर 22-5-1982 (पूर्वाह्न) से इस कार्यालय में सहायक लौह एवं इस्पात नियंत्रक के पद पर नियुक्ति करते हैं। एस० एन० विश्वास संयुक्त लौह एवं इस्पात नियंत्रक

> खान विभाग भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 25 मई 1982

सं० ए०-190012(30)/76-स्था० ए०—िवभागीय पदोन्नित सिमिति की सिफारिश पर श्री जी०एस० रेड्डी, स्थायी सहायक खनन श्रीभयंता को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद पर दिनांक 28-12-81 (पूर्वाह्र) से पदोन्नित की गई है।

व० च० मिश्र कार्यालय भ्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरी

सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली, विनांक 15 मई 1982

सं० 301/18/82-एफ० (एफ०)----सूचना और प्रमारण मंजालय की श्रधिसूचना संख्या 301/18/82-एफ० (एफ०) दिनांक 3-3-82 के द्वारा प्रकाणित भारत का 29वा राष्ट्रीय फिल्म समारीह, 1982 के विनियमों के नियम 19 और 20 तथा सिनेमा पर मर्वोत्तम पुरुत्क के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार, 1982 विनियमों के नियम 15 के श्रनुमरण में, केन्द्रीय सरकार ने तीन राष्ट्रीय ज्यूरियों द्वारा की गई सिफारिशों के शाधार पर निम्नलिखित फिल्मों/निर्देशकों/कलाकारों/तक्तनीशियनों/लिखकों को पुरस्कार देने की निर्णय लिया है, श्रर्थात्:--

%म सं ०	फिल्म का नाम ग्रीर भाषा	पुरस्कार विजेता का नाम	पुर स ्कार
1	2	3	4
*		1. फीचर फिल्में	
1. स	<mark>र्वोत्तम फीच</mark> र फिल्म के लिए पुरस्का	प र	
	दखल	. निर्माता	''स्वर्ण कमल''
	(बंगला)	सूचना ग्रौर सांस्कृतिक कार्ये विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, राइटर्स बिल्डिंग, कलकता-700001 ।	श्रौर 50,000/- रूपये (केवल पचास हजार घरण) का नकद पुरस्कार।
		निर्देशक	''स्वर्ण कमल''
		श्री गौतम घोष, 24-ई, रूस्तमजी स्ट्रीट, कलकत्ता-700019।	भीर 25,000/- रुपये (केवल पञ्जीर हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
2. te	तिय सर्वोत्तम फीचर फिल्म के	लिए पुरस्कार:	
	पोक्कूबे इ ल	निर्माता	
	(मलयानम)	श्री के० रविन्द्रनाथन नय्यर, जनरल	•
	•	पिक्चर्सं, क्ष्यिलोन-691001 (केरल)।	(केवल तीस हजार रुपये) का नकर पुरस्कार।

म्बलम्, त्रिवेन्द्रम-695010 (केरल)।

श्री जी० श्ररविन्दन, 9/1733, वेल्लाय- "रजत नामल" श्रीर 15,000/- रुपये

् (केवल पन्द्रह हजार रुपये)का नकद पुरस्कार ।

निर्देशक

1	2	3	4
3.	राष्ट्रीय एकता पर मर्वोत्तम फीचर फिल्म मप्तपदि	के लिए नरगिम दत्त पुरकार निर्माट	
	(तेसुगु)		"रजत कमल" श्रीर 30,000 रुपये (केवल तीस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
		श्री के० विण्वनाथ, नम्बर 2, (छठी कास स्ट्रीट, युनाइटेड इंडिया कालोनी, मद्रास- 600024।	"रजत कमल" भौर 15,000/- रुपये (फेवल पन्द्रष्ट हजार रुपये) नकद पुरस्कार।
4.	निर्वेशक की पहली सर्वोत्तम फिल्म के	लिए पुरस्कार ः	
	म्राधारमिला (हिन्दी)	श्री ग्रागोक ग्रहूजा 15/20, वेस्ट पटेल "र नगर, नई दिल्लो-110008।	जन समल'' भ्रौर 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
5	सर्वोत्तम निर्देशन के लिए पुरस्कार :		
	36 चौ रंगी लेन	श्रपणीं सेन,	"रजत कमल" श्रौर 20,000/- रुपये
	(श्रंग्रेजी)	8 सी०,सोनाली एपार्टमेन्ट्स, 8/2ए, म्रलीपुर पार्क रोड, कलकत्ता-700027 ।	(केवल बीस हजार रुपये) का कक्द पुरस्कार।
6	सर्वोत्तम पटकथा के लिए पुरस्कार :		
	तकीर तकीर (तमिल)	श्री कें० बालचन्द्र, 31, वारेन रोड, मद्रास- 600001।	"प्रजन कमल" श्रीर 10,000/- रुपये (केवल दम हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
7	सर्वोत्तम ग्रभिनेता के लिए पुरस्कार :		**
•	ग्रोम पुरी	श्री श्रोम पुरी, 181, बक्शी निवास, भगत	"रजन कमल" ग्रौर 10,000/- रुपये (केवल
	ग्रारो <mark>हण (हिन्दी)</mark>	सिह कालोनी, ग्रंधेरी (पूर्व) । वम्बई ।	दस हजार रुपये) का नक्षद पुरस्कार।
8.	सर्वोत्तम ग्रभिनेत्री के लिए पुस्रस्कार :		
	रेखा	सुर्श्ना रेखा, ''सी वर्ड'' बैड स्टेड, बान्द्रा	"रजत कमल" श्रीर 10,000/- रुपये
	उमराव जान (हिन्दी)	(पश्चिम) बम्बई-400050।	(केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
9.	सर्वोत्तम बाल कलाकार क लिए पुरस्कार:		
	इमागी निगयेम	म।स्टर लिखेंन्द्र सिह्, थगमीबद, इम्फाल-	"रजत कमन" भीर 5,000/- रुपये (केवल
	(मणिपुरो)	7950011	पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
10.	सर्वोत्तम छायांकन (रगीन) के लिए पुरस्क 36 चौरंगी लेन	हार . श्री श्रशोक मेहता, प्लाट नंबर 60, सैक्टर	"रजत कमल" भौ र 10,000∫- रुपयै
	(श्रंग्रेजो)	नंबर 8, न्यू बम्बई, वाशी ।	(केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
11.	मर्वोत्तम छायाकन (सादा) के लिए पुरस्क	।र ·	
	मूरू दारीगल् (कन्नड़)	श्री एस० श्रार० भट, गणेश महल होटल, 18वी त्रास, शैम्पिशे रोड, मालेश्वरम, बंगलौर-560055।	"रजत कमल" भीर 10,000/- रुपये (केवल दम हजाण रुपये) का नकद पुरस्कार।
			\$

1	2	3	4
1 2.	मर्वोत्तम ग्रालेखन के लिए पुरस्कार :		
	ए लिपतायम	श्री पी० देवदास, केरल राज्य फिल्म,	"रजत कमल" श्रीर 10,000/- रुपये
	(मलयालम)	विकास निगम,	(केवल दस हजार रुपये) का नकद
		(केरल) ।	पुरस्कार ।
13.	सर्वोत्तम सम्पादन के लिए पुरस्कार:	·	
	म्रारोहण वारोहण	श्री भानुदास दिवाकर, चौथी टोपोवाला	"रजन कमल" भौर 10,000/- रुपये
	(हिन्दी)	लेन, शारदा बल्डिंग, कमरा नंबर 39, डा० डी० बी० मार्ग, बम्बई-400007।	(केवल दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
14.	सर्वोत्तम कला मिर्देशन के लिए पुरस्कार :		
-	उमराव जान	श्री मन्जु, ग्रार्ट हाऊस, प्लाट नं०-58,	"रजत कमल" श्रौर 10,000/- रुपये (केवल
	(हिन्दी)	इरला, श्रन्धेरी (पश्चिम), बम्बई-400058।	दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
15.	सर्वोत्तम संगीत निर्देशन के लिए पुरस्कार :		
	उमराव जान	श्री खय्याम, दक्षिणा मूर्ति एपार्टमेन्ट्स 71/	"रजत कमल" 10,000/- रुपये (केवल
	(हिन्दी)	ए, 10वी रो ड , बम्ब ई-400049।	दस हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
16.	सर्वोत्तम पार्थ्वगायक के लिए पुरस्कार :		
	एक दूजे के लिए	श्री सी० गी० बालसुध्रमण्यम, नम्बर 64,	''रजत कमल'' श्रौर 10,000/- रुपये (केवल
	(हिन्दी)	फर्स्ट कास स्ट्रीट, कामदार नगर,	दस हजार रुपये) का नकद
		मद्राल-600034।	पुरस्कार ।
17	सर्वोत्तम पार्ष्वगायिका के लिए पुरस्कार.		
	उमराव जान	सुर्थाः प्राशाः भीसले, "प्रभु कुन्ज" पेडर रोड	''रजन कमल'' 10,000/- रुपये (केवल
	(हिन्दं।)	बम्बई।	दम हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
18.	निर्णायक मण्डल का विशेष पुरस्कार :		
	सद्गति	श्री भत्यजित रै, निर्देशक, 1/1, बिश्प	''रजत कमल'' 5,000/- रुपये (केवल
	(हिन्दी)	र्लाफाण रोड़, कलकत्ता-700020 ।	पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार
19.	प्रत्येक प्रादेशिक भाषा की सर्वोत्तम फीच	र फिल्म के लिए पुरस्कार:	
	(1) बंगल कयसर्वोत्तम फिल्म के लिए प	· -	
	• /	निर्माता	
	(बंगला)	श्री डी० के० चक्रवर्ती, मैसर्स डी० के०	"रजन कमल" स्रौर 15,000 रुपये
		फिल्म्स, इन्द्रफाहज, पी-36, इंडिया एक्सन्चेंज प्लेस, कलकत्ता-700001।	(केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नक्षव पुरस्कार
		निर्देशक :	
			"रजत कमल" ग्रौर 7,500/- रुपये
		न्यू भ्रलीपुर, कलकत्ता-700053।	(केवल सात हजार पांच सौ रुपये) का नकद पुरस्कार।
	(2) अंग्रेजी की सर्वोत्तम फिल्म के लिए पु	गरस्कार :	
	• /		"रजत कमल" भ्रौर 15,000/- रुपये (केवल
		श्री प्राण्टि कपूर, मैसर्स फिल्म वलास, 6,	पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
	(" " ")	रेडीमनो टेरेस, दूसरा तल, डी० ए० बी०	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
		रोड़, वर्ली, बम्बई-400018।	

1 2	3	4
- 1000 pgs (2000 pgs) pgs (2000 pgs) 1- 100 - 100 pgs (2000 pgs (2000 pgs) pgs (2000 pgs) pgs (2000 pgs) pgs (2000 pgs)	निर्देशक र गुश्राः श्वपर्णा सेन, ८ सा, सोनार्लाः गुपार्टमेट्स, ४/2ए, श्रर्लापुर पार्करोड़, कलकत्ता-700027।	"रजत कमल" श्रीर 7,500/- रुपये (केवल सात हजार पाच सी रुपये) का नकद पुरस्कार।
(3) हिन्दीकी सर्वोत्तम फिल्म के लिए प् ग्रारोहण	निर्माता	"रजत कमल" श्रीर 15,000/- रुपय (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार। "रजत कमल" श्रीर 7,500 रुपये (केवल सात हजार पांच सी रुपये)
/ \ D = \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \	र्जा० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।	को नकद पुरस्कार।
(4) कन्नड़ की सर्वोत्तम फिल्म के लिए बारा	पुरस्कारः निर्माता श्री एम० एम० सत्यू, बी-3, नेहरू नगर, जुहु तारा, बम्बई-400049। निर्देशक	''रजत कमल'' स्रौर 15,000/- रुपये (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
	तारा, बम्बई-400049।	"रजत कमल" और 7,500/- रुपये (केवल सात हजार पांच सौ रुपये) का नकद पुरस्कार।
(5) मलयालम की सर्वोत्तम फिल्म के एलिपत्तायम	लिए पुरस्कार: निर्माता श्रीके० रवीन्द्रनाथन नय्यर, जनरल पिक्चर्स, क्विलोन, 691001। (केरल) निर्देशक	"रजत कमल" भ्रौर 15,000/- रुपये (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
	श्री श्रदूर गोपाल कृष्णन् दर्शनम् त्रियेन्द्रम-695017 (केरल) ।	"रजत कमल" भीर 7,500 रुपये (केवल सात हजार पांच सौ रुपये) का नकद पुरस्कार।
(6) मणिपुरी की सर्वोत्तम फिल्म के लि	ए पुरस्कार :	
इमागी निगंथेम	निर्माता श्रीके० इबोहल शर्मा, एक्स-सिने, पाग्नोना बाजार, इस्फाल-795001 (मणिपुर)। निर्देशक श्रीग्नरिवम श्याम शर्मा, थंगमीबन्द लोरंगपुरेल, लीकाई इस्फाल-79500। मद्रास	"रजत कमल" श्रीर 15,000/- ध्यपे (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार। "रजत कमल" श्रौर 7,500/- रुपये (केवल सात हजार पांच सौ रुपये) का नकद पुरस्कार।
(7) मराठी की सर्वोत्तम फिल्म के लिए	र् पुरस्कार :	
ूँ उंबरठा	निर्माता श्री डी० वी० राव, बी-201, कल्पिता एन्कलेवज सहार रोड, ग्रधेरी (पूर्व) बस्बई-400059। 2. श्री जब्बार पटेल, कुरकुम रोड, दोण्ड, जिलापूर्ण।	संयुक्त रूप से "रजत कमल" श्रीर 15,000/- रुपये (केवल पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।
	निर्देशक डा० जब्बर पटेल० कुरकुम रोड, दोण्ड, जिला पुणे ।	"रजत कमल" ग्रीर 7,500 रुपये (केवल सात हजार पांच सी रुपये) कानकद पुरस्कार।

1 2 3 (8) उडिया की सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार शोन गति ''रजन कमल'' और 15,000/- रुपय (केवल पन्द्रह हुज।र रुपये) का नक्द श्री बलराम मिश्र, मार्फत वरार्ट। पिक्चर्स, मिश्र भवन, तुलसी पुर पुरस्कार। (कटक-8) (उडीसा)। निर्देशक ''र**जत** कमल'' श्रौर 7,500/- रुपये श्री मनमोहन महापात्र बी०-श्रार०-20 (केवल सात हजार पाच सौ रुपये) भुवनेश्वर-751001 युनिट सिक्स, का नकद पुरस्कार। (उडीमा)। (9) तमिल का सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार: तश्रीर तश्रीर निर्माता (1) श्री पी० श्रार० गोधिन्दराजन, सयुक्त रूप से "राजत कमल" ग्रौर कलाकेन्द्र मूवीज, 31, ईस्ट म्रबिरामपुर तीसरी गली, मद्रास-600004। 15,000/- रुपये (केवल पन्द्रह हजार (2) श्रामती डी॰ जयलक्षमी, कलाकेन्द्र रुपये) का नकद पुरस्कार। मुबोज, 31, ईस्ट श्रबिरामपुरम तीसरी गली, मदास-600004ी "रजत कमल" **भी**र 7,500 /- रुपये निदेशक श्री के० बालचन्द्र (केवल सात हजार पाच सौ रुपये) 34, भारेन रोष्ट, मद्रास-600004। का नकद पूरस्कार। (10) तेलुगु की सर्वोत्तम फिल्म के लिए पुरस्कार: सीता कोक चिलक निमाता "रजत कमल" भ्रौर 15,000/- रुपये (केवल श्री एडिडा नागेश्वर राव, 13, कामदार पन्द्रह हजार रुपये) का नकद पुरस्कार। नगर, नुगम बक्कम, मद्रास-400034। निर्देशक श्रीभारती राजा, ई-5, प्रस्न बिल्डिंग "र**जत** कमल" **ग्रौ**र *7,*50*0|-* रुपये जेमनी कामप्लेक्स, मद्रास-600006। (केवल साप्त हजार पाच सौ रुपये) का नकद पुरस्कार। लघ् फिल्में 20. सर्वोत्तम सूचना फिल्म के लिए पुरस्कार: फेसेज प्रापटन दि स्टामी निमता "रजत कमल" ग्रीर 5,000/- रुपये (केवल फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24, डा० पांच हर्जार रूपये) का नवद जी० देशम्खमार्गं, घम्बई-400025। पुरस्कार। निर्देशक ''रजत कमल'' ग्रौर 5,000 रुपये (केवल् पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कारी श्रीप्रकाश भा, फिल्म प्रभाग, 24, जा० जी० देशमख मार्ग, अम्बई-4000261 सर्वोत्तम शिक्षाप्रद/ज्ञानवर्धक फिल्म के लिए पुरस्कार दि फोर मिनट्स निमता "रजत कमल" ग्रीर 5,000 रुपये (केवल फिल्म प्रभाग, भारत रकार, 24, डा० पाच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार। जी० देशमुख मार्गे, बम्बई-400026। "रजत कमल" ग्रीर 5,000/- रुपये श्री बी० जी० देवरे, फिल्म प्रभाग, (केवल पाच हजार रुपये) कानकद भारत सरकार, 24, डा० जी० देशम्ख पुरस्कार । मार्गे, **बस्बई-40**0027।

3

22. सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म के लिए पुरस्कार:

हाइड्रम

निर्माता

'रजत कमल'

फिल्म प्रभाग, भारत सरकार, 24, जी॰ देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।

निर्देशक

श्री महमूद कुरेशी, फिल्म प्रभाग,भारत सरकार, 24, डी० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।

"रजत कमल"

23 मर्वोत्तम कार्ट्न फिल्म के लिए पुरस्कार:

दि धिकर

निर्माता

फिल्म प्रभाग, भारत सरकार; 24, डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।

''रजत कमल'' श्रौर 5,000/- रुपये (केवल पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार ।

निर्देशक

श्री ए० ग्रार० सेन० फिल्म प्रभाग,भारत सरकार, 24, डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-4000261

"रजत कमल" ग्रीर 5,000/- रुपये (केवल पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार।

ऐ**निमे**टर

सुश्री शैला परान्कर, फिल्मप्रभाग , भारत सरकार 24, डा० जी० देशमुख मार्ग, बम्बई-400026।

"रजत कमल" भीर 5,000/- रुपये (केवल पांच हजार रुपये) का पुरस्कार ।

24. सर्वोत्तम भारतीय समाचार चित्र न्यज मैगजोन नम्बर 12

के लिए पुरस्कारः

निर्माता फिल्म प्रभाग भारत सरकार 24, डा० जी० देशमुख मार्ग बम्बई-400026।

"रजत कमल" ग्रीर 5,000/- रुपये (केवल पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कर

पुस्तक पुरस्कार

सिनेमा पर सर्वोत्तम पुस्तक के लिए पुरस्कार: 25

नमिल सिनेमा विन कदै (तमिल)

श्री भ्ररन्थे नारायणन्, 19/14, पीटर्स रोड कालोनी, मद्रास-600014।

"रजत कमल" ग्रौर 5,000/- रुपये (केवल पांच हजार रुपये) का नकद पुरस्कार

4. दादा साहेब फ्राल्के पुरस्कार:

श्री नौशाद अली, आशियाना, कार्टर रोड, "स्वर्ण कमल" और 40,000/- रूपये बान्द्रा, बम्बई-400050।

(केवल चालीस हजार रुपये) का नकद

पुरस्कार भ्रोर एक शाल ।

विक्रम सिंह निवेशक (फिल्म)

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1982

मं० ए०12026/38/80(ए० ग्राई० ग्राई० एष० पी० एच०)-स्वास्थ्य भेवा महानिदेशालय ने वित्त मंतालय, व्यय विभाग (रक्षा प्रभाग) नई दिल्ली के श्रनुभाग श्रधिकारी श्री कें व चौधरी को 14 अप्रैल, 1982 से आगामी आदेशो 2-116 GI/82

तक श्रीखल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान कलकत्ता में प्रणासनिक ग्रधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के **ग्राधार पर, नियुक्त कर दिया है।**

दिनांक 25 मई, 1982

मक्यालय, नई दिल्ली में वरिष्ठ श्रम श्रीधकारी के पद पर

नियुक्त हा जाने के फलस्वरूप श्री ए० एमं० शर्मा ने सफदर-जंग ग्रस्पताल, नई दिल्ली से 30 श्रक्तूबर, 1981 ग्रापराञ्च में जन सम्पर्क ग्रीधकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 27 मई 1982

मं० ए०-12026/38/80-ए० श्राई० श्राई० एच० पी० एच० (प्रशासन-1)--श्रा जे० एम० भट्टाचार्जी के श्रपने मूल कार्यालय (पेरण्ट श्राफिस) में परावर्तन (रिवर्णन) हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 11 श्रप्रैल. 1982 के पूर्वाह्न से श्रीखल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जेन स्वास्थ्य, कलकत्ता के प्रशासनिक श्रीधनारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

त्निलोक चन्द जैन उपनिवेशक प्रशासन (संगठन एवं पद्धति)

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 15मई 1982

सं० विप्राइप/3(282)/81-स्थापना-1/6539—विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, पी० पी० ई० डी० पूल के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं परमाणु ऊर्जा विभाग के स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्रो एस० एम० शर्मा को इस प्रभाग में सहायक लेखा प्रधिकारी के पद पर ६० 650-30-730-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान पर श्रप्रैल, 30, 1982 के पूर्वाह्न में श्रागमी श्रादेश जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

मं० विप्राहम/3(282)/81-स्थापना-I/ 6540—विद्युल प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न महायक लेखापाल श्री के० टी० थामम को इस प्रभाग में महायक लेखा धिकारी केपद पर ६० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान पर मई 1, 1982 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

श्रार० वी० बाजपेयी सामान्य प्रशासन श्रधिकारी

बम्बई-5, दिनांक 14 मई 1982

सं० पी० पी० ई० डी०/4(788) 18/प्रणा०/6566— रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), दक्षिण मद्रास कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा इस प्रभाग के स्थानापन्न महायक लेखा अधिकारी श्री एम० एस० मोहम्मद इकबाल ने अपनी प्रतिनियुक्ति की अविध समाप्त होने पर 30 अप्रैल, 1982 के अपराह्म में इस प्रभाग में आगे पद का भार छोड़ दिया।

> बी० बी० थट्टे ग्रधिकारी

न भिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनाकः 10 दिसम्बर 1982 ग्रादेश

मं० ना० ई० स०/ का० प्र० 5/2606/2925/284—जब कि नाभिकीय ईधन मस्मिश्र के श्रनुरक्षण निष्का संयंत्र के कारीगर 'श्र' श्री मोस्मिद श्रब्दुल मजीद, (कार्मिक कूटांक 2925) (श्रवकाण की बिना किसी सूचना/मजूरी के) दिनांक 25-11-1980 के बाद में श्रप्राधिकृत: काम में श्रनु-पस्थित रहे हैं;-

ग्रीर जब कि उक्त श्री मजीद को दिनांक 3-4-81 की एक तार जारी करके काम पर तत्काल श्राने का निदेश दिया गया:

श्रीर जब कि तार मं० ना० ई० सं०: न मं० 315, दिनांक 3-4-81 की डाक प्रति उन्हें पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा उनके स्थायी नियासीय पते नियास मं० 5/10/64, पुलिस लाइन के समीप निजामाबाद (श्रा० प्र०) को भेजी गयी;

ग्रौर जब कि उक्त श्री मजीद काम पर नहीं श्राए; ग्रौर जब कि उक्त श्री मजीद को दिनांक 31-5-81

को एक श्रौर तार जारी करके तत्काल काम पर श्राने का श्रादेश दिया गया;

श्रीर जब कि तार सं० नं० सं०: श्र-149/505, दिनांक 31-5-81 की डाक प्रति जिसे उनके स्थानीय पते, निवास सं० 20-7-241/4, दिनका बाग के श्रन्दर, काजीपुरा, शाह श्रसी बंडा, हैदराबाद के पते पर पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा भेजा गया था; डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए हुए इस श्रक्युक्ति के साथ सौटा दिया, "प्रेषिती चला गया है, श्रतः प्रेषक को लौटाया जाता है"—

श्रीर जब कि उक्त श्री मजीव श्रप्ताधिकृतः काम से श्रनु-पस्थित रह रहे हैं, श्रीर इस प्रकार नाभिकीय ईंधन सिम्मश्र के स्थायी श्रादेशों के श्रनुच्छेद 39(5) तथा केन्द्रीय नागरिक सेवा (श्राचरण) नियम 1964 के नियम 3(1) के श्रनुसार कदाचरण का कार्य किया है;

श्रीर जब कि उक्त श्री मजीद को ज्ञापन सं० ना० ई० स० |का० प्र० 5/2606/2925/1807, दिनांक 12-10-81 के द्वारा श्रारोप तथा उनके विरुद्ध की जाने वाली प्रस्तावित कार्य-वाही की सूचना की गई;

श्रीर जब कि उनके उपर्युक्त स्थानीय पते पर पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित दिनांक 22-10-81 का उक्त ज्ञापन डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए हुए, इस श्रम्युक्ति के साथ लौटा दिया गया, "व्यक्ति चला गया है ग्रतः प्रेषक को भेजा जाता है";

ग्रीर जब कि उक्त श्री मजीद ग्रप्राधिकृत: काम में निरंतर श्रनुपस्थित रहे, तथा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को ग्रपना पता ठिकाना नहीं मुजित किया, जिसका तात्पर्य यह हुआ कि उन्होंने नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र से ग्रपनी सेवा स्वेच्छ्या त्यागदी है; भ्रौर जब कि नियमानुसार जांच करना व्यवहारतः श्रसंभव हो गया है;

श्रीर जब कि मामले के श्राभिलेखों का सावधानी पूर्वक मनन करने के पश्चात श्रधोहस्ताक्षरी संतुष्ट थे कि उक्त श्री मोहम्मद श्रब्दुल मजीद सेवा में रखने योग्य व्यक्ति नहीं थे तथा इस श्रनंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री मोहम्मद श्रब्दुल मजीद पर सेवा से निष्कासन का दंड श्रधिरोपित किया जाए;

श्रीर जब कि उक्त श्री मजीद को ज्ञापन सृं० ना० ई० स०/ का प्र0.5/2606/29.25/22.49, दिनांक 0.29-1.2-81 द्वारा इस श्रनंतिम निष्क्षे की सूचना दी गयी;

श्रीर जब कि दिनांक 29-12-81 के उक्त ज्ञापन को जिसे उनके निवासीय पते निवास स० 20-7-241/4, दिनका बाग के श्रंदर, काजीपुरा, शाह श्रंली बंडा, हैदराबाद को पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किया गया था, से भी डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए हुए इस श्रभ्युविन के साथ वापस कर दिया "व्यक्ति चला गया है श्रतः प्रेषक को वापस किया जाता है";

ग्रौर जब कि मामले के श्रिभिलेखों के श्राधार पर श्रधो-हस्ताक्षरी इस श्रंतिम निष्कर्षपर पहुंचे हैं कि उक्त श्री मोहम्मद श्रब्दुल मजीद पर सेवा से निष्कासन का दंड श्रधिरोपित किया जाए;

श्रतः श्रव केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियहण वं श्रपील) नियम 1965 के नियम 19 (II) को नाभिकीय इंधन सम्मिश्र के स्थायी श्रादेशों के श्रनुच्छेद 43 तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रादेश मं० 22(1)/68-प्रशा०-II, दिनांक 7-7-79 के साथ संयोजित करते हुए उनमें प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्रधोहस्ताक्षरो उक्त श्री मोहम्मद श्रब्दुल मजीद को सेवा से तरकाल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

नि० कोंडल राव, मुख्यकार्यपालक

- श्री मोहम्मद प्रब्दुल मजीव नि० सं० 20-7-241/4, दनिका बाग के ग्रंदर, क्राजीपुरा, णाह ग्रली बंडा, हैदराबाद।
- श्री मोहम्मद ग्रब्दुल मजीद नि० सं० 5-10-64, पुलिम लाइन के समीप, निजाम बाद जिला

हैदराबाद-500762, दिनांक 31 मार्च 1982 श्रादेश

सं० ना० ई० म०/ का प्र० 5/2606/2638/653--- जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के समृद्ध यूरेनियम श्राक्साइड संयंत्र के मददगार 'बी' श्री जी० नर्रासह दिनांक 11-12-80 से काम से श्राधिकृत : श्रानुपस्थित रह रहे हैं;

आर्थि जब कि उन्हें काम पर तत्काल आने के लिए दिनांक 29-12-80 को तार द्वारा निदेश दिया गया;

श्रीर जब कि उक्त श्री नर्रासह को, उनके निवासीय पते पर प्रेषित नार की डाक प्रतिसं० ना० ई० स०/का० प्र० II/ न० 139/2636/म य श्रां सं/3383, दिनांक 29-12-80, प्राप्त हुई किन्तु श्री नर्रासह काम पर नहीं श्राए।

श्रीर जब कि दिनांक 6-2-1981 को उन्हें काम पर तत्तकाल ग्राने के लिए एक श्रीर तार प्रेषि किया गया किन्तु श्री नर्रामह काम पर नहीं श्राए;

ग्रीर जब कि ग्रंपने उपर्युक्त कार्य केंद्वारा उक्त श्री नरसिंह ने नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी श्रादेशों के श्रनुच्छेद 39 (5) तथा केन्द्रीय नागरिक सेवा (ग्राचरण) नियम, 1964 के नियम 3(1) (ii) तथा 3(1) (iii) के ग्रनुसार कदा-चरण का कार्य किया;

श्रीर जब कि उक्त श्री नर्रासह को उनके विरुद्ध श्रीरोप तथा प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना ज्ञापन सं० ना० ई० स०/ का० प्र० 5/2606/26236/929, दिनांक 26-4-1981 के द्वारा दी गयी;

श्रीर जब कि उनके निवासीय पते:——निवास मं० 7-1-632/107, बापु नगर, संजीव रेड्डि नगर, हैदराबाद 500038, को प्रेषित श्रारोप पत्न सं० ना ई स/ का प्र5/2606/2636/929, दिनांक 26-4-81 को डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए हुए इस श्रभ्युक्त के साथ बापस कर दिया चला गया है";

श्रीर जब कि श्रधोहस्ताक्षरी ने उक्त श्री नरिसह के विरुद्ध लगाए गए श्रारोप की जांच करवाने का विचार विया तथा तदनुसार श्रादेण स० नाई स/क। प्र 5/2606/2636/1271, दिनांक 9-7-81 के द्वारा एक जांच श्रधिकारी को नियुक्त किया:

ग्रीर जब कि दिनांक 13-10-81 को जाच ग्रधिकारी ने ग्रपनी रपट प्रस्तुत की जिसमें यह कहा गया कि उक्त श्री नरसिंहको जांच में भाग लेने के लिए नोटिस जारी करने पर भी उनके जांच में भाग न लेने के कारण एक पक्षीय जांच की गयो:

और जब कि दिनांक 13-10-81 की जाच रपट सह मामले के ग्राभिलेखों के ग्राधार पर ग्रधोहस्ताक्षरी उक्त श्री नर्रासह के विरुद्ध लगाए गए ग्रारोप को सिद्ध हुग्रा मानते हैं तथा इस ग्रनंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री नरसिंह पर सेवा से निष्कामन का दंड ग्रधिरोपित किया जाए;

थ्रौर जब कि उक्त थ्रा नरसिंह को उपर्युक्त इस भ्रनंतिम निष्कर्ष को सूचना ज्ञापन स० ना ई स/काप्र 5/2606/2636/176, दिनांक 29-1-82 द्वारा दो गयी;

ग्रीर जब कि उनके उपर्युक्त निवासीय पते पर पावती सहपंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित दिनांक 29-1-82 के ज्ञापन को उक्त श्री नरसिंह ने प्राप्त किया;

श्रार जब कि उक्त श्री नरसिंह ने निर्धारित समय के भीतर कोई भी श्रभिवेदन नहीं प्रस्तुत किया; श्रीर जब कि उक्त श्री नर्रासह द्वारा श्रप्राधिकृत: काम से निरंतर श्रमुपस्थित (बिना श्रवकाश की मंजूरी के) रहने का तात्पर्य नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र से स्वेच्छता श्रपनी सेवा त्यागना है;

श्रीर जब कि भ्रधोहस्ताक्षरी जांच रपट सह मामले के भ्रभिलेखों के श्राधार पर इस श्रंतिम निर्णय पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री नरसिंह सेवा में बनाए रखने के लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं है तथा उस पर सेवा से निष्कासन का दंड भ्रधि-रोपित किया जाए;

श्रतः श्रव नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी श्रादेशों के श्रनुष्ठेद 43 को परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रादेश सं० 22(1) 168-प्रशा-II, विनांक 7-7-79 के साथ संयोजित कर उनमें प्रयत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रधोहस्ताक्षरी उक्त श्री जी० नरसिंह को तस्काल प्रभाव से सेवा से निष्कासित करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी प्रवन्धक, कार्मिक व प्रशासन

श्री जी० नर्रासह, नि० सं० 7-1-632/107, बापु नगर, संजीव रेड्डि नगर, हैदराबाद-500038

भ्रन्तरिक्ष विभाग इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलूर-560058, दिनांक 20 मई, 1982

सं० 020/1/(002)/82—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, इस केन्द्र के श्री एन० हरिदाशन चैट्टियार, ग्राभियन्ता एस० बी० का नाम परिवर्तन सम्बन्धी सभी ग्रीपचारिकता में पूरी करने के बाद श्री एन० हरिदास के रूप में सहर्ष नाम परिवर्तन स्वीकार करते हैं।

न्नाज तक सरकारी ग्राभिलेखों में जहां कही भी श्रीएन० हरिवागन चैट्टियार का उल्लेख है उसे श्री एन हरिवास समझा जायगा।

> एस० सुक्रमण्यम, प्रशासन अधिकारी

पर्यटन सथा नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3, दिनांक 28 मई, 1982

सं० ए० 32013(मेट)/6/81-स्था० 1---राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित ग्रधिकारियों को उसी विभाग में, उनके नामों के सामने दी गई सारीख से भ्रगला आदेश मिलने नक, स्थानापन्न मौसम विज्ञानी श्रेणी-1 के रूप में नियुक्त करते हैं:---

क्रम सं०	नाम		मौसम विज्ञानी के रूप में कार्यभार संभालने की दिनांक
1. श्री ভ			23-11-1981
	हुल यश राय .		10-12-1981
	ु गे०के०खका .		28-11-1981
	प्रोम प्रकाण		9-11-1981
	ी० प्रसाद .		9-11-1981
	गि०मोहन .		28-11-1981
	तो ग्रजाना चौधरी		9-11-1981
8. डा०	जगवीश सिंह .		9-11-198
	ह० सु≆्या राष्ट्रो		24-12-198
	गे० डी० सेद्वी .		9-11-1981
11. প্রীয়	मी जित्लहरी		9-11-198
	एच० वी० गुप्ता		9-11-198
	ी० भ्रार० सेशाद्री		9-11-198
14. श्रीम	ती एन० जयन्ती		9-11-198
15. श्रीट	ी० सी० मनघन्दा		9-11-198
16. শ্বাং	प्रार० सी० सक्सेना		30-11-198
17. শ্বী	के० सेथुमाधवन	,	9-11-198
18. श्रीष	गि०सी० शर्मा.		9-11-198
19. श्री र	पुरजप्रकाश .	•	9-11-198
20. স্থা	टी० रमन राम्रो		10-11-198
21. श्री	कांती प्रसाद .		9-11-198
22. श्री	एस० के० बैनरजी		20-11-198
23. श्री	गि०एन० लिहु.		21-11-198

सं० ई०(1)00791—राजपत अधिसूचना सं० ए०-ए०-32013(III)/2/74-ई०1/एस० एफ० एस० दिनांक 30-8-1977 में आंशिक संशोधन करके भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहायक मौसम विज्ञाना श्री एम०एस० राजगोपालन और श्री एस० के० जैन का दिनांक 14-4-1977 के बजाय दिनांक 12-5-1977 से मौसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद पर उसी विभाग में श्रीफार्मा पदोन्नति स्वीकृत की जाती है।

> एस० के० दास मौसम विज्ञान के श्रपर महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई विल्ली, दिनांक 20 मई, 1982

० ए०-32013/9/81-ई० सी०—-राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित तकनीकी श्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की क्विधि के लिए वरिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी के में सदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनास किया है:---

ऋम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण तारीख	करने की
1.	श्रीपी० गुप्ता	रेडियो निर्माण श्रौर विकास एकक, नई विल्ली	वे ० सूं ० स्टेशन गौहाटी	14-4-82	(पूर्वाह्न)
2.	श्रीवी० गोवर्तनन्	वही वही	वे० सूं०स्टेशन,सिलचर	1-5-82	(पूर्वाह्न)

प्रेम चन्द

सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1982

सं० ए०-32014/1/81-ई० डक्ल्यू०--महानिदेशक नागर विमानन ने श्री विश्वाम सिंह, वरिष्ठ फायर फौरमैन (तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक अग्निशमन अधिकारी को दिनांक 12 ग्रपैल, 1980 से ग्रन्य ग्रादेश होने तक ६० 650 --1200 के वेतनमान में सहायक भ्रग्निशमन श्रिधिकारी केग्रेड में नियमित श्रीधार पर नियुक्त किया है।

2. श्री विश्वाम सिंह को सिविल विमानक्षेत्र, लखनक में तैनात किया गया है।

> ई० एल० द्रैसलर सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय बम्बई-1, दिनांक 29 मई, 1982

सं० एस० टी० 2/80-81—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावलो. 1944 के नियम 232-ए के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व लवण प्रधिनियम, 1944 की द्वारा-9 के ब्राधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्तियों, और प्रधिनियम की धारा-33 में संदर्भित अधिकारी द्वारा रु० 10,000/- या इससे प्रधिक की राशि के लिए दंडित व्यक्तियों के नाम व पते उपनियम-2 में उल्लिखित अन्य विवरणों सहित निम्न प्रकार से प्रकाशित किये जाते हैं :—

1. न्यायालय के मामले

31 मार्च, 1982 को समाप्त तिमाही का

विवरण-

क्रम सं०	व्यक्तिका नाम		पंता		। के किन प्रा वधानों का व तकिया गया	इण्ड∽राशि
1	2		3		4	5
				पून्य ———	ر منظر می از می است. این	
	ر من خوبور النظام به النظام به النظام ال		II. विभागीय न्य	ाय निर्णयन	ر صور بہت اور سی سے کی سیا اس پوائیست سے یہ آن پروشانسیا سیا	ہ کا بر رسا سے ماہری ہما ہے ، بر سے اسامی سیا نی ہے۔
क्रम सं०	•यक्तिकानाम	पता	ग्रिधिनियम के प्राव- धान या उसके श्रंतर्गत बने नियमों का उस्लंबन किया गया	दण्ड-राशि	धारा-33 के श्रंतर्गत न्यायनिणित गुल्केय माल का भूल्य, जो जम्स किया जाना है	
1	2	. 3	. 4	5	6	7
1.	मैससे प्रभात डाइंग एण्ड प्रिटिंग वक्से ।	सोनावाला कॉस रोड, गोरेगोव, बम्बई-63 ।	नियस 173-एफ नियम 9(1) के साथ पठित नियम	40,000/-	भून्य	भून्य

			_			
1	2	2	4	5	6	7
	<u> </u>		173जी०(1)		
			नियम 52 -ए	,		
			पठित नियम	173		
			जी (2) नियम	r 53		
			व 226 के स			
			पठित नियम ।	173		
			जी०(4)।			

कु० श्री दिलीपसिंहजी समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, बम्बई-1

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निषेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद भुत्क नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1982

सं० 9182—श्री जी० दोरईस्वामी ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन मुल्क मद्रास में सहायक समाहर्ता के पद पर तैनात थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 24-4-82 के श्रादेश सं० 77/82 (फा० सं० ए-22012/13/82-प्रणा०-II) के श्रनुपार निरोक्षण एव लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा गुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद गुल्क के मद्रास स्थित दक्षिणी प्रादेशिक युनिट में स्थानातरण हो जाने पर, दिनांक 29-4-82 (पुर्वाक्ष) से श्री एच० ए० पंड्या से सहायक निदेशक के पद का वार्यभार ले लिया।

एस० बी० सरकार निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक मई, 1982

सं० ए०-19012/997/82-स्था०-पांच--श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री जी० एल० दुवानी, पर्यवेक्षक को श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/महायक इजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में 3 श्रप्रेल, 1982 की श्रपराह्म से छः महीने की श्रविध के लिए श्रथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः श्रस्थायी एवं तबर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं। उनकी पदोन्नति हो जाने पर श्री बुदानी को केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण, नई दिल्ली में पदस्थापित किया जाना है।

दिनांक 27 मई, 1982

सं० ए०-19012/1003/82-स्था-पांच -- श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री श्रार० एस० रंधावा, श्रीभकल्प सहायक को श्रीतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-

40-1000-६० रो०-40-1200 के वैतनमान मे 31 मार्च 1982 की पूर्वाह्न से छ महीने की श्रवधि के लिए अथवा पद, को नियमित बाधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः श्रम्भायी एवं तदर्थ ब्राधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 मई 1982

सं० ए०-19012/853/80-स्था०-पाच--- अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एस० सी० सारस्वत, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड मे ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40 -1200 के वेतनमान मे प्रारम्भ में 17 सितम्बर, 1980 की पूर्वाक्ष से छः महीने की अवधि के लिए श्रथवा पद को नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः श्रम्थायी एवं तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

ए० भट्टाचार्य श्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनाक 30 म्रप्रैल, 1982

मं० 1/23/69-ई० सी०-9--इस विभाग के वरिष्ठ वास्तुविद्, श्री ए० जे० भट्ट वार्धक्य की श्रायु प्राप्त करने पर विनांक 30-4-1982 (श्रपराह्म) की सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं 1/348/69-ई० सी०-9---इम विभाग के वास्तुविद् श्री पी० सी० शर्मा वार्धास्य को ग्रायु प्राप्त करने पर दिनाक 30-4-1982 (श्रप०) को सरकारी सेवा से निव्स हो गए।

> श्रीमती नीना गर्ग प्रणासन उपनिदेशक

कार्यालय सहायक भायकर अधुका (निरीक्षण) ग्रजंद रंज, लुधियाना लुधियाना विनांक 24 मई 1982 शुद्धि पत

सं० 365—इस कार्यालय द्वारा धारा 269-घ(1) के स्रधीन जारी किए गए नोटिस, जोकि भारत के राजपत 17-6-1978 के सप्ताहान्त स्रंक मे पृष्ठ 3441 पर प्रकाणित किया गया था, मे निम्नलिखित संशोधन विधा जाता है —

''श्री रंजीव गुष्त मुपुा श्री बी० एन० गुष्ता के स्थान पर ''श्री रांजीव गुष्ता सुपुत्र श्री बी० एन० गुन्ता नियासी मकान नं० 74, संक्टर 5-ग्र, चन्डीगढ़'' पढ़ा जाए।

> सु**खदेव धन्द** निरीक्षो महायक श्रायकर श्रायक्त श्रर्जन रेंज, ल्धियाना

प्रस्य नाइ. टी. एन्., एस.------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन परिक्षेत्र, बिह्मर, पटना पटना, विनाक 19 मर्द 1981

निद्येश सं.।।। 550/अर्जनं/82-83→-अतः मुफ्ते, हृदय नारायण,

नायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिशिनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से मिथक है

और जिसकी संख्या म्युनिसपिनिटी होल्डीग स 869 (नया) का अंश एम प्लौट सं 758 बी जो सं 758 बी/बी से निर्गत वार्ड सं 1 है तथा जो मोराबादी रोड, ग्राम चदरी रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची और में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकरता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-9-1981

को पूर्वोक्स सम्पर्तिस के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्नीवक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी अपने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आण्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निकासिय व्यक्तियमों, सूर्धातः :—

- 1. श्री प्रभात कुमार विश्वाय (2) श्री प्रशात कुमार विश्वास (3) श्री प्रभात कुमार विश्वास (4) श्री प्रवृत कुमार विश्वास सभी बल्द स्व. के. के. विश्वास, निवासी सिर्काट श्लाउस रोड, थाना लाल-पूर जिला रांची। वर्तमान पता-सी. एस. 17/4 गोल्फ ग्रीन अर्वन कम्पलेक्स, कलकत्ता-70045
- 2. श्री कृष्णा भगत (2) श्री जय्देव भगत दोनो नावालिय पुत्र श्री कर्मचन्द भगत जो अपने मां एवं स्वभाविक अभिभावक श्रीमती मालती भगत द्वारा प्रदर्शित है। निवासी करमटोली, थाना लालप्र, जिला रांची। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संप्रित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त गिंगियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पुराने आविशिय मकान एवं जमीन के कुल रकबे 5 कटठे सहित मौजा मोराबादी रोड ग्राम घदरी रांची में स्थित है तथा पूर्ण रूप में विसिका संस्था 1-7512 दिनांक 4-9-81 में वर्णित है एव रिजिस्ट्रार आफ एक्योरोन्स कलकत्ता द्वारा पजीकृत है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, जिहार, पटना

तारील: 19-5-1982

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जो भारा 269 व्य (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना एटना, दिनांक 19 भई 1982

निद्धाः सं. ।।। 548/अर्जन/8-2-83---अतः मुक्ते, हृदयः नारायण,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या रांची स्यूनिहर्गिलटी होल्डोंग सं. 869 (नया) का अंध एस एस प्लाट सं 758 बी जो सं 758 बी/ए. में निर्गत बर्चड स. 1 ही तथा जो सौरादादी रांड, ग्राम चदरी रांची, में स्थित ही (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिश हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 5-9-81

को पूर्थिक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय। गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे सविधा को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् --- 3—116GI/82

- 1. श्री प्रभात क्यार विश्वास (2) श्री प्रशांस क्यार विश्वास (4) श्री प्रभाव क्यार विश्वास (4) श्री प्रवृत क्यार विश्वास सभी वल्द स्व के हो विश्वास (5) श्री मही सदलानी विश्वास विश्वास स्व. के. के. विश्वास, निवासी सर्विट हाउस राष्ट्र, श्रीन लालपुर जिला रांची, वर्तमान पता-सी. एग. 17/4 गोल्फ ग्रीन अर्थन कम्पलैक्स, कलक्या-700045
- (अन्तरक)
 2 श्रीमती मालती भगत जीज श्री कर्मचन्द भगत (2) श्री
 रिबन्द नाथ भगत दल्द श्री कर्मचन्द भगत निवासी
 कर्मटोली, शाना लालप्र, जिला रांची
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृस्ची

पुराने आवासीय मकान एवं जमीन के काल रकवे 5 कटडे महित मौजा मोरावादी रोड ग्राम चदरी, रांची में स्थित है तथा पूर्ण रूप से विस्कृत संख्या 1-7523 दिनांक 5-9-81 में विर्णित है एवं सक राजिस्ट्रार आफ एक्योरीय कलकता द्वारा पंजीकृत है।

हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्नीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

नारीख : 19-5-1982

रक्ष्म अह_{ा वे सन} प्रसाद

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चन

गारत सम्बार

कार्यातय सहारका आयवार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, पना-411004, पूना-411004, विनास 10 सही 1982

निदर्श स पि ए /एस-आर मिरज । /सण्टे 81/684/ 82-83--गत मभ्डे, आर के अफ्रवाल, अरण्टार अदिभिष्या, 1961 (1961 — 13) (जिसे इसम इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सफिल जिसला प्रवित काकार मल्य 23,000 ' " में अभिक हैं। आरि जिल्ली रामा स. स. २२6 ही ताथा रा सीपे विष्ताड सा. क्रिकेट कि कामी सा किश्य ही (और इसका प्राप्त क्या सामा क्षा और एक क्या र एकिट हो। काडिका हा अधिराधि की है जागा लय राज्य किन्। पा किरवा । का, मीत्र ही पण अधि। उस 1908 (1908 रा १७) को अभीर, ता मिनशर 1931 को पृत्रीं तत सम्पत्ति के प्रचित्र बाजार मृख्य से कम के दृश्ययात अतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विख्वार करने का कररण है कि धराप्वीकत सम्पन्धि र उचित बाजार मृत्य, उसक देल्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है थां। ग्रन्तरक (भ्रन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो। के बाच म्भ अस्तरण के स्वए तम पाया गया प्रतिकल निम्नश्लिखित न्द्रेग्ग से पुरूत प्रान्तर्ण लिखित में बास्तावक **रूप** से कथित नही किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सकत क्षिप्त-श्रियम, के अधीत पर तेने अन्तरक देवायल में क्षणी करते या जमरे अच्च में स्विधा लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों हो, जिन्हें भारतीय आग्रहर ध्रिश्तियम 1922 (1923 हा (1) पा उन्त अविनियम, प्रधनियम 1957 (1757 का 27) क प्रधाननार्थ ध्रन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा है लिए;

ान भव, पक्रन पश्चितियम को ग्रारा 269-ग के अनु-तर्थ मे, में, उक्त प्रधितियम की ग्रारा 269-व की उपधारा / 1 र कक्कील निकालियिन क्यक्तियों स्वर्धान :--- ो पाष्ट्रण । ता भिक्तमाण र रूप हे के पहा ए। सिरज, जि. भागानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता ह⁻।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी शक्षेप --

- (क) इत यूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका में 45 दिन की धविधिया तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी धर्वाव बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कन व्यक्तियो पे से किसी व्यक्ति द्वार :

स्पदशीकरण --- ६२६ प्रयुक्त अवसीं भीर पदों का, को चक्त प्रधिनियम के मध्याय 20-क न परिभाषित है, वहीं भर्म होगा जो उस श्रद्धाय में विशासना है।

अनुसूची

प्रिपटिं जास न 236, मौजे कापवाड, ता मिरज, जि सागली मा स्थित है। (जैस की राजिस्ट्रीकृत विलय ता 2053 सितम्बर 1981

म बच्यम शित्रध्क मिरज । के दण्तर म लिखा है)।

हार के अभवान सक्षर प्राप्तका भी सक्षयक भाषाहर (भिनीक्षण) अर्जन रोंन, पना-411004

तारोख 10-5-1982 मोबार

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, प्ना-411004

पूना-411004, दिनाव 10 मई 1982

निद्देश स सि ए-5/एस अर जलगाव नवस्वर 81 689/82-83—स्ट मुक्ते, आर के अग्राल, अध्यम स्थितिया, पर। (1961 का 43) (जिसे इम धान का का प्रवात जिसे इस धान का का का का का प्रवात जिसका प्रविचाय करने का कार के अधीन सक्षम प्रविकारी की, यह विश्वाय करने का कार के कि ग्वावर मूल्य 25,000 रह स अधिक है

और जिल्ली कल्या कत र न 240/1 है तथा जा महराण ता और जि जलगाव म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मा उर पूर्ण रूप स्विप्त है), रिस्टिंग कि तार्थलिय दय्यम निवधक जलगाव मा, रिजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवम्बर 1981

का वर्णन स्वादित के चर गाजार में तो र क्रम को दृश्यमान प्रतिक ने दिश्यमान प्रतिक ने दिश्यमान प्रतिक ने दिश्यमान करने का जाजार करने का जाजार गृह्य उसने दृश्यामान प्रतिक ने में, के दृश्यामान प्रतिक ने ना स्वादेश प्रतिक ने प्रतिक ने में, के दृश्यामान प्रतिक ने ना स्वादेश प्रतिक ने प्रतिक ने प्रतिक ने प्रतिक ने प्रतिक निम्नार्ग करने के जिल्ला स्वादेश प्रतिक ने प्रतिक निम्नार्ग कर उद्देश्य ने उसते अन्तरण निष्टित है वास्त्रीत का में किंग्रेट नहीं किया। स्वादे हैं के

- क. प्रस्तर स हुई किसी ग्राप्य की बाब प्रश्त विश्व कर है। यम्तरक के जायस्य स कथा करने या इसम बचने स सुविधा क लिए; और/या
- ख) एसी किया आय गा किया घन या घर आस्तियों मो जिन्ह भारतीय प्रायकर ग्रिविनियम, 192 '1022 का 11) या उकन ग्रिविनियम या चन-कर मिंचिनियम, 1957 (1957, 27) क प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिते हारा प्रस्त नहीं कि । गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा ने लिए,

अत: अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-न के धन्मरण मे, म, उक्त पद्मिनिया े धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत

- शि रहिम्द्रदोन शरुद्दोन पीरजाद द्रारा जफराद्दीन पीरजाद महरुण, ता जि जलगाव (अन्तरक)
- 2 श्री दितीप समस्थमल गाधी भागीदार सम्प्रट डेव्हलण-मट कारपोरेशन जलगाव 56, नवी पठ, जलगाव (अन्तरिती)

को यह मूचना जारा कर के पूर्वोक्त सम्पात क अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हु।

उना सम्यत्ति क अर्जन क सबध में नाई भा आह्नोप .--

- (क) इस पत्रता क राज्यक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध मा तस्सम्बन्धी न्यन्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन को अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी क्यक्ति अराः।
- (व) इन म्वता करा पात में प्रकाशन की ता कि में की दिन के भीतर उचन स्थावर सम्पत्ति में हितबरू िक्सी अन्य स्थावित द्वारा ग्रान्स्ताभागी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

म्पर्धांकरण -इमा प्राप्त अवताओर पदो का जो उपन अधिनियम में अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं का गा, ने उन अकार में पदया गया।

अन्सूची

प्रौप्रटी जा श्वेत स न $240^{i}/1$ महरुण, ता जि $_{1}$ जलगव म स्थित है।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क 4180 जा नवस्थर 1981 में द्यम निबधक जलगाव के दफ्तर में लिखा है)।

आर के अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{ें}ज, पूना-411004

तारीख 10-5-1982 मोहर प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004 पूना-411004, विनोक 30 अप्रील 1982

निवक्त सं. सी. ए.-5 एस-आर/मालेगांव सप्टं 81/671/ 82-83--यतः मुक्ते, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000 / रतः सं**अधिक ह**ै। और जिसकी संख्यासि. सं. नं. 733/बी प्लौटन. 16 है तथा जो काम रोड मालगांद में स्थित है (और इसमें उपाबक्ष अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुव्यम निविधक मालेगांव मों, रिजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर कां पर्वाक्ति संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफलें से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिस्ति उध्बोध्य से उच्त अन्तरण में निस्तित नास्तिनिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भज-कर अधिनियम, या भज-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्ति द्वी क्षारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया चाना चाहिए जा, कियाने में सविभा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उप्पाण (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

 श्री रमेशचद्र जी शहा 153, सामवार पंठ, मालेगांव 423203, जि. नासिक

(अन्तरक)

2. श्री इकानिश्मिक ट्रान्सपोटो अर्गिनायज्ञेशन इकानिश्मिक हाउम, 1 फलंक रोड, चिचबंदर, मृत्रअी 400009

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षित सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीब से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्रौपर्टी सि. सं. न. 733/बी प्लॉट न. 16, कप रोड, मालेगांव जि. नास्कि में स्थित हैं। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 4256 जो सितम्बर 1981 में दुम्यम निबंधक मालेगांव के दफ्सर में लिखा है।

आर. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

ारी**ख** 30-4 1982 मो**हर**∶ प्ररूप आर्घ.टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रॉज, पूना-411004

पुना-411004, दिनांक 1 मई 1982

निर्दाक स. सी 5/एस आर. कल्याण/भारत सरकार स्पर्ट. 81/679/82-83---यतः मृभ्ते, आर. के. अ्ग्रवाल, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक **हैं** और जिसकी संख्या स.न.6 (भाग), स.न.8 (भाग), सि. स. न. 9814 से 9817 टिक्कान 43 ही तथा ज गजवधन पाथलीं ता. कल्याण जि. ठाणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से शर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय दारयम निबंधक कल्याण मो, रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1981 को पूर्वीक्स सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि सथापर्वित्त सर्पात्न का उचित साजार म्लय उसके दश्यमान प्रतिफाल सं, एमे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गंगा प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्कं) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियस को अधीन कर दोने को जन्तरफ को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; जीड/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

यतः अबं, उक्त अधिनियमं, की धारा 269 मं के जनसम्पर्म मैं, मैं, जनत अधिनियमं की धारा 269-व की उपभारा (।) के अधीन, निम्निनि**सित व्यक्तियों, अधीन**:--- श्री चंद्रकांत रामभद्र दंब स्थटन मंजूषा गोपाल नगर, डो बिवली (पूर्व) जि. ठाणे

(अन्तरक)

 श्रीमती मदाकिनी भुरश डांगे लक्ष्मी निवासी कल्याण पथ, डोंबिवली (पूर्व) जि. ठाणे

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस * शं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रौपटी जो सं. नं. 6 (भाग) और सं. नं. 8 (भाग) सि. गं. नं. 9814 स 9817 टिक्का नं 42, गजबंधन पाथली ता. कल्याण जि. ठाणे में स्थित है।

(प्रेंसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 1466 जो सितम्बर 1981 मा बेय्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर में लिखा है)।

> आर. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, पना-411004

वाराख 1-5-1982 मोहर आधनार अभिनियम, 1961 (1961 T 43) की धारा 269 घ (1) क अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पना-411004

पूना-411004, दिनाक 1 मई 1982

निद्दा में सी ए 5/एम आर उत्तर, सिनमार 81 680/82 83—- व मुक्त, आर क अग्रवात, अग्रक्त अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमा इसके परचाद 'उत्तर अधिनियम कहा गया है) की आरा 269- क अधीन सजम पायिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सपत्ति, जिसवा उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है और जिसकी संस्था सि मा न 1945/2 है तथा जा शहर जलगाद, जि जलगाव में स्थित है (और इसम उपाबद्ध अनसूजा में अपि पर्ण रूप में दिणह है), सोजस्मीकता अधिकारों के जाम से पूजि का स्थाप का स्थाप में स्थाप का स्थाप का अपि पर्ण रूप में दिणह है।, सोजस्मीकता अधिकारों के जाम से प्रविद्या निज्यव नाराह में, रिज्या का स्थाप का स्थ

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उन्क्त निधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (ब) एण विश्वा जाय या किसी अने या अन्य अस्तिया का जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मासविधा के लिए

अत अब, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग क अनस्रण म में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपनारा (1) के अधान, निम्मिश्रिक योक्सयां, अर्थान् । श्री विश्वनाथ অঠমেন सारस्वत । 117 নবী গঠ , জলশাস জি জলশাৰ

(अन्तरक)

2 श्री रामच्यू धांडाराभ कायर श्री प्रमराः पोङ्गराम त्रावर 109, नवी ५८, जलगाव कि जलगान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हानी हो, क भीतर पृथा क्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मूचना क राजपत्र भ पकाशन को तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यवित स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण----इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, नारी अध्यापान नामा व्याप्तान । विया गुगा हो।

अमृसूचा

प्रापर्टी सि. स. न. 1945/2 शहर जलगाव जि. जल-गाव में स्थित है। (जैस की रजिस्ट्रीकृत विलय के 3453 जा सितम्बर 1981 में वय्यम निवधक जलगाव के देफ्तर में लिखा है।

> आर के अग्रवाल मक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर अभ्वत (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

तारीस 1-5-1982 शहर श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक अयकार अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पूना-411004

पूना-411004, दिनाक 10 मई 1982

निर्दाश र मी ए 5/एस-आर जलगाद मिन्स्नार 81 687 82-83—स्त मुक्ते, आर के अगवात, आयकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पम्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की गारा 26 ल म प्रजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण के कि स्थानर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 5 200 के के प्रधिक है

और जिस्ती सल्या कोत्र न 143/1 सी-2 है तरा जो जलगत मास्थित हैं (और इसस उपादद्वा अनसूची मा और पूर्ण रूप से विधित हैं), राजिस्ट्रीव्ही अधिकारी के कार्यालय द्यारण निवधक जलगढ़ मा राजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के टिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान अतिफत तं, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गरा प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिग्तिन म बास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- क) अन्तरण नंहई िकमी आप की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मसिवधा को लिए.

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--- (अन्तरक)

2 श्री दिलीप समर्थुमर गाधी, भागीदार समाट ड बलपमाट कारपारशन जलगाट 56, नृती ५ठ, जलगाट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूक्तें कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः——इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

5ौंग्टीं जा शास न 143/1 सी -2 जलगात म स्थित है।

(जैस की रिजस्ट्रीकृत विलेख क 3456 जो सितम्बर 1981 म द्यम निवधक जलगान के दप्तर म लिखा है)।

> आर के अग्रवाल मक्ष्म प्राधिकारी महायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, पना

तारीख 10-5-1982 मोहर प्ररूप आह्र .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉन, पना-111004

पुना-411004, दिरांक 10 मध 1982

निर्वोध सं. सी. ए.5/एस-आर जलगाव/सिनम्बर 81 686/82-83—गन मुभो, आर. को. अप्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रह. से अधिक हैं और जिसकी संख्या घोट मं. ह. 143/1 सी.-1 हैं तथा जो जलगांव में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुरूम निवंधक जलगांय में, रिजिस्ट्रोकरण अधित्यम, 1908 1908 की 16) के अधीन, तारील मिलम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिष्ठल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अखने में सृविधा के लिए; जॉर/या
- (लं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री दिलीप समर्थमाल गांधी, भागीदार समाट इस्लपसेट कारपोरेशन जलगांव 56, नती पंठ, जलगांव

(अभ्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

प्रौण्टी जा कोत स. न. 143/1 मी-1 जलगाव में स्थित है। (जैस. की राजिस्ट्रीकृत विलेख क. 3455 जो सितम्बर 1981 से बुख्यम निवंधक जलगांव को बफ्नर में लिखा है)।

> आर. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज, प्ना

तारीख: 10-5-1982

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस.-----

आथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनाक 1 मर्ड 1982

निर्दाश संसी. ए. 5/एस-आर नासिक/सितम्बर 81/ 677/82-83--यसः मुभ्ते, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकंपश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/-रः. से अधिक है⁴ और जिसकी संख्या स. न. 440/2 है तथा जो टाकनी रोड, नासिक मो स्थित ही (अरि इसमें उपावद्ध अनसची में और पूर्ण रूप सं विर्णित हैं), रिजिस्ट्रीक्टर्ता शिधकारी के कार्यालय ब्य्यम निवधक नासिक मा, रिजस्ट्रीकरण अधिनिय, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीय मितम्बर 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य संकर के इत्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकार अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्त-रिती (अन्तरिहियो) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफार, निम्नति धित उद्देश्य से उपन अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थातः --- 4-116GI 82

- श्री उमाजी महादू बनकर मला, नजवीक नासडी पुल, नासिक पुणे रोड, नासिक 422001 (अन्तरक)
- 2 मुख्य प्रवर्तक उज्जवल सहकारी गृहरचना सख्या (नियोजित) द्वारा-जिला साक्षांटिंग अधिकारी 431/4, विश्व अपार्टमेट, 3 ए माला, अशांक स्तम, नामिक-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील में 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्रौपटी जो स. न. 440/2, टाकली रोड, नासिक में स्थित है। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलंख क. 4014 जो सितम्बर 1981 मा द्याम निबंधक नासिक के देफ्तर में लिखा है)।

आर. के. अग्रयाल सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, पुना

तारील 1-5-1982 शहर . प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रॉज, पूना

पूना, विनांक 1 मर्ड 1982

निक्षि स. मी. ए. 5/एम. आर. जलगांव/अक्तूबर/ 676/82-83---यदः म्भे, आर. के. अग्रवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हुँ

और जिसकी संस्था सि. स. न. 1973 ए और बी प्लाट न 12, है तथा जो शहर जलगान में स्थित है (और इसम उपाबद्ध उनुसूची मा पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, वुष्यम निबंधक जलगांन मा, रिजस्ट्रीकारण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अक्तूबर 1982

को पूर्णोंकर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृह्व प्रतिशत से अधिक है और अंत्रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंसरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुव किसी आग की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उस्ते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्परण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री विजय गंमरिमल जैन, 98, भवानी पेठ, जलगाव।

(अन्तरक)

 मसर्म मातीमहल अपार्टमोट जलगांव भागीदार, श्री महेन्द्र कुमार दिवन्द्र जेन भवानी पठ, जलगांव। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीका मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अदिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पन्ति में हिन्दद्ध िसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेग ।

स्पष्टोकरण :--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रापटीं जा मि. स. न 1973 ए आर बी प्लाटन. 12 शहर जलगाव मे स्थित हो।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 1828 जो अक्तूबर, 1981 में द्रायम निबंधक जलगांव के दक्तर में लिखा है।)

आर. के अग्रटाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना

न्पोच . 1-5 82

प्ररूप आहें .टी . एन् . एस .,------

हा। तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायितिय सहायक आयकर आगृक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पना

पुना, दिनाक 28 अप्रैल 1982

िद्दिश स. पि 5/एस आर काल्याण $^{\prime}$ आन 82/670 82-83-4स गुर्के, आर के आसरपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मित, जिसका प्रीचन बाजार मृष्य 25,000/ रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट न 10, स न 57 हिस्सा नं 2 वी +4 के हैं तथा जो गांव गजबंधन पाथलीं, ता कल्याण जि. ठाणें में स्थित हैं (और इससे उपादद्य अन्मुची में और पूर्ण रूप स वर्णित हैं), रिजस्दीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, द्य्यम निब-धक काल्याण में, रिजस्दीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल का, निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; सौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

- भी मधुकर बलवंत मधिरी और अन्य 5, आयिष्य फोपर रोड. डोंबिबली (पश्चिम) जि. ठाणे। (अन्तरक)
- 2 श्री आर श्री मालगी, सचिव आयादिय सहकारी गृहरचना सस्था, मनपाडा रोड, डोबिवली (पूर्व) जि ठाण।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधे हस्नाक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही ७५ हागा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसुची

प्रतैपटीं जो प्लाट नं. 10, स .न 57, हिस्सा न 2वी + 4के गांव गजबंधन पाथलीं ता कल्याण, जि. ठाणे में स्थित है।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क 9 जो जनवरी 1982 में बंद्यम निजधक कल्याण के दफ्तर में लिखा हो।)

> आर के आगरवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्थन रोज, पना

अत अब, उबत अधिनियम की धारा 269-म के, अनसरण में भें जात अधिनियम ही धारा 260 ने उपधार (1) के अधीन निकासिक स्थानितया अधीन --

प्रकृष् वार्षः, टी., पुन्,, पुस्,------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, पुना

पुना, दिनांक 1 मई 1982

निदाँश सं. पि. 5/एम आर कराड/सप्टां/81/675/82-83---यत. सुभ्ते, आर. के आगरवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या जुना आर एस न . 75/1ए/2 नवा आर . एस न . 79/1ए/2 ही तथा जो कसबे करांड , ता . करांड , जि . सांगली में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित ही) , रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय व्ययम निवंधक करांड में , रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन , तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय टी बाबत उक्त अपि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त में कमी करने या उससे बच्ने में सुविधा के लिये बीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

- श्री वत्तात्रय महादंव भावदं 66, सोमवार, कराड, जि. मातारा।
- (अन्तरक)
 2 श्री गुजाराम श्रीधर काटनीम शिवाजीनगर हाँमिंग गोसायटी र 62 ८२३ जि.सासरा ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

प्रांपटी जो जुना आर. एस. न. 75/10/2, नवा आर. एस. नं. 79/10/2, करण कराड, ता. कराड जि. सातारा में स्थित है।

(जैसेकि रिजस्ट्रीकृत दिलेख क. 3224 जो सिनम्बर, 1981 में द्याम निबंधक कराड के दफ्तर में लिखा है।)

> न्नार के आगरवान सक्षम प्राधिकारी स**ह**ायक आयक्तर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, पना

मत: मन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थात.——

तारीय 1-5-82 मोहार . प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ০৮৭-ছ (।) के अधीन संधन।

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, प्ना

पना, दिनांक 30 अप्रेन 1982

निवर्षेश सं. पि. 5/एस आर जलगाव सप्टाँ 81 673/82-83—स्वाः स्के, आर की आध्यताल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूख्य 25.000 न्या से अधिक हो

25,000 - रह. में अधिक हैं और जिसकी संख्या शीट म. न 270 है तथा जो मेहरण ता. और जि. जलगांत मा स्थित हैं (और इससे उपादव्य अन्यूची मों और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, द्य्यम निबंधक जलगांव में, रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, द्य्यम निबंधक जलगांव में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) (के अधीन, तारीक्ष मितम्बर 1981 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के कारमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निद्रास करने का कारण है कि यथाप्टावित संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया एया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वास प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाना चाहिए था लियाने में सुविधा के तिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग को, अनुसरण मो, मी, एक्त अधिनियम की भारा 269 हा की उपभार (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री मिजवाउद्वीन गयास्त्वीन पिरजाद मेहराण, सा. और जि. जनगांव।

(अन्तरक)

१ श्री अनिरुद्ध विश्वनाथ पाटील भागीदार - मेसर्म साराल टोर्टम 172, नवी पेट, जलगांव ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वृर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

अन्स्ची

प्रौपटी जो धीट सं. नं. 270, महरूण ता. और जि जल-गंद में स्थित है।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 3417 जो सितम्बर 1981 में द्याम निबंधक जल्गांड के दफ्तर में लिखा है)।

> आर. के. आगरवास स**क्षम अधिकारी** सहायक **श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन **र**ेज, प्ना

नामी≅ 30 4-82 माहर:

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) को अधीन स्वना

भारत सरकार

फार्यात्रय, सहायन आयन अग्रयन (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पना

पुना, दिनाक | गई 1982

रिदर्शिस पि 5/एस आर ध्वा/सप्ट 81 681/82-83--यत मुक्त, आर के आगरवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सम्या ग न 5, सि स न 1381/2 है तथा जो धुरा में स्थित हैं (और इसस उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण ह्य से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दे यम निवधक धुल म , रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील सितम्बर 1981

का 16) के अधीन, तारील सिन्ध्यर 1981

फो पूर्वोवत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकाल के लिए अन्तरित को गई है और मफे यह विद्यास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य
उसके दृश्यभान प्रतिकाल से एमे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह
प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय या बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या , अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अत., अब, उक्त अधिरियम, की धारा 269-ग के अनुसरण के, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् श्री अनंत श्रीधर फडणीस और अन्य 5, स्भाव नयर, थले।

(अन्त्रक्)

- ? (1) श्री होतचन्य चिमणलाल रिफ्क**ाणी** ।
 - (2) सौ कमलाबाई होतचन्द रिभवाणी।
 - (3) सौ निर्मलाबाई होतचन्द रिफवाणी। 2864 आधा पथ, धल।

(अन्तर्मग्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पन्ति के अर्जन के निग् कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधाहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी जो ग न 5, मि स न 1381/2, धूले में स्थित **है**।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत जिलेख के 864 जी सितम्बर 1981 म दय्यम रिवधक धले के दफ्तर में लिखा है।

> आर के आगरदाल सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्ष्ण) अर्जन रॉअ पना

तारीस 1 5-82 माहर प्ररूप आई.टी.एन एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन राज, पूना-411004 पूना-411004, विनाक 1 मर्ह 1982

निर्वांश सं सी ए 5/एम-आर धूल/नाव्ह-81/682/82-83--अतं मुफ, आर के अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक हैं

और जिसकी सख्या ग न 5, सि स न 1381/2 है तथा जो धूले म स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप म वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दय्यम निबधक धूल म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील नवम्बर 1981

का पूर्वास्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की बिद्दे हैं और मूक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वास्त सपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण स ह्यू किसी आय को बाबत, अक्त अभिनियम के अधीन कप दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उसस बचन में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

- । श्री होतचंद चिमण लाल रिझवाणी और अन्य 2 , सि स न 2864 , ग न 3 धूले (अस्तरक)
- 2 डा बलवत सीनागम पागट, सिंस न 1382, ग न 5, धुले (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सर्पास के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हुं।

उन्त सपित्त क अर्जन के सबध म काई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविष्या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास दिल्लान में किए जा मन्हेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया गया है।

अनुसूची

प्रौपटीं आ ग न 5, सि म न 1381%2, भूल म स्थित है। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क 3707 जा नवम्बर 1981 में दायम निवधक धूले के देपसर में लिखा है)

आर के अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज, पूना

नारीह 1-5-1982 माहर प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्वर, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज पुना,

पुना, दिनांक 30 अप्रत 1982

नियां सास्या सी. 50 एस. आर. मालंग/सितम्बर-81/672/82-83—यह मुफे, आर. के आग वाल, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्लात् 'उबेश अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या स. न 228/2/3/2 है तथा जो संगमेश्वर, ता. मालंगांव जि. नामिक मी स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मा पूर्ण रूप में विर्णित है), रिजस्दीदर्जा अधिकारी के कार्यालय द्यम निवंधक मालंगांव मी, रिजस्दीदर्जा करण अधिनिथम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक सितम्बर 1981

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य स काम के देशमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास कार के का कारण है कि यथापूर्वांक्त सपित्त का उचित ब्यार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफाल से, एसे देश्यमान प्रतिफात का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तिसयों अर्थात्ः—

- श्री प्रभाकर मनोहर हिगे, एन. डी. सी. कौलनी बगला नं. 6, सोयगांव ता. मालेगाव, जि. नासिक
 - (अन्तरक)
- श्री रामप्रकार शिव्चद राम अग्रवाल और 4 336 कालबाव वी, दूसरी मंजिल, मुम्बई 40002

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्परित में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

गर्गपटीं जो स. नं. 228/23/2 संगमेश्वर, ता. मालेगांव जि. नासिक में स्थित है।

जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख कू. 3502 जो सितम्बर 1981 म⁻ दुय्यम निबंधक मालेगाव के दफ्तर में लिखा है।)

> आर. हो. आगरक्षाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, पुना

भारीर 30-4-82 ओक-

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पृना

पूना, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निवर्षेश स. आई. ए. सी./सी. ए.-5/एस.-आर. धाने/ सितम्बर-81/674/82-83---यतः मुक्ते, आर. के. अग्रवास, आग्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स. न. 146 हिस्सा नं. 8 (भाग) है तथा जो पाटलीपाड़ा, कोलसिट ग्रामपंचायत, ता. और जि. द्राणे में स्थित हैं (और इससे उपावद्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्रायम निवंधक द्राणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील सिनम्बर 1981

को पूर्वेक्त संपितः के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अंत्रकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निक्किलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निक्कित में वास्तिषक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुंद्र किसी माथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे अक्से में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए

भतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-त के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---5---116G1/82 श्री नरिमन होरमुबा वोतीवाला नेसबाग, सी3, नानाचौक मृत्रई 40007

(अन्तरक)

2. श्री अच्युत रामचंद्र कृलकणीं, श्री उदयं अच्युत कृलकणीं, कृलकणीं बंगला, चंटाली रोड, अणे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रांपटीं जो स. न. 146 हिस्सा न. 8 (भाग) पाटलीपाडा कोलसेट ग्रामपंचायत, ता. और जि. ठाणे में स्थित हैं। (जैसे की रजिस्ट्रिकृत विलेख क. 841 जो सितम्बर 1981 में दुस्थम निबंधक ठाणे के दफ्तर लिखा है।)

> आर. के. अग्रवान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रैंज पना

नारीस 30-4-82 मोहार: प्रकप काईं. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, कलकत्ता

कलकत्ता, 15 मर्ड 1982

निद³श मं. ए. सी.-6/अार -11/कल /82-83---यत: म्फॅ, के. सिन्हा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

और जिसकी मं. 219 है तथा जो दमसम रोड, कलकत्ता-28 में स्थित ही (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण क्या से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर. ए. कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-9-1981

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल किमालिसत उद्येष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

।. श्री नन्द गोपाल पाल

(अन्त्रक)

2. श्री ननी गोपाल दत्त और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोका से 45 दिन को भीतर उच्कत स्थावर संपरित में हिस-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिरियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिचा गया है।

अनुसूची

219 दमदम रोड, कलकत्ता-28 का 1/5 का अंश

के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, 54., रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) अधीन, निम्निनिसित अधिकतयों, अर्थातः——

दिनांक 15-5-82

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 15 मर्ड 1982

निव 2 श सं. ए सी.4/रज-।। $\sqrt{}$ कल./1982-83—यतः मुभ्ते, के सिन्हा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपचित बाजार मूल्य 25,000/रा. सं अधिक है

और जिसकी सं. 219 है तथा जो वमदम रोड, कलकरता-28 में स्थित है (और इससे उपाव्युध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय आर. ए कलकरता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) से बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दान के अन्तरकः के वासिस्थ मा कमी करने या उससे अभने मा सृधिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्ह नारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. श्री मिहिर कुमार पाल ।
- (अन्तरक)
- 2. श्री ननी गोपाल दत्त और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में द्विया गया है।

अनस्ची

219, दमदम रांड, कलकत्ता-28 का 1/5 अंश

के सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, 54, रफीअहमद किदवाई रोज, कलकरता-16

दिनाक : 15-5-1982

प्रकप साई• टी• एत• एस०-

ग्र∤यकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) **की धारा** 2**69-म**(1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 मई 1982

निद^{क्}श सं. ए. सी.-5/आर-।।/कंत./82-83---यतः, मुभ्के, के. सिन्हा,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के प्रयीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं. 219 है तथा जो दसदम रोड, कलकत्ता-28 में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर. ए. कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से किंबत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रश्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। श्वीर/या
- (का) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रस्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं; उन्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, श्रवीत्:--- 1. श्री सुशील चन्द्र पाल ।

(अन्तरक)

2. श्री ननी गोपाल दत्त और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बढ़ किसी शस्य व्यक्ति द्वारा अधोत्रस्ताक्षरी क वास लिखिन में किए जा सकेंगे।

श्यव्योक्षरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के ग्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं क्होगा, जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

अनुस्वी

219, दमदम रांड, कलकत्ता-28 का 1/5 अंश

कें. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्रंज्-।।, 54, रफीअहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16

विनांक : 15-5-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, कलकत्ता

कलकरता-16, दिनांक 15 मई 1982

निवर्षेश सं. ए. सी.-7/आर.-।।√कल./82-83---यसः मुभ्ने, के. सिन्हा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी स. 219 है तथा जो दमदम गंड, कलकत्ता-28 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रेह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय अव्य-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ळिपाने में सुविधा के लिए;

अतः गग उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसिक्ष व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री बास्वेव पाल।

(अन्तरक)

2. श्री ननी गोपाल दत्त और अन्य ।

(अन्तरिती)

ो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के निए कार्यवाहिया करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त गड़ों ग्रौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं ग्रंथे होगा, जो उस ग्रध्याय में धिया गया है।

मन्सूची

219, दमदम रोड, कलकत्ता-28 का 1/5 अंश

के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी स**हा**शक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ट्रॉज-।।, 54, रफीअ्हमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनाक . 15-5-1982

प्ररूप् आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, कलकत्ता

कलकरता-16, दिनांक 15 मर्स 1982

निदर्भा सं. आई. ए. सी./रॉज-।।/कल./1982--यत:, मुफ्रो, को. सिन्हा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 219 है तथा जो दमदम रांड, कलकत्ता-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर. ए. कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख 30-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इरयमान प्रतिफल सं, एसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त किसियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे वचने में सूबिधा के किए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, नृथितः --

1. श्री सुनील चन्द्र पाल ।

(अन्तरक)

2. श्री ननी गोपाल दत्त और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रों क्त सम्बक्ति को बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त सुम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध् में कोई वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

गनसर्ची

219, दमदम रोड, कलकरता-28 का 1/5 अंश

के. सिन्हां सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्जेज-११, 54, रफीअ्ह्मद किववाई रोड, कलकरता-16

दिनांक: 15-5-1982

प्ररूप आर्षः टी. एन्. एस्.----

(1) श्री पन्चानन् दास मेट्रोपोलिटन डेवलैपमैंट कार्पोरेशन। (अन्तरक)

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269=च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जैन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1982

निर्देश सं० टी॰ धार०-175/81-82/स्टे० 616, धाई० ए० सी॰/एवयू० ध्रार०-1/कल०—यतः मुझे, एम० ध्रहमब, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 55 है तथा जो मलगा लेन कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, विनांक, 4 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है जि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) श्रीर अस्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निर् ना पाया गा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त परनरण निखित में बास्त्रविक रूप से किशति नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ये हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भ्रश्निम नियम, के श्रधीन कर वेले के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने मे मुविश्ना के लिए; भीर/या
- (खा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

स्रतः सव, उन्ते श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण उन्त सिद्धिनियम की धारा 269-म की उपज्ञारा (1) के अधीन निम्नित्तिखत व्यक्तियों, अर्थात्:--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनन समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी स से 45 दित की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भ्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) अस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रव्याय 20 क में परिभाषित है, कही श्रर्थ हागा, जो उप श्रव्याय में दिया गया है।

अमुसूची

55, मलंगा लेन कलकत्ता में श्रब स्थित मकान जो 4-9-1981 तारीख में डीड नं० 7508 श्रनुसार रिजस्ट्रार श्राफ एयसुरेंस का दफ्तर में रिजस्ट्रीकृत हुश्रा।

> ेएम० भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक : 12-5-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- - ----

म्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन मूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज⊶1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 मई 1982

निर्देश सं० टी० ग्रार० 191/81-82/एस० एल०ं,617, श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ग्रार०-1/कल०--यत: मुझे, एम० ग्रहमद, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्जे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारी 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1 है तथा जो निताई बाबु लेन कलकता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 2 सितम्बर, 1981

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य सं कार के द्र्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि बथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिभा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिसों, अर्थात् :—

- (1) मैरार्ग पिगभेन्टस् ए०ड एलाईड प्रोडक्ट्रस । (अन्तरक)
- (2) चन्द्रद्वीप, साहा एण्ड लक्ष्मी प्रमाद गाह । (ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
 स्विक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसम्बी

1 नं विताह बाबु लेन कलकत्ता में श्रब स्थित, 2 कट्टा 14 छटांक, 41 वर्ग फीट जमीन पर मकान जो 2-9-1981 तारीख में डीड नं 8051 श्रनुसार रजिस्ट्रार श्राफ एमोरेंस के दफ्तर में रजिस्ट्री हुशा।

एम**० श्रहमद**, सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-^I, कलकत्ता

दिनांक: 12-5-1982

मोहारु :

प्ररूप माई० टा० एन० एस०-

भायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 मई 1982

निर्देण मं० 1092/एक्यू० ग्रार०—III/82~83~— यतः मक्षे, एम० ग्रहमदः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भंधीत सभाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का कारण हैं कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 3 है तथा जो गोबिन्द बोम लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक: 2 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास सरने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पम्झह प्रतिमत मधिक है और मन्तरक (यन्तरकों) भीर यम्सरिती (अम्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देग्य मे उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप मे कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आप की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देते के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या,
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों का जिन्हें भारतीय श्राय-कर सिंधनियम 1922 (1922 का 11) या उनन श्रिष्टितियम, या धन-कर श्रिष्टितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला नाहिए था, खिपाने मे मुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के, प्रनुसरण मो, मो उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित स्यितियो, प्रधीन :--

(1) श्री वेब प्रसाद मैता।

(अन्तरक)

(2) कलायनी नाथ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत :---

- (क) इप सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख में 45 चिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तारीख 0 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त हातक ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त धर्ध-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

3, गोबिन्द बोस नेन, कलकला। 1 के०-3 छटांक-12 स्केयर फीट जमीन पर मकान (1/6 वां भेयर)

> एम० श्रह्मद, सक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-111, कलकत्ता-16

दिनाक: 14-5-1982

प्ररूप बाई॰ टी - एन० एम० -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (१) के अधीन सूचना

मारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली
अर्जन रंज-111, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनाक 14 मई 1982

निर्देण सं० 1093/एक्यू० स्नार०III/82-83- यतः मुक्ते, एम० श्रहमदः,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (19६ क्रिका 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्न प्राणिनियम' नहा गया है), की खाळा 269-ख क श्रीत सक्षम प्राणिकारी को, यह विश्वाम करने वा कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जियहा उत्तर ग्रानार मृत्य 25,000/ ह स्थापक है

श्रीर जिसकी सं० 3 है तथा जो गोबिन्द बोम लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 2 सितम्बर, 1981

पृषां क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्श्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी खाय की वाबत, उकत ग्राधिनियम के अधीन कर दने के ग्रन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रस्तियाँ को, जिन्हें,भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुक्किश के खिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमती सोभाना लाहिरी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कलयानी नाथ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
 धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भोद्योहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :----इसमें प्रमुक्त शक्दों घोर पदों का, जो छक्त ग्रेष्ठिनियम के श्रम्याय 20क में परिचाधित है, बही घर्षे होगा, जो उस अध्याय में वियानगृगा है।

अनुसूची

3, गोबिन्द स्रोस लेन, कलकत्ता 1 कट्ठा, 3 छटीक 12 ३ स्केयर फीट जमीन पर मकान। (1/6 वां शेयर)।

> एम० स्नहमद, सक्ष्म प्राधिकारी महायवः आयव्यर आय्वत (गिरीक्षण) स्रर्जन रेज-111, कलकत्ता

दिनांक: 14-5-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 मई 1982

निर्वेश सं० नं० 1094/एक्यू० म्रार-III/82-83---यतः मुझे, एम० श्रहमद,

शायकर रोपिन हम. १९८१ (1951 का 4)) (जिस इसमा इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं०.3 है तथा जो गोबिन्द बोम छेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर, पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक, 2 सितम्बर, 1981

को पूर्वोंक्त सपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निंतिस्ति व्यक्तिस्य अर्थात् ८५(1) श्रीमली शांतीमयी में 🗗 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कल्लयानी नाथ।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से 45** दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन संची

3, गोबिन्द बोस लेन, कलकत्ता 1 कट्ठा, 3 छटांक 12 स्केय । फीट जभीन पर मकान। (1/6 वां शेयर)

> एम० **महसद,** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज**ाीी**, कलकत्ता-16

विनांक: 14-5-1982

प्रकृत नार्षः, दर्गः, सुन्,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायुक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III कलकला

कलकत्ता, दिनांक 14 मई 1982

निर्देण मं० 1095/ए० सी० स्यू० म्रार-III/82-83---यत:, मुझे, एम० महमद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं)., की भाग 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 3 है तथा जो गोबिन्द बाम लेन, कलफत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारों के कार्यालय कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 2 सितम्बर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूल्य से काम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाबार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया स्था है:--

- (क) कृत्युरण से हुई किसी बान की वाबत उच्छ न्या-तियम के बधीन कर दोने के बत्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे ब्यूने में सुविधा के लिये; नीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री रतन प्रसाद मैत्रा

(अन्तरक)

(2) श्री कललानी नाथ

(भ्रन्तरिती)

को महस्पना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हु।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल सै 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से ,45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

3, गोबिन्द दोस लेन, कलकत्ता । $1~\mathrm{K-CR-12}$ स्केयर फीट जमीन पर मकान । (1/6 वां शेयर)

ग्म० ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज–III, कलकत्ता

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निस्तिनियम स्थापन स्थाप हुन्स

दिनाक: 14→5→1982

प्ररूप धाई० ठी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रह्मिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के गर्थान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाक 14 मई 1982

निर्देश सं० 1096/ए० सी० क्यू० फ्रार०--III/82-83---यतः मुझे, एम० श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे अन्ये इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3 है नथां जो गोबिन्द बीस लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीश इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीक्सी श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 2 सितस्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे उह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीवक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरित्यों) के बीव ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नतिथि उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयं की बाबल उक्त भिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्वतिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था छिपाने म स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) जयन्त कुमार मिला
- (ग्रसरक)
- (2) श्री कललानी नाथ

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रावित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मरित् से वर्जन से सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप तनन

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तश्संबंधी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4.5 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित. में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों तीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही। धर्ष होगा, जो उन अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

3, गोबिन्द वोस लेन, कलकत्ता 1 किलो-3 छटांक-12 स्केयर फीट जमीन पर मकान। (1/6 वा शेयर)

एम० श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सह्ययक आयकर आयुदत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज~ПП, कलकत्ता

ता**रीख** : 14-5-1982.

प्ररूप बाइं.टी.एन्.एस्. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज- 1, कलकत्ता
कलकत्ता, विनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० 1097/ए० सी० क्यू० श्रार०-III/82-83---यत:, मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूक. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3 है तथा जो गोबिन्द बोम लेत, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर, पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय अलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक, 2 सितम्बर, 1981

को पूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूं भे यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल जिल्ला निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति किक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण ते हुई जिल्ली जाम की वाबल, उक्त जिल्लीनयम के जभीन कर दोने को अस्तरक के दायित्व में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री ज्योरिन्द्र नाथ मैता

(भन्तरक)

(2) श्रीमती कलयानी नाथ

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मस्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

3, गोबिन्द श्रोम नेन, कलकता । 1 किलो-3 छटांक-12 स्केयर फीट जमीन पर मकान । (1/6 वां शेयर)

एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, कलकक्ता

दिनोक: 14-5-1982

प्ररूप आई० टी॰ एत० इस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्घना

भारत सरकार

कार्यालय, महारक आयकार आयक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-।।।, कलकत्ता

वालकत्ता, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं 1090/ए० सी० क्यू०, श्रार०-111/82→83---यतः, मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उद्यक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उत्ति। बाजार मृल्य, 25,000/- रा म आध्य है

श्रीर जिसकी सं० 7 है तथा जो एलेनबाडू रोड़, कलकत्ता में स्थित है श्रीर इसमे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्गालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 23-9-1981

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित मे अस्तिक रूप से काथान नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एरेरी किसी आय या किसी धन पा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

(1) श्रीमती निर्मेला सादा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुकति हे

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत, क्यांतिनपा मो भे किमी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

7, एलेनबाई रोड़, कलकत्ता 3 किलो- 4 छटांक- 35 स्केयर फीट जमीन पर मकान ।

> एम० श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आकुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज∼॥, कलकक्ता

ना**रीख** : 14-5-19**8**2

प्ररूप बाहैं. टी एन. एस. ------

प्ररूप आह् . टा एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना (1) श्रीमती निर्मतः सादा

(अन्तरक)

(2) श्री तृष्ति दत्ता

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकार आय्वत (निरोक्षण) ग्रजीन रेज-III, कलकमा

कवकताः वियोग 14 मई: 1982

विर्देश सं॰ 1091/रू॰ सी॰ न्यू॰ झार-।।।/82-89-यत्। मुझे; रूम० शहसद;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी गं० 7 है तथा जो एलेतबाई रोड़, ब्लवकसा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 टा 16) के श्रिधीन, दिनाक 23 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवृक्त कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वनस्वी

7, एलेनबाई रोड, कलकत्ता, 3 किलो-4 छटांक-35 स्केयर फीट जमीन पर मकान (1/2 गेयर)

> एम० स्रहमद, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- ।।।, कलकत्ता

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अधीत् हि—

दिनांक: 14-5-1982

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 वर्ग 43) अने भारा 2**69-म**्रा<u>(1)</u> **के अधीन सुप**ना

भारत सरकार

कार्यालय, मुह्यस्क आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज~III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश सं० 1087/ए० मी० क्यू० श्राप्-III/82-83--यतः, मुझे, एम० श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 2 मी है तथा जो तिलजाना लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूबी में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, दिनांक 28 मितम्बर, 1981

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस उद्देश में उक्त अन्तरण सिलिस में बास्त- यिक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से झुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौड़/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात :--- (1) सृणीला बाला दास

(अन्तरक)

(2) भी मोहागद मलीग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भूजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 मी, तिलजाला लेन, कलकत्ता, 5 किलो-12 छटांक जमोन पर मकान (1/2 शेयर)

> एम० ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनाक: 15-5-1982

सोहर 🌝

प्रकप माई• ही• एन• एस•----

आयकर श**धिनियम, 1981 (1961 का 43) জী** গাণ। 2**69-খ (1) के धधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश मं० 1088/ए० मी० क्य्० ग्रार्–III/82-83--यत . मुझे, एम० ग्रह्मद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें-इसके पश्चात् 'खलन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी मं० 2 सी है तथा जो निलजाला लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, र्राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांव 28 सितम्बर, 1981

को पूर्वां बत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वां क्ता सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अनिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्या में बास्निवक स्प में किंत नहीं किया गया है :---

- (क) अभारण में हुई किसी बाय की भावत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर दोनें के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचनें में सृविधा के लिये; और/या
- (न) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सित्री। के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नियित व्यक्तियों, अर्थान

(1) श्रीमता सृगीला बाला दास

(अन्तरकः)

(2) श्री मोहम्मद असलम और दूसरा

(अन्तरिसी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रकृत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस स्वता के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भवधि या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास विख्त में किए जा सकेंगे।

गावतीकरण:-- इसमें प्रमुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

2 सी, तिलजाला लेन, कलकत्ता 5 किलो-12 छटांक जमीन पर मकान (1/4 वां णेयर)

> एम० ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुवन (निरक्षिण) श्रजैन रेंज—III, कलकत्ता

दिनाक: 15-5-1982

प्रकप आईं• टी• एव• एस०----

भारतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-मृ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-III, कलकत्ता

वजिकता, दिनाक 15 मई 1982

निर्देश सं० 1089/ए० सं० क्य०/ग्रा४०→III/82-83--यन, मुझ, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी स० 2 मी है तथा जो तिलजाल। लेन, कलवला में स्थित है (ग्रांग इसमें उपाबद्ध अनुमूचा में ग्रांग पूर्ण नप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती ग्राधकारों के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्राकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्राधीन, दिसांक, 28 मितम्बर, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिसित उद्देश्य स उस्त अन्तरण निम्नलिसित में वास्तविक रूप से कार्यन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए;

अस: अब, जक्त अधिनियम की भारा 269-ण को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थील .---

(1) श्रीमती सुशीला बाला दास

(अन्तरक)

(2) श्री प्रब्दुल गफपार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवािक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

2 सी, तिलजाला लेन, कलकत्ता, 5 किलो-12 छटाक जमीन पर मकान (1/4 वां शेयर)

> तम० शहमद, सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज–₁II, कलकत्ता

दिनोंक: 15-5-1982

सोहर

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.,-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) को मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश मं० 1084/ए० सी० क्यु० आए०-III/82-83--यतः, मुह्मे, एम० अहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-था के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं । है तथा जो डोभार पार्क, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनसूची में श्रीर, पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 28 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारणहै कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित् में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी माय की वाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्याराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने भैं स्विधा के लिए;

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, स्वतन अधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (।) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री सुशान्त कुमार पाल।

(अन्तरक)

(2) श्री चुन्नीलाल फुमभेग

(अन्तिरिती)

को यह सुचना जारी करके पृशींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अ्वक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतुर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्यक्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

49 डोभर पार्क, कलकता 19 किलो-5 छटांक-39 स्केयर फांट जमीन पर मकान (1/3 वा शेयर)

> ाम० ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आमुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–III, कलकत्ता

दिनांक : 15-5-1982

मोहार :

प्र**क्ष धाई** । टी । एन । एक ।

प्रायकर समिनिकनः 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , कलकत्ता

कत्रकता, दिनाक 15 मई 1982

निर्देश स० 1085/ए० मा० त्य० भ्राप्तः—III/82-83--- यत , मुझे, एम० ग्रहमद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्भाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्वावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी स० 4 है तथा जो डोभार पार्व, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में श्रीर पूर्ण म्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारों के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 28 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति कुं छित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परव्रहे श्रतिकात से प्रक्षिक है और अन्तरक (भ्रन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण विखित में वास्नविक रूप से कथिन नहीं किया गया है।——

- (क) अस्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठितयम के ग्रियीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाह्यि था, कियाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अनः, उन्त भ्रधिनियम की भ्रारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की भ्रारा 269-च की छणभ्रारा (1) के अभीन, निक्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुशान्त कुमार पाल

(अन्तरक)

(2) श्री माखन लाल फुममेरा

(ग्रन्तरिती)

को पह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रास्त्रेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीयन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यब्दोकरग '--इसमें प्रयुक्त प्रव्यां और पर्वो का, जो प्रक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4, डोभार पार्क, कलकत्ता, 19 किला-5 छटाक-3 स्केयर फीट जमीन पर मकान । (1/3 वां शेय 2)

ण्म० प्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेग— , कलकाला

दिनाम 15-5 1982 माहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर **प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की **बारा** 269-**घ (1) के मधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-III, कलकता

यालकासा, दिनांक 15 मई 1982

निदेश म० 1086/ए० मी० क्यू० ग्रार—III/82-83--यतः मुस्रे, एम० ग्रहमद,

श्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनन भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से भिधिक है

श्रीर जिसकी स० 4 है तथा जो डोभार पार्क कलकता में स्थित है (श्रीर इससे उराबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से, वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28 सितस्वर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूस्य में कम के वृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है गौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यश्चाभूबोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यभान प्रतिफल का पश्चह प्रतिकात से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तविक का में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मे हुई किसी भाग की बाबत उक्त पश्चि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने थें सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री सुगान्त कुमारपाल ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री बजवाल फुममेरा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करका है।

उस्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कः) इत सूत्रता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के भीतर उक्त क्ष्णावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

हराब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उनत प्रवित्यम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यहां ग्रंप होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है '

मन्सूची

1, शोभार पार्क, कलकत्ता 19 किलो-5-छटांब-3 म्बेयर फीट जमीन पर मकान (1/3 वा शेयर)

> एम० श्रह्मद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज— , शलकना

दिनाक 15-5-1982 मोहर: प्रस्प बाइं. टी. एन्. एस.,----

श्रायकार अधिनियस, 1981 (1981 का 43) की धारा 289म (1) के घनीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकसा

कलकत्ता, दिनाक 15 मई 1982

निदेश म० 1083/ए० सी० नय० ग्राप्-III/82-83---यतः, मुक्ते, एम० श्रहभद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचान 'उनत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधील मक्षम ग्राधिकारों को, यह निश्वास करने का कारच है कि स्वावर' मन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से आधिक है और जिसका से स्थान विवास कारचे है तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अनुसूची से ग्रीर, पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक 21 सितस्बर 1981।

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षण के लिए प्रम्तरित की वर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यश्वपूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रम्तरक (प्रस्तरकों) और प्रन्तरिती (ग्रन्तरितिया) के बीच ऐसे अम्बरण के लिए तय पाया क्या प्रतिक्रल का निम्नलिखित उत्तेश्य सं उक्त अम्बरण जिख्य में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-निमम के ग्रिप्टीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य घास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर घिषित्रम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या घन-कर अधि-नियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें घ्रम्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाता चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

मतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में विषत अधिनियम की धारा 268-व की उपद्यारा (1) के अभीन, निम्मिणिक स्पित्तस्यों, वर्षातः— (1) श्री विश्वरूप बोम

(अन्तरक)

(2) श्रामनी शासि राजी मित्रा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रॉक्ट सम्मिक प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाध्य होती हो, क भीतर पूर्वी वन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थातर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रवोड्स्तक्ष्मी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दी **हर ग**ः—-इसर्में प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो **उन्त** श्राधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में **दिया गया** हूँ।

अनुसूची

49/13 बी, हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता, 1 बिलो-8 छटांक-2 स्केयर फीट जमीन पर मकान ।

> एम० ग्रह मद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनाकः : 15-5-1982

मोहर

प्ररूप धाई० हो० एत० एस०---

आथफर अधिनिधन, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-क (1) के भंधीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज III, क्षमकत्ता कलकत्ता, दिनाक 14 मई, 1982

निर्देश स०—1082/एक्वी-प्रार 111/82-83—यतः, मुझे, एम० श्राहमद,

आयकर ध्रिकितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है और जिसकी सं० 43 है तथा जो क्षिल रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबदा अनुसूची मे ग्रीर, पूर्णारूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय ग्रलीपुर में, रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 16, श्रक्तूबर, 1981 की को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कार के इदयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अत-रिती (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त श्राधिनयम के श्रधीन कर देने के धन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के सिए। श्रीर/वा
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अग्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या घन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव चनत श्रिष्ठितियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, जनत श्राष्ट्रितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1~-श्री विमल कुमार घोष।

(भरतरकः)

(श्रन्तरिती

2 --श्री कनाई गांव चाटवी श्रीर दूसरा

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल के 20 दिन की अविध, ओं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

43, **मील** रोड, कलकत्ता 3 के0 9 सी एच जीमन पर मकान ।

> एम०न्नहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III कलकत्ता-16

विनाकः 14 मई 1982 मोहर: प्ररूप आहूर. टी. एन्. एस.----

अन्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-च(1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्^{II}I-कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक, 14 मई 1982 निर्देश सं० 1081/एक्वी श्रार-III/82-83—यतः, मुझे, ए.स० श्रहमद

जायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 45/10,0 है तथा जो सामसुल दुद्द। रोर्ड, कलकत्ता स्थित है। श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर, पूर्णस्प में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्सा श्रध-कारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री देवेन्द्र चन्द्र राय श्रीर दुसरा

(अन्तरक)

2. कुमारी एबी स्कीनेक्स ट्रेडरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथानित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितव्युध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुस्थी

45/1ए, सामगुल दुवा रोड़, कलकत्ता 2 के०--- 5 सी एच० जमीन पर मकान।

> एम०भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** भ्रजैन रेंज III कलकत्ता-16

तारीख: 14 मई 1982

मोहर:

8-116GI/82

प्ररूप आई¹.टी.एन.एस.-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-III कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं०-1080/एक्की० ग्राप-III/82-83---यतः मुझे

एम० श्राहमद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 144 है तथा जो चारचन्द्र प्लेस इच्ट, कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर, पूर्णांक्प से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30 सितम्बर 1981 को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत से बास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) ग्रनारण से हुई किसी आय की बावन, उसन श्रिधि-नियम के ग्राचीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविद्या के लिए।

मतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती श्राणालता घोष

(भ्रन्तरक)

2. श्री धबब्रस सरकार।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीब से 45 दिल की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रश्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही शर्य होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

प्लाट (एक तल्ला), 144, चारचम्द्र प्लेस इष्ट, कलकसा।

> एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

दिनांक : 14 मर्घ 1982

प्ररूप नार्दं टी. एतृ. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-।।।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मई 1982.

निर्देश सं०-1079/ए० सी०वयू०म्रार०-III/82-83--यतः, मुझे, एम० भ्रहमद

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राध्यकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी सं । है तथा जो कलोनेल विष्वास
रोड़, कलकत्ता स्थित है (धीर इससे उपाबध अनुसूची में
और, पुर्णारुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के
कार्यालय कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारील 4 सितम्बर 1981
को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित का उचिद्ध बाजार
मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे इर्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(प्रक्तियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में
बास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कों बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री मोहम्मव इयाकुब श्रीर दूसरा

(अन्तरक)

2. श्री चित्ररंजन राउथ।

(अर्न्तारती).

को यह सुभाना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1, कलोनेल विश्वास रोड़, कलकत्ता।

2 के०---जमीन पर मकान।

एम० श्रहमद सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज III, कलकत्ता

दिनांक : 12-5-1982

प्रारूप भार्ये ुटी ु एन् , एस् ु ----

भायकरं मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ${}^{}$ ग्रर्जन रेंज ${}^{-}{}^{}$ ${}^{}$ ${}^{}$ ${}^{}$ ${}^{}$

कलकत्ता, विनांक 6 मई, 1982

निर्देश सं० 1078/ए० सी० क्यू० भ्रार-III/82-83; -यतः, मुझे, एम० श्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 46/3 ए है तथा जो बालीगंज प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 29 सितम्बर 1981।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के छिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विथ्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कीभत नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई कि ती बाय की बाबत, उक्त जिथीनयन के अधीन कर दोने के जन्तरक के वार्षित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

बत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिवित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री ग्रभय कुमार चक्रवर्ती

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेश कुमार सारफ श्रौर दूसरा

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन कं लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

46/3ए, बालीगंज, प्लेस कलकत्ता । 1-किलो-14 छटांक जमीन ।

एम० स्रहमद, सक्षम अधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक: 6-5-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

सावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मई 1982

निर्देश मं० भ्राई० ए० सी० ए० सी० स्यू० म्रार-I/कलकत्ता टी० म्रार०-170/81-82/एस० एल० नं० 623--यतः मुझे, एम० म्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का.43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 16 है तथा जो शेक्सपियर सारणी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन् भूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 9 मितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दंश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन् या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधित:-- (1) श्री दीपक चन्द्र लाहिरी

(भ्रन्तरक)

(2) सुबीर कसजाई एंड ब्रादर्स मैंसर्स भादुरी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पृत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्धों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

16 शेक्सपीयर सारणी कलकत्ता में श्रव स्थित, 476.66 मीटर जमीन पर एक तल्ला मकान जो 7682 डीड नं० अनुसार 9-9-81 तारीख में रिजस्ट्रार आफ एसुरेंस का दफ्तर में र्राजस्ट्री हुआ।

> एम० ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज—I, कलकत्ता

दिनांक: 13-5-1982

प्ररूप् आहुँ. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मई 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० ए० सी० क्यू० श्रार०—I/कलकत्ता टी० श्रार०—171/81-82/एस० एल० नं० 622——यतः मुझे, एम० श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 5/2 है तथा जो सील लेन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 8 सितम्बर, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संप्रति का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति, फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अज़ने में सुविधा के लिए; आर्डि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुधांसु शेखर चौधरी

(ब्रन्तरक)

(2) कालिपदा घोष एंड ग्रदर्स

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/2, सील लेन कलकत्ता मे श्रव स्थित, 1 बीघा, 3 कट्टा 1 छटांक, 14 वर्ग फीट अभीन पर एक तल्ला टाईल सेड, मकान जो 8-9-1981 तारीख में डीड नं० 7665 ग्रनुसार रजि-स्ट्रार ग्राफ एसोरेंस का दफ्तर मे रजिस्ट्री हुन्ना।

> एम० ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, कलकसा

दिनांक, 14-5-1982

प्ररूप मार्धक दी • एन • एस • --

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० ए० सी० क्यू० श्रार-I/कलक्सा टी० श्रार-157/81-82/एस०एल० नं० 621--यतः, मझे, एम० शहमद,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं ं 21 एच है तथा जो भ्रयुल सुर रोड़ कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 30 सितम्बर, 1981 ।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्ट्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्तरण निख्यत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-िन्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्∕मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याण धन-कर अधिनियम, वाण धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्ः-- (1) श्री गंगाराम, वास एंड श्रादर्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता देवी बाजपाई पत्नी श्री श्रशाद बाजपाई (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया गया ह³।

मनुसूची

21 एच श्रतुलसुर रोड़ कलकत्ता श्रव स्थित 3 कट्टा 5 छटांक, 24 वर्ग फीट, जमीन जो 30-9-1981 तारीख में रिजस्ट्रार श्राफ एसोरेंस का दफ्तर में डीड नं० 1184 अनुसार रिजस्ट्री हुआ।

एम० श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता

दिनांक: 14-5-1982

प्ररूप आहें.टी.एन्.एस.,-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-J, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश सं० टी० धार०-283/81-82/एस० एन० 620 धाई० ए० सी० ए० सी० न्यू० धार-1/कनकता — यतः, मुझे, एम० धहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 5/1 ए०, 5/2ए, 5/3ए, 5/4ए श्रौर 5/5ए है तथा जो हास्पिटल स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में श्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5 सितम्बर, 1981

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्लित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूवधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा नै निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम् की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत्, निम्नुसिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्रीमती दीपिका सील

(अन्तरक)

(2) श्री पन्ना लाल साऊ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में विया गया हैं।

अम्स्ची

5/1 ए, 5/2ए, 5/3ए, 5/4ए और 5/5ए, हास्पिटल स्ट्रीट कलकत्ता में श्रव स्थित है, 6 कट्टा 13 छटांक जमीन पर श्रांशिक वो तल्ला और श्रांशिक तिन तल्ला मकान का श्राधा हिस्सा जो डीड नं० 7530 प्रनुसार 5-9-1981 तारीख मे रजिस्ट्रार श्राफ एयसुरेंस का देपतर में रजिस्ट्री हुशा।

एम० **ग्रहमद** स**क्षम अभिकारी** महायक आयकर आंयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक: 14-5-1982

मांहर:

प्रकृप आई० टी० एत० एस०-----

अर्थाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा े69-ध(1) के अधीन संघना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयु**क्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलमेता-16, दिनांक 15 मई 1982

निर्देश मं० 1099/ए सी क्यू० श्राप०- /82-83--यतः. मुक्को, एम० श्रहमद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्यास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 14 है तथा जो सीलमपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उमायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधका काला में. रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन दिमांक 4 सितम्बर, 1981।

को पूर्णोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखित में वास्तिक कर मे कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, -1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखिन व्यक्तिकों अधीन :--- 9—116 GI/82

(1) श्री सीरिन्द्र नाथ दत्त

(ग्रन्मण्कः)

(2) म.लबिका कोम्रापरेटिव हाउमिंग मोसाइर्टा वि० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उनत सम्पृतित को जर्बन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिंट-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्डीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और बदों का, जो उक्त किंपिनयम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुजुची

14, मीलमपुर रोष्ट, कलकत्ता

एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

विनांक: 15-5-1982

प्रकृप आहें. टी. एन. एस.-----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, क्लकता

> सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) कलकत्ता-16, दिनांक 17 मई 1982

निर्देश मं० टी० श्रार०-220/81-82/ कस सं० 625-- श्रार्ट० ए० सी०/ए० सी० क्यू० श्रार-I/कलकत्ता यतः, मुझे, एम० श्रह्मद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिस्का उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 8 है तथा जो गोलाप गास्त्री लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 30 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविस कण से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकासी आय की बीबत उचत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी पन या अन्य आस्तियों का, जिम्हें भारतीय वायक र अधिनियम, 1922 (1922 का · 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-- (1) श्री कमल कुम।र म्राडी एंड प्रदर्स

(अन्तरक)

(2) श्रीनारमादन मिश्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तालीम से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों के व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 तं०, गोलाप मास्स्री लेन, कलकत्ता में ग्रम स्थित 3 कट्टा, 4 छटांक, जमीन पर तिन तल्ला मकान जो 30-9-1981 तारीका में डीड नं० I-8608 अनुसार राजिस्ट्री हुआ।

> एम० श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयक्षर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज I, कलकत्ता-6

विनांक: 17-5-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) $% \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) \left(\frac{1}{2} + \frac$

कलकत्ता 16-, दिनांक 13 मई, 1982

निर्वेश सं० टी० ग्रार० 169/81-82/एकम सं० 624-- ग्राई० ए० सी० ए० सी० वपू० ग्रार-1/कलकसा-16 यतः मुझे, एम० श्रहमद.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परक्कत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 16 है तथा जो मोक्सपियर सरणी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन; दिनांक 9 सितम्बर, 1981

को पूर्वों कत सम्पतित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अंदितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्ञिपाने में सुविधा के लिए,

(1) श्री ग्रासीन चन्द्र लाहिरि

(प्रन्तरक)

(2) सुनीर करनाई एंड भ्रदर्स

(भ्रन्तरिती)

(3) भवेश भावरी

वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग म सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपैत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकीन।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁸।

अनुसूची

16 शेक्सपियर सरणी, कलकत्ता में अब स्थित 476.81 वर्ग मीटर जमीन पर एक तल्ला मकान जो डीड नं० 7683 अनुसार 9-9-1981 तारीख में रिजस्ट्रार ग्राफ एसोरेंस के दफ्तर में रिजस्ट्री हुग्रा।

> एम० श्रहमद तक्षम प्राधिकारी सह यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज^I-, कलकक्ता-16

अतः अब, जनतः अधिनियम, कौ भारा 269-गुके अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के भूधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक: 13-5-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-, कलकत्ता

कलकत्ता -16 दिनाक 14 मई, !982 निर्देश स० टी० ग्रार० 282/81-82/कम सं०619-- ग्राई० ए० मी० ए० मी० क्यू० ग्रार-1/कलकत्ता-16 यतः मुझे, एम० ग्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० 5/1 ए, 5/2ए, 5/3ए, 5/4ए श्रीर 5/5ए हैं तथा जो हास्पिटल स्ट्रीट कलाकता मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्ण मे श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिन्द्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिलांक 5 सितम्बर, 1981 को भूबेंक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल सं, एसे दृश्यमान श्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल कि नम्निलिखत उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत , अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निकालिकित क्यक्तियों , अर्थात् :-- (1) श्रीमती दीर्शिका सील

(अन्तरक)

(2) श्रीमती केवल देवी एंड ग्रदसं।

(जन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन को तारील स 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण -इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/1ए, 5/2ए, 5/3ए, 5/4ए और 5/5ए, हास्पिटल स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रव स्थित, 6 कट्टा 13 छटांक, जमीन पर आशिक, दो तल्ला और आशिक निन तल्ला मकान का आधा हिस्सा जो खीड नं० 7531 अनुसार 5-9-1981 तारीख में रिज-स्ट्रार आफ एसोरेंस के देपतर में रिजिस्ट्री हुआ।

एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, कलकत्ता-16

दिनांकः : 1 1-5-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-4(1) के भ्रामीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंज-ा, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनाक 12 मई 1982

निर्देश सं० टी० ग्रार०-196/81-82 618/ ग्राई० ए० मी०/ए मी क्यू० ग्राप्त-1/कलकसा—यतः मुझे, एम० ग्रहमद,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम माधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 25,000/- इपए में मधिक है

श्रीर जिमकी सं० 124 बा है तथा जो लेनिन सर्णा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनोब्द 21 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्लरित की गई है और मुझे यह किश्वाय हरने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत से अधित है और अम्तरक (अम्तरको) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित सहैश्य में उनत अम्नरण लिखित में बास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अब्रिनियम के अब्रीन कर देने के श्रक्तरक के दायित्व में कमी करने या एमसे वजने में बुविधा क लिए; और ना
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या जन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त 'अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

असः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अमूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की सपत्राय (;) अ बंबीन निम्मलिक्तित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री धनन्जय राय

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजू मित्र

(ग्रन्तरिती)

(3) देनैद्स

(बहु व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मुक्ता जारी करके पूर्वित सम्पत्ति क धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में लोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिकात में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीसरण:--इसमें प्रभूतन जन्दा घीर पदों का, तो उक्त धित्यम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं भधे होगा जी उस ध्रध्याय में दिया गया है :

मनुस्ची

124 बी लेनिन मरणी, कलकत्ता में भ्रम स्थित, ग्रांशिक, तिन तत्ला भीर ग्रांशिक चार तत्ला मकान भीर जो 4 कट्टा 3 छटांक, 6 वर्ग फीट, जमीन पर श्रम स्थित, श्रीर जो श्रीड नं० 8044 श्रनुमार 21-9-1981 नारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजी-, कलकत्ता-16

शिवार: 12-5-1982

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० 382/81-82---यतः, मुझे, श्रीमती मंजु माघवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० प्रार० एस० नं० 203 प्लाट नं० 20 है जो हिन्दवाडी बेलगम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बेलगम ग्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 1069 दिनांक 3 सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नितिसित् उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण मों, मों. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की एपधारा (1) को अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अधीतः--- (1) श्रीमती सुशीला बुंडिराज डोंबले नंबर 95, रोड नं० 3, भारतिनगर, शाहपुर, बेलगाम

(अन्तरक)

(2) 1. श्री फिरोज दरबाशाह मेहता 2. श्रीमती धुन फिरोज मेहता 203/2/1 बी० प्लाट नं० 20, हिंदबाडी, बेलगाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ित की वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की जबिधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्मध्वीकरणः ~- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिंदवाडी, बेलगम में स्थित बिल्डिंग (जमीन सहित) जिसका नंबर है श्रार० एस० नंबर 203 ग्रीर प्लाट नंबर 20।

> श्रीमती मंजु माधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

विनांक . 4-12-1981

मांहर .

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयकर आयक्स (चिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, विनाक 21 मई, 1982

निर्देश सं० सी० भ्रार० नं० 32772/81—82/भ्रवित बे०—— यतः, मुझे, मंजु माधवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी मं० 2758 तथा 2759 है, तथा जो तुम्कूर गांधीनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय. तुम्कुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 7 सितम्बर, 1981

को पृत्रीकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ ल से एसे दृश्यमान प्रतिफ ल के पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्नलिखित उद्दोष्य में उक्त अंतरण निकित में वास्तयिक रूप में करिया गया है -

- (क) बन्तरण संहुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिनयों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम का 922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः ज्न, उकत अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जी० ए० शिवस्वामी, श्री जी० एन० घंकलेशस्या के पुत्र 5वा कास, सिध्धगंगा एक्सटेंशन मुम्कूर

(अन्तरक)

(2) श्री एच० एम० गगाधरय्या मेक्नेटरी, मिद्धार्ता एजू-केशन मोमाइटी गोल्लहल्ली तुम्कूर।

(अन्तारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थनु के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्वी

(दस्तावेज सं० 1715 विनाक 7-9-1981) नया नं० 2758 भ्रीर 2759, गांधी नगर, सुम्कूर।

> मजु माधवन, सक्षम अधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

विनांक: 21-5-1982

मोहर

प्ररूप आहं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनक

लखनऊ, दिनांक 20 मई, 1982

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० सी०-33/ग्रर्ज-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. मे अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० में से भ० सं० बी० 4 है तथा जो ग्राई० टी० कालेज कासिंग, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्व धनुसूची में ग्रौर पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण प्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 12 सितम्बर, 1981

को पूर्वो विस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गर्द्य है और मुक्ते यह दिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कतः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तिस्याँ अर्थात् :--- (1) प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति लि० मी-207 निरालानगण लखनऊ

(अन्सरक)

(2) श्रीमती चन्द्र लेखा

(अन्तर्भारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

भूखंड संख्या 12 खसरा संख्या 992 में से 5148 वर्ग-पुट का भूखंड संख्या बी-4 स्थित ग्राई० टी० कालेज कासिंग, लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्मित्त जो फार्म संख्या 37-जो नं० 6340 एमं सेलडीड में विणित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रीर लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 12-9-1981 को किया जा चका है (12-9-1981)।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

दिमांक 20-5-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

लखनऊ, दिनांक 20 मई 1982

निर्देश सं० जी० आई० श्रार० सं० जे०—57/श्रर्जन—श्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0 12 में से हैं हथा जो भ्रहाड मगरा जं व श्राई० टी० वालेज कर्मिंग रुखन्छ में धित है (श्रीर इसमें उपाबक्ष श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन विनांक 18 सितम्बर, 1981 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्मतिका पर्याण्य स उपत अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फ्ल निम्मतिका पर्याण्य स उपत अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-रूप से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर आंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं, अनूररण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— 10—11601/82 (1) मैसर्स प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति लि० मी०- 207, निरालानगर, लखनऊ

(अन्तर्क)

(2) श्री जय नारायण

(अन्तरिती)

(3) श्री जय नारायण

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यविसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसूची

भूखंड संख्या 12 खसरा सं० 992 में से भूखंड पैयमाईशी 3680 वर्गफीट स्थित श्राई० टी० कालेज कार्सिंग शहर लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेल डीड तथा फार्म 37-जी० मंख्या 6334 में वर्णित है जिनका पंजीकरण मब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 18-9-1981 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 20-5-1982

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, लखनक

लखनऊ, दिनांक 20 मई 1982

निर्वेश सं ० जी ० म्राई० म्रार० सं ० सी ० – 34/म्रर्जन — यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 12 है तथा को स्थित ग्राई० टी० कालेज कासिंग लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्बालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार बृष्व, उचके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बन्तरितवों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिकात, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्स में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसम्म में, तीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निरंतिचित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैं सर्क प्रगतिशील सहकारी गृष्ट निर्माण समिति लि० सी०-207 निरालानगर, लखनऊ

(अन्सरक)

(2) श्रीमती घन्त्र प्रभा भारती

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती चन्द्र प्रभा भारती (वह व्यक्ति, जिनके श्रक्षिभोग में सभ्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पृषािक्त सम्पृत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----६ समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्का अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूखंड संख्या 12 खसरा नं० 992 स्थित भ्राई० टो० कालेज कासिग लखनऊ में से भूखंड संख्या बो पैमाइसी 3530 वर्गफोट एवं वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37— जी० संख्या 6342 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय मे दिनांक सितम्बर 1981 को किया जा चुका है।

> ा० प्रसाध, सक्षम अधिकारौ स**हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** ऋ**र्जन रें**ज, ल**ख**नऊ

दिनाक : 20~5-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 मई 1982

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० ए०-108/श्रर्जन--ग्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको संववं 10/3 है तथा जो ग्राई० टी० कालेज कासिंग, लखनऊ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्री भरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 18 सितम्बर, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः.-- (1) प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति लि० सी-207 निरालामगर लखनऊ

(अन्सरक)

(2) श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती श्रन्नपूर्णी वेवी

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में संम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूखण्ड संख्या 12 खसरा संख्या 992 में से भूखण्ड संख्या 13/5 पैमाइणी 5121 वर्ग फीट स्थित ग्राई० टो० कालेज क्रासिंग, लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो फार्म 37-जो संख्या 6336 एवं सेलडीड में विणत है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 18-9-1981 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाक: 20-5-1982

मांहर:

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस . -----

मायकर मिश्रीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 मई 1982

निर्देश मं० जी० ग्राई० ग्रार० मं० एस०—134/ग्रर्जन——ग्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डी०-58/30, डी०-58/ए० बी० सी० है तथा जो सिगरा, वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में श्रीर पूर्ण रूप से बांजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 12 सितस्बर, 1981

को पृर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत्तरिती (अन्तरिति के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति कि निम्नितिष्व उन्दर्ध्य से उन्त अन्तरण निम्नितिष्व में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निमनीलिकिनि अधिकतयो, अर्थानः——

- (1) श्री ईश्वर गजेन्द्रश्वर शिवा ठाकुर प्रेमिससेज सं० बं ि 8/44-44-ए सोन।रपुरा वाराणसी में स्थापित एक डेटी द्वारा इसके सेवायत एवं टस्टी गण:---
 - ग्रमुलेन्द्र शेखर नास्कर
 - 2. अर्धेन्द्र शेखर नास्कर
 - 3. नवेन्द्र शेखर नास्कार
 - परेन्द्र शेखर नास्कर
 - विमलेन्द्र शेखर नाम्कर

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती मज् स्रग्रवाल
 - 2. र्श्वा मुकेन्दु राय कटारिया
 - 3. बाल गोविन्द्र भ्रम्मवाल

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरितः

(वह व्यक्ति जिनके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी को पास निस्ति में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

सम्पूर्ण भूमि व भवन इत्यादि जो अचल सम्पत्ति संख्या डीं 0-58/30, डीं 0-58/ए और डीं 0-58/30-बी और डीं 0-58/30-बी और डीं 0-58/30-बी और डीं 0-58/30-बी स्थान स्थित स्थान वाराणसी पैमाइशी 23462 वर्गफीट तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडींड में वर्णित हैं और जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 12-9-1981 की तिथा जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, लखनऊ

चिनाकः 20 5--1382 मोहर प्ररूप अरहा. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

का**र्याल**य, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ल**खनऊ**

लखनऊ, दिनाक 20 मई 1982

निर्देश सं० जी॰ ग्राई० ग्रार० सं० जे०-- 56/ग्रजन--ग्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

भीर जिसका सं० 12 में का है तथा जो भूखण्ड संख्या ए-13 स्थित श्राई० टी० कालेज कासिंग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 29 सितम्बर, 1981

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वेचय से उक्त अन्तरण लिखित में यास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सूविधा के लिए, और/बा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 म के अनुभारण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैंसर्से प्रगतिशाल सहकारों गृष्ट निर्माण समिति लि॰ सी-207 निरालानगर लखनक।

(अन्तरक)

(2) श्रीमर्ता जयश्री पाण्डेय

(अन्तरिती)

(3) श्रीमतीः जयश्री पाण्डेय

(वह व्यक्ति जिसके अधिमाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अकिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-धव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्स्ची

भ्षाण्ड संख्या 12 खसरा न० 992 स्थित ग्राई० टो० कालेज कासिंग लखनऊ में में भृषाण्ड संख्या ए-13 पैमाइणी 2030 वर्गफीं एवं वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलर्डाङ एवं फार्म 37-जो संख्या 6566 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्राप लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 29-9-1981 को किया जा चुका है

> ए० प्रसाद, स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रें**भ**-ल**ख**नक

दिसांक: 20-5-1982

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज, लखनऊ

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) लखनऊ, दिनाक 20 मई, 1982

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० एस०—230/श्रर्जन——ग्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे, इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है प्रौर जिसकी सं० 12 है तथा जो में का भूखण्ड सं० बी०/3 स्थित ग्राई० टो० कालेज कासिंग लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्ष्म से वर्णित है).

र्राजस्द्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्द्रीकरण

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, सितम्बर

19811

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से क्रिथल नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ,अधीत्:—

(1) मैसर्त प्रगतिशील सह्तारी गृह निर्माण समिति निर्मिटेड, सी०-207, निराला नगर लखनऊ

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष दीक्षित

(भन्तरिती)

(3) श्रीमती संतोष दीक्षित (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त स्थाती हो, के भीतर पृवों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्वक्ट्रोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूखण्ड संख्या 12 खमरा न० 992 स्थित ग्राई० टी० कालेज क्रांसिंग लखनक में में भूखण्ड संख्या बो०/3 पैमायणी 2006 वर्गफीट एवं वह सम्पूर्ण सम्मत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37-जी० संख्या 6338 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनक के कार्यालय में दिनांक सितम्बर 1981 को किया जा चका है।

> ए० प्रसाद, स्रक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज; लखनऊ

दिनाम : 20-5-1982

मोहरः

प्रसप बाई० टी॰ एन॰ एत०---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरोक्षण) लखनऊ, दिनांक 25 मई, 1982

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० मं० के० 108/म्रर्जन—म्बतः, मुझे, ए० प्रसाद,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सञ्जम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- हपये से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० बी० 1/1 है तथा जो कुर्सोरोड़ महानगर इक्सटेशन स्कीम लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 19 सितम्बर, 1981। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से भ्रधिक है भ्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से अक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्त ग्रांध-तियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुत्रिधा के लिए!

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्-- (1) श्रीमती निर्मेला देवी

(भ्रन्तरकः)

- (2) 1 श्राप्रभाकर विपार्ठा
 - 2 श्रीमत् बच्ना निवारी
 - 3 थीं विवेक सिवारी
 - 4 श्री मुधाकर विमाटी

(श्रन्तरिती)

(3) उपरोक्त ग्रन्तिपती

(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मर्कों।

हपब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रयं होगा, जो उस श्रद्ध्याय में विया गया है।

अनुसुची

भूखण्ड संख्या बी-1/1 नुर्सो रोड़ महानगर एक्सटेणन हार्ऊसिंग होम लखनऊ पैयमाइणी 7000 वर्गे फीट तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एय फार्म 37-जी संख्या 5973/ में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनाक 19-9-1981 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

्दिनाक ▶ 25-5-1982 मोहर प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अ**धी**न सूचना

भारत सरकार

फार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्मन रेंग, लखनऊ

महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) लखनऊ, दिनांक 20 मई, 1982

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० एन०-47/ग्रर्जन--ग्रतः मुक्को, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 253/1 है तथा जो ग्राम तुलसीपुर वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक, 26 श्रक्तुवर, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (अन्तरिकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिबत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री लाल बहादुर मिश्रा
 - 2 लल्लन
 - 3. मान बहाद्र सिंह
 - 4. रामाधार सिंह

(अन्तरक)

(2) भैसमं नुबादित सहनारी द्यावास समिति वि० ताराणसी द्वारा इसके सेन्नेटी थी भुवनेश्वर प्रसाद रजिस्टर्ड ग्राफिस सी० के० 65 × 190 बड़ी पियरो वाराणसी

(अन्तरिती)

(3) उपराक्त अन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूखंड संख्या 253/1 में से 63881 वर्गफोट भूमि स्थित ग्राम तुलसीपूर परगना—देहान ग्रमानत, जिला याराणमी, तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो फार्म 37—जी वंख्या 42/1981 एवं सलडीड में विणित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 26-10-1981 को किया जाचुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंग, लखनऊ

दिनांक: 20-5-1982

प्रस्प आई० टी० एन० ए**स०--**-

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुष्ता

वारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्र**र्जन** रेंज, ल**खन**ऊ

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) लखनऊ, विनाक 20 मई, 1982

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० पी०-92/ग्रर्जन--ग्रतः, मुझे, ए० प्रसाध,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन मक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने हा कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से श्रीधक है

ग्रीर जिसकी सं० 12 में का भू० सं० बी०-4 है सथा जो भाई० टी० कालेज कासिंग लखनऊ में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ध्रधि-कारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 14 ग्रक्तुबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किना निम्ना निष्टित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी वरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात्:—

11-116GI/82

(1) श्रीमती चन्द्र लेखा

(अन्तरक)

(2) प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति लि० गी~207 निरालानगर लखनक

(अन्त(रती)

(3) उपरोक्त अन्सरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख में 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, का भीतर पूर्वीकर अयिकतयों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सर्वेंगें।

हपण्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त घ्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही घर्ष होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूखण्ड संख्या 12 खसरा संख्या 922 में से भुखंड संख्या बी०-4 स्थित श्राई० टो० कालेज क्रासिंग. शहर लखनऊ पैमाइशी 5148 वर्गफीट एवं वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो फार्म 37-जी संख्या 6894 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 14-10-1981 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्र**र्णन** रेंज, ल**खन**ऊ

दिनांक: 20-5-1982

मोहर 🤥

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

बायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 26 स्रप्रैल, 1982

निदेश सं० पो० श्रार०, नं० 1879/23-J/81-82---- ग्रनः

मुझे आए० आए० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 997, पैकी जमीन है तथा जो गांव बजेपुर, तासुका मोरवी, जिसा राजकोट में स्थित है (श्रीर इस से उपावस धनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मोरवी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिएाने में सृषिधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिमित स्यक्तियों, अधीत् — द भी मोहन वाना, नरसिंग टेकरी के पीछ, वजेपुर, वाडी, तालुका मोरबी, जिला राजकोट ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री जयन्ती लाल हरी भाई पटेल, गाँव मोटी मराड, ताल्ल्का मोरवी,
 - (2) श्री नाथालाल गोकल क्षास, पटेल, गांव मो ी मराड, ताल्लुका घोरजी, श्रभी मोरवी ।

ं(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां केत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 थिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कुई होया जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 6 बीमा है जो सर्वे मं॰ 997 गांव बजेपुर ताल्लुका मोरवी में स्थित है तथा जिसका वर्णन मोरवी रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखन नं॰ 4258/सितम्बर. 1981 में दिया गया है।

श्नार**ः श्नारः गाह सभग प्राप्तिकारी** सहायक आयक**ः आयुक्तः (निरक्षिण**) श्रर्जन रेंज-**!, धहमवाबाद**

ता**रीख** 26-4-1982 मोहर: ====:.====

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 26 म्रप्रैल, 1982

निवेण सं० पी० श्रार० नं० 1880/23-¹/81-82---श्रतः ' मुझे, श्रार० श्रार० *शाह*

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सर्वे नं० 402, प्लाट नं० 16, पैकी, है तथा जो उमाकान्त पंडित उद्योग, नगर गोंडल रोड, मांडवी प्लाट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय राजकोट में प्जिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 1-9-1981

को पूर्विक्त संपित्त के उषित बाजार मूल्य से कम के ब्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उषित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922) को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री मती चिमलाबेन धन जी भाई, की बोर से कुल मुख्तयार, भी विभावन बास, ईश्चर भाई, भ्रमीन, कलावड रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

 श्रीमती जयाबेन मोहन लाल, स्वास्तिक सोसायटी, राज कोट ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपक्ति को अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्तिः में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन जिसका कुल क्षत्रफल 600 वर्ग याडं है, जो उमाकान्त पंडित उद्योगनगर, राजकोट में स्थित है तथा जिसका वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्षीखत नं० 6480/10-9-81 में दिया गया है।

भार० भार० शाह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I महमदाबाद

तारीख: 26-4-1982

प्ररूप आईं.टी.एन्.एस्.,-----

आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रह्मदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 19 मप्रैल, 1982

निदेश सं०पी० श्रार० नं० 1590/एक्वी०/23-11/82-83-श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण, है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/ रु. से विभिक्त हैं

श्रीर जिसकी सं० नाद नं० 264, वार्ड, नं० 2, मालेसार मोहल्ला, है तथा जो सूरत में स्थित है श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विभित्त है) रिजस्ट्रीकार्ती श्रीवकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीध नियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पुन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बुबने में सुविधा में सिए? शर्रिया
- (क) एसी किसी आयु या किसी धनु या अन्य आस्तियों को, जिन्ह आरतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अग, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्सित् व्यक्तियों, अर्थात्:—— थेत फार्म रोसकेर सजी, गोलवाला । रोशनवेन फरीदुन केलावाला । रेस्टेम बाग, बेकुला बाम्बे।

(ग्रसरक)

- 2. (1) प्रभुराम शिव लाल,
 - (2) चतदान बेन, प्रभुराम।
 - (3) शीरीश कुमार प्रभुराम
 - (4) विनोद कुमार प्रभुराम श्रमजानाडी, कालीपुल, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रिश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त अब्बों और पदों का, जो उक्त जिभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मिलकत जो मालेसार माहल्ला, वार्ड नं० 264, वार्ड नं० 2, सुरत सितम्बर, 1981 में राजिस्ट्री की गयी है।

> ग्रार० श्रार० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) **प्रजं**न रेंज-II, **ग्रमहत्राबाद**

तारीखा : 16-4-1982

प्ररूप भाई। टी० एन० एस०----

भ्रायकर अभिनियमः 1961 (1961 का 43) की धारा 26%-भ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 19 भ्रप्रैल 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1591/एक्वी०/23- /82-83--श्रतः मुझे, श्रार० श्राह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुं. से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० नोव नं० 4403, छः नगर, णोरी है, तथा जो जाग्रीमपुरा, 1, सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीयर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकर ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पिषकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तप पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखिन में सम्तविक एय से किंबत नहीं किया गया है:—

- (क) चन्तरण से ुई किसी आग के लायन उक्त यक्षि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अभिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण में, भें, उक्त अभिनियम, की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अभीत्:--

- 1. (1) चम्पकलाल मणीलाल छापगर ।
 - (2) प्रभावेन चम्पकलाल छापगर । सम्रामपुरा, चापगर, जोरी, भुरत ।

(अन्तरक)

- 2. (1) अरिवन्द भाई, मनगुभाई शाह
 - (2) श्रीमती मृदुला वेन शाह प्रदिश्व भाई गाह ज्योह्हो, ख्लोदर्स, काला मेहसा जोरी, साग्रामपुरा, सूरत ।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील ने 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाति में हिनवद्ध किसी श्रान्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोडस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीरूपण .---इसमें प्रयुवन सब्दों भीर पदों का, जा उबत श्रिष्ठा नियम के अध्याय 20-त में परिभाषित हैं, वहीं प्रयो होगा, जो उप प्रध्याय पें द्विया गया है।

अनुतृष्टी

मिलकत जो नोंद नं० 4403, छापनगर जोरी, सम्रामपुरा सुरत, मितम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> भार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-¹¹, **शह**मदाबाद

तार्राज 19 4 82 मो**हर** : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- , ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 19 भ्रप्नैल 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1592/एक्शी०/23-11/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी संव तं 1059, श्रादणं सोसायटी पास है तथा जो श्राशा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती पुष्पाबेन की कुल मुख्तयार: दोला भाई पटेल,
 डा० राम लाल कालीदास देहाई श्रादर्श सोसायटी,
 भ्राथवा लैन्स, सूरत।

(अन्तरक)

- प्रमुख भौर सिचव, ऐषेयन पार्क को ० था ० हाउसिंग सोसायटी :—
 - श्री योगेण शास्तिलाल काम्डक्टर, दरिया महल, चोक बाजार, सूरत ।
 - श्री श्रशोक द्वारकादास,
 श्रधिकारी पानी नी भीड़, साणी, पुलिया, सूरत।
 (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

मिलकत जो एस० नं० 105-9, श्रादर्श सोसायदी पासे, श्रातवा लैन्स, सूरत, सितम्बर, 1981 में यथाविधि रिजस्ट्रीं की गयी है।

> आर० भार० शाह सक्षम प्राधिकारो सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज- , ग्रहमदाबाद

तारीख: 19-4-1982

परूप आहाँ ती. एन एस . -----

नायकार मुमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 20 श्रप्रैल, 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1852/एक्बी०/23-J/81-82--श्रतः मुझे, आर० श्रार० शाह

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति जिनका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एं. से अधिक है

भौर जिसकी सं० नटवर नगर, तालुका बाडीया बगसरा, नजवीक जिला धमरेली है तथा जो अमरेली में स्थित है (भौर इस से उपाबद्ध अनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरोली में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का प्रेंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: बीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उमत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, की, उकत अधिनियम की धारा 269-अ की उपभाग (1) को सभीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, न्यांत् ं-- बोराबार इफनबारई श्रब्दुल हुसेन भाई. बालाचीर की शेरी, गांव बगसरा, जिला श्रमरेली ।

(अन्तरक)

श्री मनोज नुमार श्रमृतलाल धानक की भोर में,
 श्री श्रमृतलाल गोरधन लाल धानक बाजार में,
 गांव बगसरा, जिला श्रमरेली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्परित के कर्जन के संस्थान्य में कोई भी जाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ति।

स्मक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 4472 वर्ग याखं है जो नटवरनगर, बगसरा पैठ नजदीक ताल्लुका बाडिया, जिला ग्रमरेली में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन बाडीया रजिस्ट्री-कर्ता विस्तीर्ण नं० 908/सितम्बर, 1981 में वियागया है।

> ग्राप् ग्राप् गाह सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जम रेंज-I, **शहमदाबाद**

तारीख: 20-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1853/एक्बी०/23-I/81-82--- अत: मझे, आर० आर० शाह

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मन्य 25,000 '- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 154-2, एफ० नं० 259-2, टी० पी० एस० 20 है तथा जो कोचर्स, श्रह्मधाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ट्रीकरी श्रिष्ट्रीकरण श्रिष्ट्रीकरण श्रिष्ट्रीकरण श्रिष्ट्रीकरण श्रिष्ट्रीकरण श्रिष्ट्रीकरण श्रिष्ट्रीकरण से (1908 का 16) के श्रिष्टीन दिनांक 11-9-81 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रति-फल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीभ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अभ, उन्स अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री गैलेन्द्र जसबंत राय श्रंजारिया श्रीर श्रन्य बैकुण्ठ को० श्रा० हा० सोसायटी, लल्लु भाई घे पार्क, श्रंरी, बाग्बे ~58

(अन्तरक्र)

 श्री रमेशचन्द सी० मोदी, एल० ग्री० इंजीनियरिंग फोलेन्ज क्वार्ट्स, नवरंगपूरा , श्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथंकित संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्परित के अर्जर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 622 वर्ग यार्ड है, जो कोचर्स, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकी खत न० 11080/11-9-81 में दिया गया है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आय्**क्त (निरीक्षण)** श्र**र्जन रेंज-ा, श्रहमदाबाव**

दिनांक: 22-4-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहागक आगकर आगुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, श्रहदवाबाद

घहमदाबाद, दिनांक 22 घर्रील, 1982

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1854/एक्बी/23-I/81-82-- श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 676, टी० पी० एस. 28, है तथा जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 11-9-1981 को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ब्रास्तियक रूप से अधिक नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुक्ने में सूर्विधा के लिए; जाँद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में भ्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अंगदीश भाई कुंबर लाल पटेल,
 कल्यान सोसायटी,
 एलिसबीज, श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 श्री लीलाबेन प्रश्वितकुमार पटेल, 222-6, पटेल पार्क, स्टेडियम, रोड, नवरंगपुरा, ग्रहंमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति देवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गुना है।

अमुसुची

जमीन जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमादाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 3273/11-9-81 में दिया गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 659 वर्ग यार्ड है तथा जो वाडज श्रहमदाबाद में स्थित है ।

> श्रीर० श्रार० शा**इ** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, श्र**ड**मदाबाद

दिनांक: 22-4-1982

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय महायथः आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमशाबाद, रिनाक 22 भ्रप्रेस, 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1855/23-1/81--82---श्रतः मुझे, श्रार० श्राह

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 676, टी० पी० एस० 28, है तथा जो बाइज, श्रहमताबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 11-9-1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हार किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिजिधा के लिए।

अतः जब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्भात् :---

श्री ह्र्योत्रिन्द दास मुंबर भाई पटेल,
 क कस्यान सोसायटी, एलिसक्रीज,
 महमदाबाद-6

(अन्तरक)

शीमती डाहीबेन, परसोस्तमवास, 222-6, पटेल पाक, स्टेप्टियम के नजदीक, नवरंग पुरा, झहमदाबाद।

(अन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमीन जिसका कुल क्षेत्र फल 659 वर्ग याई है जो वाडज, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवर्णन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त विकीखत नं० 3275/11-9-81 में दिया गया, है।

> श्रार० श्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज, श्रष्टमदाबाद

तारीखा: 22-4-1892

प्रस्प आहें. टी. एन. एस.---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अह्मदाबाद

ग्रहमदावाद, दिनांक 22 भ्रप्रैल 1982

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 1856/23-I/81-82--ग्रतः मुझे भार० ग्रार० शाह
ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है); की घारा 269 में के ग्रिधीन
सक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र के से प्रिधिक है
ग्रीर जिसकी मं० सर्वे सं० 1681, ए-2, शाहपुर बोर्ड 2,
शीट नं० 41, सी० नं० 760, सी, है तथा जो
ग्रेड के पंडा के नजदीक, घी काटा, रोड, ग्रहमदाबाद में स्थित है
(ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण क्या से विणित है)
रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण
ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक
17-9-1981

को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह बिज्वास करने का कारण है कियथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल ने, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में बक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मिध-नियम के ग्रिप्तीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्म भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या धन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मौ, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नित्सित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- श्री महेन्द्र लाल भाई , यहनीफी खड़की, जनेरी वाड, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तर्ऋ)

 श्री चन्द्र कान्त गुलाब चन्द माह, नगर शेठ का पंडा, घी कांटा, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान जिसका क्षेत्र फल 92.4 वर्ग यार्ड है, जो नगर गेठका पंडा, घी कांटा, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ग वर्णन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 9564/65 दिनांक 17-9-1981 में दिया गया है।

> ग्रार० म्रार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर आगृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

भारीख: 22-4-1982

पोहर :

प्ररूप माद्र .टी.एन.एस. ----

नायकर निधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-J, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० भार० नं० 1857 23-1/81-82— भतः मुझे भार० भार० शाह आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० 146, पैकी टी०पी० एस० 6, सब-म्लाट नं० 3, है तथा जो पैकी चालडी, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-9-81 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दश्यमान श्रतिफल का पन्त्रह श्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिभक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक कम से कृथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कियी आय की नावत उक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ब्रधीन, निस्निस्थित व्यक्तियों, अर्थित :—

- (1) श्री नरहरिप्रसाद महाशंकर त्रिवेदी,
 - (2) हरीश कुमार, नरहरी प्रसाद विवेदी ''नरहरी भवन'' पालडी, श्रक्षमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री हरीण एपार्टमेन्ट पालडी को०म्ना०-हा० सोसायटी, प्रमोटर:—श्री घनश्यामलाल जे-पंड्या, रायखंड कन्याणाला नं० 5, टोकरणाह की पोल, जमालपुर, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को मह स्वना वारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या

अमुस्ची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 206 वर्ग मीटर 493.65 वर्ग पार्ड और 206 वर्ग मीटर है जो पालडी प्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन प्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 11124, 11125 और 11122/18-9-81 में दिया गया है।

भ्रार० श्रार० णाह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

नारीख: 22-4-1982

प्रारूप आईं टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, श्रहमधाबाद

भ्रमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 1858/23-1/81-82---श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा से अधिक हैं

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 394+400+401 पैकी सब-प्लाट नं० 19, 19-ए, है तथा जो टी० पी० एस० 3, चंगीसपुर, ब्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण हप से विणित है) र्राजस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 21-9-81

कां पूर्वो वित सम्परित के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारणह कि यथापूर्वो वित सम्परित का उिषत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रस्त प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ये हुई किसी आप की वाबत, उझत जिम्मियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिंग्स व्यक्तियों, अर्थात् ६---

- 1. (1) श्री राजीव भाई रमेशचन्द परीख
 - (2) श्री रमेण चन्द्र जगमोहनवास परीख
 - (3) श्रीमती विज्यायेन रमेणचन्द्र पारीख
 - (4) श्री संजीवभाई रमेमचंद्र पारीख "वंदे मात्तरम् फ्लेट्स" श्रलकापुरी, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीनाबेन गैलप भाई,
श्री गैलेग भाई, बंसीलाल पारीख जलवर्शन सोसायटी, नटराज सिनेमा के मामन, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदावाद।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजप्रत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित बढ़ भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्थित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में पृरिभाषित हैं, यही वर्ध होगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन जिसका कुल क्षेत्र फल 532 1/2 वर्ग यार्ड है, जो चंगीमपुर, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 3588, 3589, 3593 ग्रीर 3594/21-9-81 में दिया गया है।

> ग्रार० श्रार० माह सक्षम प्राधिकारी स**हायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेज I, ग्रहमदाबाद

नारीख: 22-4-1982

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज I, ग्रहमसाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रप्रैल 1982

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1859/23-1/81-82---ग्रत: मुझे ग्रार० भार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 27-1, सब प्लाट नं० 20 पैकी इस्टर्न साइड है तथा जो टी०पी० एस० 4, मनीनगर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची म श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ब्रियमान प्रतिफल से, ऐसे ब्रियमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कार्यन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मुकी उपुधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :-- श्री सपलराम बलाजी नागर,
 फांकरिया रोड, गोरधन पाडी के समाप्ति पर,
 "नागर भुवन", मनीनगर,
 श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्सरक)

 श्री तनमुख ए० राडी श्रीर धन्य 46, राजेन्द्र पार्क सोसायटी, श्रोडव रोड, श्रहमदाबाद

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पध्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

मकान जो जमीन पर खड़ा है, जिसका क्षेत्रफल 210 वर्ग यार्ड है, जो मनीनगर श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 11523/ 24-9-81 में दिया गया है:—

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रष्टमबाबाद

तारीख: 22-4-82

मोइए 1

प्रकृप पाईं ही । एन । एवं ----

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

फार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 22 ग्रप्रैल 1982

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ४० से श्रीधक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 193+194, एफ० पी० 328, सब प्लाट नं० 10, है तथा जो टी० पी० एस० 21, पालडी, श्रहमदाबाद, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी प्राय की बाबत, इक्त प्रधि-नियम के अधीन चर देने के खक्तरक के प्रायित्व में कभी करने या वससे वचने में भूविज्ञा के लिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रश्य धारितथों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत सिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें मूबिधा के लिए;

चतः सन, प्रस्त सिंहिनियम की बारा 268-ग ने सनुसरक में, में,, एक्त सिंहिनियम की बारा 268-व की उपवारा (1) के अधीन निक्तिसिंहत व्यक्तियों अर्थात् :--- सेजल कम्स्ट्रमशन की क्रोर है से भागीबार—श्री सतीश चन्द्र बाबू लाल शाह गीता बाग के नजदीक, सी० जी० शाह रोड, पालडी, महमदाबाद ।

(भन्तरक्)

श्री कीर्ति भाई एग० बोरा,
 बी-1, जय सदन, जुहू स्कीम रोड, नं० 3,
 घीले पारले, वेस्ट बोम्बे-56

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीस्त सम्पत्ति के धर्यन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तानील से 30 दिन की भविष, जो भी भविष बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्जीनत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्नोहस्तानरी के वास. निखान में किए जासकोंगे।

हरव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, को अक्त भन्नि भन्नि कि अद्याय 20क में परिचाचित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लोट नं० 14, कुल क्षेत्र फल 84 वर्ग यार्ड, जो पालडी श्रहमदावाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 8653/25-9-81 में दिया गया है ।

> ग्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमवाबाद

तारीख: 22-4-1982

प्ररूप आर्ध. टी. एत्. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

मायोजग, महायवः अभवः र अभ्युक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1,

ग्रहमधाबाद, विनांक 22 श्रप्रेल 1982

निदेश सं० पी० श्रार्० नं० 1861/एक्वी०/23-J/81-82— श्रतः मझे. श्रार्० श्रार्० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, प्रवृ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं क्वें नं 193+194, ई० पी० 328, सब प्लाट नं 10, है तथा जो टी० पी० एस० 21, पालडी, स्रहमदाबाद में स्थित है (स्रोर इमसे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 25-9-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एंगे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई ृिकसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे अचने में मृतिधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलुक्ति व्यक्तियों, अर्थात :---

 सेजल कंस्ट्रेक्शन की श्रोर से भागीदार : श्री सतीशचन्द्र धाबू लाल णाह, गीता वाग के नजदीक, सी० जी० रोड, पालडी, श्रहमदाबाद ।

(शन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (म) इस स्चना राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्रिस्णः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

फ्लेट नं० 8 जिसका कुल क्षेत्र फल 84 वर्ग यार्ड है, जो पालडी ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमदाबाद, रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखप्त नं० 8937/25-9-81 में दिया गया है।

स्रार० स्नार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आगकार आगुक्त (निरीक्षण) स्राजीन रेंज-1, स्रहमदाबाद

सारीख: 22-4-1982

सोहर:

प्ररूप कार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के भधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायव आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, विनांक 22 म्रप्रैल 1982

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 1862/एक्वी०/23-¹/81-82-भातः मुझे, भार० ग्रार० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन अक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० एफ० पी० 387, पैकी सब प्लोट नं० 20-23, पैकी है तथा जो यूनिट नं० 3, टी० पी० एस० 19, शेखपुर खानपुर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती के श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाया प्रयाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उवत ग्रीध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें दचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्रंग्य पा किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-तर श्रिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिस्तो हारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में रुक्तिश के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थातः :—— 13—11634/82 श्री सरलाबेन चतुरभाई पटेल की घोर से कुल मुक्तयार : श्री दिनेशचन्द्र चंदुलाल शाह, गिरीश पटेल एण्ड कंपनी, नेहरू पार्क, वस्त्रापुर, घहमदाबाद ।

(अन्तरक)

 श्री सी० पी० पान्डे, महेसाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कामवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्स द्व किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्वच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलेट नं 0 12, जिसका कुल क्षेत्रफल 113 वर्ग यार्ड है, जो शेखपुर, खानपुर, श्रहमबाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन, श्रहमबाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं 0 11651/29-9-81 में दिया गया है।

श्रार० श्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीखा : 22-4-1982

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिन का. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1,

धह्मदाबाद, दिनांक 22 ध्रप्रेस 1982

निवेश सं० पी० प्रार० नं० 1863/एक्वी०/23-1/81-82--- प्रतः मुझे, प्रार० प्रार० शाह,

नायकर आंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० इ०पी० 387, पैकी सब प्लोट नं० 20-23 पैकी यूनिट नं० 3 है तथा जो टी० पी० एस० 19, भोखपुर खानपुर, अहमवाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूर्या में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-9-81

को पूर्वा क्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण निम्नलिखत में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां. जिन्हें भारतीय आय-फर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया त्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मं, मं, उक्तं अधिनियमं की धार्य 269-थं की उपधार्य (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थातुः— श्री सरलाबेन चतुरभाई पटेल की स्रोर से कुल मुख्यार श्री दिनेश चन्द्र, चंदुलाल शाह, गिरीश पटेल एंड कंपनी. नेहरूपार्क, यस्तापुर, शहमदाबाद।

(अन्तरक)

श्री एम॰ एम॰ सिंह,
 डी-6, समरपान, गुलबार टेकरा,
 श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृषोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

पलेट नं० 11, जिसका कुल क्षेत्र फल 119 वर्ग यार्ड हैं जो ग्रेखपुर, खानपुर, श्रहमदाबाद में स्थित हैं तथा जिसका पूर्ण वर्णन, श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ती बिक्रीखत नं० 11652/29-9-81 में दिया गया है।

> श्चार० श्नार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) सर्जन रोज-ॉ, श्रष्टमदाबाद

तारीख: 22-4-1982

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रिकिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-),

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उपत अधिनियम' कहा गया हु³), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विद्यास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० इ०पी० 387, पैकी सब प्लाट नं० 20-23, पैकी यृनिट 1 है तथा जो फ्लेट नं० 4, टी० पी० एस० 19. शेखपुर, खानपुर, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में घौर जो पूर्ण रूप से विजित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 29-9-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल गे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल गा पन्त्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप में क्षित नहीं किया प्रया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; भीट्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या लन-कर अधिनियम, 1957 (1954 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः :~~ श्री सरलावेन चतुरभाई पटेल की श्रीर सेकुल मुक्तयार:
 श्री दिनेश चन्द्र चंदुलाल शाह,
 गिरीश पटेल, एंड कंपनी,
 नेहरू पार्क, वस्त्रापुर, श्रहमदाबाद ।
 (श्रन्सरक)

2. श्री जी० एस० नायर **ग्रौर प्र**न्य 5, सुवर्ण नगर, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद।

(झन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्शन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस गुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विभी व्यक्ति स्वारत;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लि! यस में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भीष्-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या है।

वन्स्ची

फ्लेट नं० 4, जिसका कुल क्षेत्र फल, 113 वर्ग मार्ड है जो शेखपुर, खानपुर, झहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन, झहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्सा बिक्रीखर नं० 11653/ 29-9-81 में दिया गया है।

> म्रार० म्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-!, भ्रहमवाबाद

तारी**ख**: 22-4-1982

प्रकृष वार्ड. टी. एन. एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1,

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रप्रैल 1982 निवेश सं० पी० श्रार० नं० 1865/एक्वी/23-1/81-82----श्रतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000 रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 623, सब प्लोट नं० 8, टी० पी० एस० 3 है तथा जो कोचरब, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-9-81 को पूर्वों क्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधास्त्र (1) के अधीन हिम्मिसिसत व्यक्तियों, अर्थात् :--

 रसिकलाल नरेशचन्त्र शाह एलिसकीज, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नवीन चन्द्र कान्तीलाल शाह श्रीर श्रन्य गुलबार का टेकरा, एलिसद्गीज, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तिरती)

क्ये यह सूचना भारी करके पूर्वांक्त सम्मित्त को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

दक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसम प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

मकान जिसका कुल क्षेत्र फल 1307 वर्ग यार्ड है, जो कोचरल, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन, ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 15512/3-9-81 में दिया गया है।

श्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाध

सारीख: 22-4-82

प्रकृष चाई। टी० इन० एस०---

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज:1, श्चहमदाबाद, दिनांक 22 श्चर्पेल 1982 निदेश सं० पी०श्चार० नं०1866/एक्वी०/23-I/81-82—श्वतः मुझे, श्चार० श्चार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० सर्वे नं० 183 पैकी सब प्लाट नं० 6 ए०, टी० पी० एस० 26 है सथा जो वासना, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची सें श्रीर जो पूर्ण रूप से, वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है वि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है और अन्तर (प्रनर्कों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खहेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या भन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: ग्रब, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उकत ग्रीष्ठिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :- श्री तलसी भाई भलाभाई पटेल, गांव वासना, जिला महम्मदाबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री तुलसी एपार्टमेन्ट ग्रानर्स एसोसियेशन, प्रमुख: जयेन्द्र मनीलाल विपाठी, गांव वासना, जिला ग्रहमवाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मन्यक्तिके प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप: ---

- (क) इस सुचना के राजपत्न में प्रकामन की तारीख से 45 दिन की मविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में में किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमं प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रव्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, को उस श्रद्याय में दिया गया है।

मन्त्री

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 631.50 वर्ग यार्ड है जो वासना, अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन, अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 10684/3-9-1981 में दिया गया है ।

भ्रांर० भ्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजेंन रेंज-I, श्रहमदाबाट

तारी**च**: 22-4-1982

प्रक्य बाह् टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत बरकार

कार्यांस्य , सहायक वायक द आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रप्रैल, 1982

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 1867/एक्की / 23-1/81-82---म्रतः मुझे, म्रार० म्रार० माह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मके परवात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के बधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विस्का उपित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 150-1, 151-1, 151-2, 151-3 पैकी टी०पी० एस० 20 है तथा जो एफ० पी० 300-305 पी० कोचरब, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद झनु-सूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारं कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारं कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन दिनांक 10-9-81

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से काम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्यास्य करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसं द्रियमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में बाग्ति विक रूप में कथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तर्भ से हुइ किसी नाग की बाबत , उन्तर अधिकृत्य को अभीन कर दोने के क्रूरफ के दायित्व में कभी कर्ने वा उससे ब्यम में स्विभा के लिए; अडि/वा
- (क) ऐसी किसी आव वा किसी भून या बन्ध आस्तियाँ की, विश्वह भारतीय बाय-कर बाँधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बाँधिनियम, या धनकर बाँधिनियम, वा धनकर बाँधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्रावा की दिवस्त

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ वर्षातः—

 श्री जयन्तीलाल बल्लभजी हीराना,
 "हीरानी निवास", पोस्ट झाफिस के सामने, साबरमती, अहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीश्रीनाथ एपार्टमेन्ट एसोसियेशन : सकेटरी : किशोर शामशी पोटालिया, नवा वाडल, श्रहमदाबाद । प्रमुख: हंसमुख लाल, जयन्सीलाल शाह, वासना, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।।

उक्तु सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप्:--

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, स्वतिस्यों में से किसी स्वित् दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास स्मृतिक में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁵।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 563 वर्ग यार्ड है, जो कोचरब ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण नर्णन ग्रहमदाबाद, रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 11040/10-9-1981 में दिया गया है।

> श्रार०श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज,-! श्रहमदाबाद

तारीख: 22-4-1982

प्ररूप भाई • टी० एत • एस •----

श्रायकर प्रोप्तिमयम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-घ(1) ह स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

थर्जन रेंज-1, श्रहमवाबाद

म्रहमदाबाद, विनांक 22 म्रप्रैल, 1982

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विषयवात् 'जकत प्रधिनियम' कहा स्था है), की धारा 269-ख के भाषीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित कातार प्रथ 25,000/- ४० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 184---185, पैकी सब प्लाट नं० 22, टें१० पी० एस० 21, है तथा जो पालडंग. श्रांबाबाई.. श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजर्स्ट्राकर्ता श्रधिकार्रः के वार्यालय श्रहमदाबदा में रिजर्स्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 11-9-1981

को प्रशिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत श्रीतशत से श्रीक्षक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है।-

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम वे श्रष्टीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में क्सी करते पा उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) तेमी किसी पाय या किसी मन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर प्रतिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रपोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सविधा के लिए;

कत' प्रबं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्सरण कें में, शक्त प्रधिनिता की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के ग्रधीन, निम्नाविखित व्यक्तिकों अर्थात् :-- मुकेश भाई नर्वान घन्द्र पटेल, बंगला नं० 10, दूसरी लेन, पंचवटी, भांबापार्छा, श्रह्मदाबाद।

(धन्तरक)

 श्रीमती इन्दुमतीबेन, कृष्न प्रसाद परीख श्री कृष्णा प्रसाद ग्रीख्यलाल परीख, शैलेक्या, एपार्टमेन्ट, पलैट नं० 3, ग्रांबायाडी, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उपत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन भी प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रस्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उपत ग्रिक्षितियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लेट जिसका कुल क्षेत्र फल 121 वर्गमीटर है जो श्रांबापाडी, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं०11120/11-9-81 में दिया गया है।

> श्रार० श्रार० भाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

नारीख : 22-4-1982

प्ररूप प्राई० टी० एत॰ एस॰---

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भिधीन गुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 ग्रप्रैल 1982

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 1869/एन्का/23-I/81-82--ग्रतः मुझे, ग्रार० श्रार० शाह,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' छ्या गया है), की घारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 846 है, तथा जो बेजलपुर, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण का से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रितिक्ष के निए जन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि प्रथापुर्विका सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिशत से प्रक्षिक है और प्रन्तरक (प्रस्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाधत, सक्त पश्चिमियम के प्रश्चीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे दचने में मृविधा के लिए। श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मुभीन, निम्नुलिखित व्यक्तित्यों, सुधीत :--- श्री डायाजी भाईजी, गाँव बेजलपुर, जिला श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2 श्री मीनल रमेश भाई गांव शाहवाडी, जिला श्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

की यह सूर्वना जारी करके पूर्वीक्न सम्यक्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उत्तत सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की स्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी स्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी बन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसर्ने प्रयुक्त गर्थों और पर्दों का जो अवत अधिनियम के घड्याय-20क में परिभाषित है, वहीं घर्ष होगा को सस घड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 4एकड़ 31 गुंठा, है जो गांव बेजलपुर जिला श्रह्मदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रह्मदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विकीखन नं० 2287/सिनम्बर, 1981 में दिया गया है।

> भ्रार० श्रार० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन, रेंज-I ग्रहमदाबाद

मोहर =

तारी**ख**: 22-4-82

प्रकृष बाह् हो . एन . एक . --

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारवं बरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-ा, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 22 श्रप्रैल 1982

निर्देश सं० पी०आर० नं० 1870/एक्वी 23-I/81-82--अतः मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1866 है तथा जो खाई।या बोर्ड, 3, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद ग्रनुस्वी में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वाणन है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908) का 16) के ग्रीधीन 28-9-81

को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्ष्म के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्श के लिए एय पाया गया प्रतिकाल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व गें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी अम् या बन्य बाईस्तयों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा वा या किया वाना आहिए वा कियाने में स्तिया के हिंचपक्त

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियाँ स्थात्:—
14—116G1/82

- 1. (1) श्रीमती विमलाबेन, जयसिंह भाई
 - (2) नीतिन भाई भजुभाई, सांफडी शेरी, मानेक चौक, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती छायाबेन उत्तम राव दीष्त्रिबेन ग्रिश्विन कुमार, सोनीकी खडकी, मानेक चौक, ग्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हड़ां।

उनकु सुम्परिक् के नुर्धन के स्टब्स्थ में कोई भी नाकोपू:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तार्रींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, जो शीवर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से दिक्सी व्यक्ति हुनाशा
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित्यकूथ किसी कम्य स्थायत इवास व्याहरताकारी के पास लिखित में किए जा सकर्य।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुस्ची

मकान जिसका सर्वे नं० 1866, खाडीया वीर्व 3, ग्रह्मदाबाद, रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 10996/28-9-81 । ग्राप्त भार० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-4-1982

मोइए:

प्रकप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-I, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 22 ग्रप्रैल 1982 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1871/एक्वी/23-I/81-82---

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, किसदा उच्चित काकार सृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० गाह,

घौर जिसकी सं. एफ० पी० नं० 323, सब प्लाट मं० 2, हिसा नं० सी० एंड बी० है तथा जो दरियापुर काजीपुर, महमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूर्वी में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यासय महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 29-9-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, प्रक्रम अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्थिधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-केर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त किसिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं ,उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्री रजीत भाई, सुभाष भाई,
 - (2) सुबीत भाई, सुबोधभाई शाहीबाग, पुलिस स्टेणन के सामने, ग्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरक)

 रतन एपार्टमेन्ट, द्वारा सुबोधभाई मंगलदास, शाहीबाग, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मे दरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनु सूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 690 वर्ग मीटर है मकान का क्षेत्रफल 286 वर्ग मीटर है जो दरियापुर काजापुर श्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका वर्णन श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ती बिकीखत नं 10876 श्रीर 10879/25-9-81 में दिया गया है।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैंन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 22-4-1982

प्ररूप आर्ष: दी. एन. एस.-----

शासकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ध्रहमदाबाद, विनांक 22 श्रप्रैल 1982 निदेश सं० पी० ग्रार०नं० 1872/एक्वी/23-I/81-82---श्रत: मुझे, ग्रार० ग्रार० णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण, है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० न० 101, सब प्लाट नं० 1, पैकी 2 श्रीर पैकी 3 है तथा जो शेखपुर खानपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 10-9-81

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्मान प्रतिपत्त के लिए अंतरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण् से हुई किसी आय की बाबत, उचल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा सुविधा के लिए;
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्प्रिया के सिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन निक्रासिकार व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जगदीश मानेकलाल चौहान, 14-सी, सरदार कुंज् सोसायटी, बहार सन्टर के नजदीक, शाहपुर, श्रह्मदाबाद।

(मन्तरक)

 सौराष्ट्र इम्पोरियम की श्रोप से भागीदार: धनसुखलाल हप्जीवन भाई वाबेला श्रीर श्रन्य हर्रासग चेम्बर्स, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हार्ता हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरो के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

दुकान जिसका कुल क्षेत्रफल 307 वर्ग फीट है, जो गेखपुर-खानपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 11031/ 10-9-8 में दिया गया है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 22-4-1982

मोहरः

प्ररूप आहुँ, टी. एन. एस. ------

गायक र गिभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अभिन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० प्रार० नं० 1873/23-I/81-82--- प्रतः मुझे, प्रार० ग्रार० शाह,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,090/- ४० से अधिक है

स्रीप जिसकी सं मर्वे नं 448-2-1/1448-2-2- पैकी है तथा जो गांव बोडकदेव, जिला स्रहमदाबाद में स्थित है (स्रीप इससे उपायद अनुसूची में स्रीप पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता स्रधिकारी के कार्यालय स्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 14-9-1981

को पृत्रेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का मम्निलिखित उद्देष्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरंग से हुइ किसी नाय की वाबत, उनत अधि-नियम के सभीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्याने में सुविका के लिए: सीर/या
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय कर सिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो- जनार्थ जन्मितियों व्यादा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के किए;

जतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, नर्थात्: —

- श्रोमती कंकुबेन गोविन्दभाई सोमाभाई गांत्र बोडकदेव, जिला, ग्रहमदाबाद।
- (प्रन्तरक)
- 2. श्री सागरभाई कल्यान भाई रायका, सी-1, वसुन्धरा एपार्टमेन्ट, नवरंगपुरा, मार्केट के सामने अहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राजॉन के लिए कार्य<mark>ेवाहि</mark>यों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भाकोप :---

- (क) इस मूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स अवन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्वीहरूताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2400+2339+2400 वर्ग गार्ड है जो गांव बोडकदेव जिला म्रहमदाबाद में स्थित है तथा म्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ना बिकीखत नं० 11141/11142 11146/14-9-1981

> ग्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद

तारीख: 22-4-1982

प्रकष आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा २६९-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I,

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रप्रैल, 1982

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 1874/23-I/81-82--- श्रतः मृझे ग्रार० श्रार० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 376-6, 376-7, श्रीर 376-3 है तथा जो सैजपुर बोघा, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण

श्रिष्ठितियम, (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-9-81 को पूर्विकत सम्परित के उचित वाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल, निम्नलिकत उक्वेष्य से उक्त बन्तरण लिकित में बास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अक्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :── श्रीमती विद्यागौरी, प्रहलावभाई मोदी, कुबेर निवास, रामखंड, श्रहमदावास।

(मन्तरक)

 श्रीनगर, सैजपुर को० हा० सोसायटी, द्वारा/मनोजकुमार ही रालाल पटेल, 6-ए, प्रतीकुंज, सोसायटी, धांबावाडी, भदरापुरा, रोड, ग्रह्मदाबाद।

को यह सूचना जारी करके पृवािक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमीं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्र फल 29 गुंठा पैकी 1/2, 29 गुंठा पैकी 1/2, 0.15 गुंठा एंड 0.12 गुंठा है, जो सैजपुर बोघा महमदाबाद में स्थित है तथा जिसका वर्णन महमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 11257, 11258, 11205, 11266, 11254, 11255, 11259/16-9-81।

न्नार० न्नार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज I, भ्रहमदाबाद

तारीख: 22-4-1982

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किएवास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- को से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 412, श्रौर 421, टी० पी० एस० 10, एफ० पी० 46 है, तथा जो सब प्लाट नं० 4-वीं, रखीयाल, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याजय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-9-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाक्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय मा किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, क्रिपाने में सुविभा के लिए:

जत: अब, उचत जिभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उचत अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन निम्मीलीबत व्यंक्तियों अधीत:—— मंछाराम धुलाभाई दत्तानीया गांव रखीयाल, जिला भ्रहमदाबाद।

(श्रन्तरक)

 प्रवीप इन्डस्ट्रीज, सोले प्रोप्राइटर : मनसुखभाई सी० पंचाल, 73, नेहरूपार्क, सोसायटी, गोमतीपुर, श्रहमदाबास-22

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पाक्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्र फल 1100 वर्ग यार्ड हैं जी रखीयाल टी०पी० एस० 10, ग्रहमदाबाद में स्थित है सथा ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ती बिक्रीखत नं० 8464/24-9-81/

> स्रार० ग्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक गामकर गायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, श्रष्टमदाबाद

ता**रीख**ः 22-4-1982

प्रकृप बाहै. टी. एन. एस.------

· आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सुरुकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेजा,

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० म्राप्त नंत 1876/23-1/81-82--- म्रतः मुझे मार० मार० शाह

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से बिधक हैं

श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 6, शिट नं० 229, सनद नं० 2146, में 52 है नथा जो श्रांबावाडी, रोड, की लोल बाल मंदिर के सामने. स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर जी पूर्ण रूप में विणिए हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-9-1981

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तर्विक रूप से कृथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अफ्तरक के बायित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
 और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आभित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्रीमती प्रभावती बालवंतराय जार्ना
 - (2) श्री जगदीण चन्द्र, बलबंतराय जानी, सुभाष नगर, खोडीयार, मंदिर के नजवीक, भावनगर ।
 - (3) श्री किशोर चन्द, बलवंत राय जानी भरत नगर, बेमालिया, ब्लाक नं० 766. भावनगर ।

(ग्रन्तरक)

 श्राह भूपेन्द्र वृजनाल भीर अन्य प्लाट नं० 945, हीरा भुवन डीन के सामने, भावनगर ।

(भ्रन्नरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि सा तल्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्होकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का प्लाट नं० 1195 जो किलील बाल मंघिर के सामते, ऋांबावाडी रोड, भावनगर में स्थित, है तथा भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 2308/16-9-81

> ग्नार० ग्राए० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्ना**ुक्त (नि**रीक्ष**ण) श्रर्जन रेज I, ग्रहमदाबाद

नारीख 22-4-1982 मोहर:

प्ररूप धाई•ठी•एन•एस•---

न्नायकर विधितियन; 1981 (1981 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रवीत सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेंज I,

महमदाबाद, दिनांक 23 मप्रैल, 1982

निदेश सं० पी० म्नार० नं० 1877/23-1/81-82--- मूर्स झार० मार० माह

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्के भश्कात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 249 के अधीन सक्षम प्रक्षिकारी की वह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं सर्वे नं 402 प्लाट नं 15 पैकी है तथा जो उमाकान्त पंडित, उद्योग नगर, गोंडाल रोड, मण्डवो फ्लाट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रमुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-8-1981

को पूर्वोश्त सम्पत्ति के छिन्त बाबार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे बड़ विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत है, ऐसे पृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसं छन्तरण के लिए तय पाया बना प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक कप से कथित किया नहीं नया है। ॥ > >

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावतः जनत अधिनियम के अधीन भर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या चससे वचने में सुविधा के निषः और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अत्र, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, सकत मिधिनियम की धारा 269-व की उपमारा (1) के अ्थीन, निम्निलिखिल व्युक्तियों, अ्थित्:-- श्रीमती चंद्रिकाबेन, त्रिभुवन दास, कलाबाद रोड, राजकोट।

(श्रन्तरक)

 मैसर्स लिबरल इंजी नियप्ति वर्कस, पराबाजार, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **सर्जे**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ।--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीख ते 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्बद्धि में हितवड किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त मिश्चित्यम' के मध्याय 20-क में परिचाषित हैं, बही अर्ण होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्र फल 760 वर्ग यार्ड है, जो उमकान्त पंडित उद्योगनगर राजकोट में स्थित है तथा जिसका वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 6386/10-9-81 दिया गया है।

> श्चार० श्चार० श⊺ह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्चर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

तारीख 23-4-1982 **मोहर**: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज-1,

श्रष्टमवाबाद, दिनांक 23 श्रप्रैल 1982

निदेश सं० पो०म्राप्य नं० 1878/23-I/81-82---म्रतः मुझे, म्राप्य म्राप्य भाह

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 402, प्लाट नं० 15, पैकी है सथा जो उमाकान्त पंडित, उद्योग नगर, गोडल रोड, मांडली प्लाट, में स्थित है (ग्रौर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 6-8-1981

को प्वींक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अम्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--15---116 GI/82

 चंद्रीकाबेन विभुवन दास कलावड रोड, राजकोट।

(मन्तरक)

 श्रीमती दयाबेन मनहरलाल परा बाजार, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृद्धों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ !]

अमुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 480 वर्ग यार्ड है जो उमाकान्त पंडित उद्योगनगर, राजकोट में स्थित है तथा जिसका वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं2 6384/10-9-81 में दिया गया है।

> ग्रार० ग्रार० गाह, सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजा, ग्रहमदाबाद

नारीख, 23-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज I,

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1982

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मझन प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/रुएए में अधिक है

ग्राँप जिपका सं० 101/2, 101/3, 101/4, (पी), 132/2, 132/3, 132/4, 132/5, 132/6, 132/7, 132/3, 132/9, है तथा जो इंग्रं में स्थिन है (ग्रींप इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रींप जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय पार्टी में रिजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोश्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिश्वल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य अपने दृश्यमान प्रतिश्वल के एसे दृश्यमान प्रतिश्वल का पन्तर प्रतिशा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिश्वल निम्नलिखित चहेष्य से अक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से क्वित नहीं किया गया है ---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त ग्राधितयम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे यजने में सुविधा के लिए और/या।
- (भ) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य झास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

श्रतः लग, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, लर्भात् :--- 1. श्री बगाना लाल भागजी भाई वापी, तहु० पारडी ।

(भ्रन्तरक)

 मोहम्मद नाहर बाबामिया, बियकुल्ला, बाम्बे ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ० 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीब क्षा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भाग्य व्यक्ति द्वारा, भिधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्नों का, जो उप्त ग्रिश्चित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस शब्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मिलिकियत जो० एस० नं० 101/2, 101/3, 101/4, 132/2, 132/3, 132/4, 132/5, 132/6/7, 132/8, 132/9, इंग्री सितम्बर, 1981 में राजस्ट्री की गयी है ।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज 1, श्रहमदाबाद

तारीख 24-4-1982 मोहर: प्ररूप जाइ. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 ग्रप्रैल 1982 निदेश सं० पी० ग्राप्त्र नं० 1606/एस्की/23- /82-83---श्रत: मुझे ग्राप्त्र ग्राप्त्र गाह

भायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी नं 87/2, 91/4, 93, 94, 96, 96/1, 73/1, 96/2/वी है, तथा जो छोरी तह पारडी में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबड श्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है) रिजिस्ट्री-कर्ता श्रीविकारी के कार्यालय पारडी में रिजिस्ट्रीकरण श्रीविनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से एसे द्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरित (अंतरितों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तुरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व मी कमी करने या उससे शृचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय झायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियाँ सुर्थातः— मिस्टर महमद हाजी सुलेमान और ग्रालीहुसलिन हाजी सुलेमान गांव चीरी, तह० पारडी, जिला बलसार।

(अन्तरक)

 रामा पल्प पेपर प्राइवेट लिमिटेड, 812, शहजा चेम्पर्स, नारीमन पोईन्ट, बाम्बे-400021

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स्त अधिनियम, के अधोग 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

मिलिकियत जो गांव छीरी, एस० नं० 87/2, 91/पी, 93, 94, 95, 96/1, 73/1, 96/2/बी, सितम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

ग्रार० ग्रार० शाह, सक्षम प्राधाकादो, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाब ।द

नारीख 24-4-1982 मोहर :

प्ररूप नाइं.टी.एन्.एस्..-----

नायुक्त अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सुचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, II श्रह्मवासाद, विनांक 24 ध्रप्रैल, 1982 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1607/एक्वी/23-^{II}/82-83----श्रत: मुझे ग्रार० ग्रार० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 31/2, 31/6 जमीन है तथा जो बारदोलं में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण स्प से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बारदोलीं में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1981

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिचत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और्थाया
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग की अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिकत व्यक्तियों, अर्थान् :---

 श्री यूसुफ इब्राहीम कारीया, ब्रब्दुल हाथी ईब्राहीम कारोया,

(अन्तरम)

ग्रकसानगर, एसोसियेटर्स,
 बोरबाड, बारदोली ।

(ग्रन्तिर्ताः)

को यह सूचना आर्टी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति को अर्थन को संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संयक्ति में हित-बद्ध किसी कृत्य व्यक्ति च्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्मव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

मिलिकियत जो एस० नं० 31/2, 31/6, बारदोली सितम्बर, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है ।

श्रार० श्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

রা**বেরে 2**4-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जंद रेंज II,

म्रहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल, 1982 निदेश सं० पी० मार० नं० 1680/एक्बी/23- $I^{I}/82$ -83---

श्रतः मुझे श्रार० श्रार० शाह

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 122, काबोबी जमीन है तथा जो कामरेज में स्थित है (श्रीर इसम उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी कार्यालय कामरेज में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- रामाभाई हामाभाई पटेल, काडाद्रा, त० पालसाना ।

(अन्तरक)

- मैसर्स महेन्द्रा जेबरीं, व एसोसियेटर्स का भागादारीं, ग्राटव लाइन्स, सुरत ।
 - (1) महेन्द्रा छगनभाई सबेरी,
 - (2) साकरचन्द, छगनभाई सरकार। कुस कुंज, 212, बालकेम्बर रोड, बाम्बे।
 - (3) नवीनचन्द्रा, छगनभाई सरकार। कृष्ण कुंज, 212, बालैम्बर रोड, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त एक्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह²।

अनुसूची

मिलिकतय जो कावादा, ब्लाक नं० 122, सितम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> श्रारं०ग्रारं० माह सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज , **शह**मदाबाद

तारीख 24-4-1982

प्ररूप आई.टी.एत.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ,

श्रह्मदाबाद, दिनांक 26 स्र्प्रैल, 1982 निदेश सं० पी० श्रारु ं० 1609/एक्वा/23-<math>H/82-83—

श्रतः मुझे आर० आर० शाह सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं एफि पा नं 77, टें पि एस 4, तथा जो श्रान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रेनुसूचो में श्रीर जो पूर्ण क्य स विणित है) रिजिस्ट्रांकर्ता श्रधकारी के कार्यालय श्रानद में रिजिस्ट्रांकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 1-9-1981

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उम्ब अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सूर्विधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :---

- 1. (1) पटेल अशोकभाई मगनभाई बीन लक्ष्मीदास ।
 - (2) पटेल गांन्ता बेन, मगनभाई बीन लक्ष्मीदास, दोनों सपनारणी सोसायटी में रहते हो। अमल डयरी रोड, श्रानन्द।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जे० के० इन्वेस्टमेन्ट कम्पती, के द्वारा जान सन्स हौम, सुभाष रोड, श्रानन्द ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

खुला जमीन जो टी०पी० एस० 4, एफ०पी० नं० 77, ग्रानद ग्रीर जो बिकीखत नं० 2369 ग्रीर 2370 पर सब राजिस्ट्रार, ग्रानद के कार्यालय में 1-9-1981 में सम्पूर्ण विणित में राजिस्ट्री की गया है।

> ग्रार० ग्रार० णाहै सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रंज II, ग्रहमदाबद

नारीख 26-4-1982 मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आगुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 श्रप्रैल 1982

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 1610/एक्की/23-II/82-83----म्रतः मुझे, म्रार० म्रार० माह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 78, टी० पी० एस० 3, है तथा जो श्रानद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रानद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक 23-9-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृइ है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्व श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकः के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

आतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्——

- (1) छावड़ा णंकरभाई षाणाभाई
 - (2) चाँवडा, हारमान भाई षाणा भाई पुष्पकुल्ज सोसायिटी के पीछे, ग्रानद ।

(अन्तरक)

 कुंबेरबेन नथाभाई प्रजापित, चन्द्रालोक के पीछे, भालेण रोड, ग्रानद।

(बन्तरिती)

को य**ह सूचना** जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी. के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त ग्राधिक नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

खुला जमीन जो सब प्लाट नं० 1, श्रीर 2, फ्लैंट प्लाटनं० 78, टी० पी० एस० 2, स्नानद में बिणिस है बिक्सीखत नं० 2538 पर सम्पूर्ण विणित में झानद सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 23-9-1981 में रिजर्स्ट्रा की गयी है।

> श्रार० श्रार० णाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 26-4-1982

प्रकप भाई० टी॰ एन॰ एस०ल--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/2/एसे० ऋार०-2/9-81/ 5545—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम पालम, नई दिली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में; भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर 1986 को यूवोंबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकत के तिए भन्तरित की गई है भीर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) **के बीच** ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रश्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।⊸∽

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुखिधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-म के धनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के ब्रधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री सरदार सिंह सुपुद्ध श्री गोकल, सुखबीर सिंह सुपुद्ध श्री धनि राम, निवासी ग्राम-पो० पालम. नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2ू श्री राधा भृषान सुपुत्र श्री उमा शंकर निवासी ग्राम-प्रो० पालम, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>भर्जन</mark> के **लिए कार्यवा**हियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा गर्केंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि को तादादी 16, 1/2 विषये, क्षेत्र 825 वर्गगज; ग्राम-पालम, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

नारीख: 18-5-1982.

मोह्य 🛭

प्ररूप भार्<u>. टी. एन्. एस् --==</u>--

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सहकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1982

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2 9-81/5546—आतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीरिजिसकी सं० भूमि भाग, है तथा जो ग्राम पालम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली; भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक सितम्बर 1981

को पृथोंकत सम्मित्ति के उचित् बाजार मूल्य से कर के स्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि मभापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल प्रत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (फ) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिया के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किमी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री सरदार मिह सुपुत्त श्री गोकल, सुखबीर मिह सुपुत्र श्री घीधराम, नित्रासी—-ग्राम ग्रीर पो० पालम, नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

2. श्री जय चन्द, सुपुत्र श्री गनपत, निवासी----ग्राभ भौर पो० साहिबाबाद, मोहसदपुर, दिल्ली। (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुखी

भूमि तादादी 16-1/2 विष्ये, (क्षेत्रफल---825 वर्गगण) ग्राम-पालम, नई दिल्ली।

> नर्गन्द्र सिंह सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्राप्तेन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**स**ः 18-5-1982

ग्राहर 🕝

प्रकप आई . टी . एन . ऐस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजैन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 25 मई 1982

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/9-81/5625—श्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह ग्रास्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सप्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

तारीख सितम्बर 1981 का पूर्वोवत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफ्ते वह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंत्रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उददंश्य म उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मिविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिखिन व्यक्तिनयों, अर्थात :--- 1. श्री भरम पाल सुपुत्र श्री बिष्णु दस, निवासी ग्राम श्रीर पोव छपरौला, जिला—गाजियाबाद, श्रीमती सतबती पत्नी सुरीन्द्र सूरी, श्रीमती राजवती पत्नी श्री विरेन्दर सुरी, निवामी—1619/11- नशीन महदर। हिल्ली।

(अस्त्रायक)

2. श्रीमती विद्यावती पन्नी श्री छाजू राम, निवासी— ग्राम श्रीर पो० बुरारी, दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड्डभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि 19 थिखे, खमरा नं० 268 (न्यु), 875 (प्राना), स्थापिन---ग्राम---बुरारी, दिल्ली।

ारेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्थत (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीखा : 18-5-82

माहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन मुचना

मारत सरकार

निरीक्षी सहायक आर्कर आयुक्त, श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 24 मई 1982

निर्वेश सं० घाई० ए० सी० (ग्रर्जन) 2604—-श्रतः मझे देवित्रिय पन्त,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त प्रश्विनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रु∘ मे प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है, तथा जो अमर टाकीज सागर से लगा हुआ है में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रुजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 23-9 सिनम्बर 1081

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का काशरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्छह प्रतिभाग से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित में अन्तरण है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त ब्रिध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के मिए; और/या
- (ख) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में ,मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. (1) श्री राम मुरारी पुत्र लक्ष्मी प्रसाद।
 - (2) श्री मदन मुरारी पुत्र लक्ष्मी प्रसाद।
 - (3) श्री कुंज विहारी पुत्र लक्ष्मी प्रसाद श्रीमती रामवती विधवा श्री लक्ष्मी प्रसाद सभी निवासी सागर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री शंकर लाल पुत्र श्री कुन्दन लाल खटीक
 - (2) श्री राम प्रसाद पुत्र गनेश प्रसाद।
 - (3) श्री सत्तार पुत्र भराती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भाषोप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अमित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपनितयों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे ।

स्पर्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, औ उन्त अधि-निवम के बन्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका नाप 8005 स्क्वेग्रर फीट है तथा जो ग्रमर टाकीज से लगा हुम्रा है। तथा कटरा वार्ड सागर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रागकार सायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोषाल

नारीख ' 24-5-1982 मॉह्र :

प्रकप बाद्दे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

का**र्याल**य सहायक प्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद **हैद**राबाद,दिनांक 29 श्रप्रैल 1982

निर्देश सं० ग्रारं० ए० सी० नं० 20/82-83--यत: मुझे एसे० गोनिन्द राजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी यं 1-5-67, है, जो मूसीराबाद हैदराबाद म स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चीकडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रांकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर 1981

का प्रशंकित संपित्त के उचित दाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपान में स्विभा के लिए;

अह. अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुगरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन मिम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्---

- (1) सयच श्रब्दुल नहम पिता लेट ययद श्रब्दुल हाफीज 38 मूर हाऊज डा इ स्कार बोफ, टोरेटो, श्रोटारिया केनाडा।
 - (2) सयद कादर नवाज पिता समय अब्दुल हाफीज, हुट्टीन कामन रोड, सुलटोन, मुरे, इंगलैंड।
 - (3) सयद धोसमोहोऊद्दीन श्रालीयासं फर्ह्।म पिता सयद श्राब्दुल हाफीज, 1-1-300/2 श्राशीक नगर, हैदराबाद।
 - (4) यार खाश मोहीऊ द्दान 1980 अपार्टमेंट नं० 402, फाऊलर डाइव्ह मीसाबेज ग्रोटारीग्रो, कनाडा।
 - (5) श्रो मोहमवी मुलताना श्रलीयाम सूल तान सरकार पति लेट को० एम० एम०: सरकार 8 डेक्स बरी लेन कुलाबा, बम्बई ।
 - (6) श्रीमती श्रहमदी माइना पत्नी बी० एस0 शेख 10-5-3/1/3 मासाब टैंक, हैदराबाद। जी० पी० ए० फार 1, 2, 4 और '5 श्री गयद घोण मोहीऊद्दीन श्रालीयास फहीन, 1-1-300/2, श्रणोक नगर, हैदराबाद। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती ग्रामराबंगम पिता लंट मीर ग्रहमद श्राली 23 1 644 / 1, मोधल पूरा, हैदराबाद (1 5 67 मुशीराबाद, हैदराबाद)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्ते स्थातर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में एरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत नं θ 1-5-67, मुणीराबाद, है्दराबाद क्विस्तीर्ण 10 41 चौ० गज रजीस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 815/8,1 रजिस्ट्री- कर्ता प्रधिकारी चीकडपल्ली।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

वारीख: 29'-4-1**98**2

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस॰----

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

निरीक्षण सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 29 भ्रप्रैल 1982

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 21/82-83—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंसके परचात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से प्रधिक है

ष्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम श्रसलत पुरखाबर, में स्थित है (श्रोर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के पृत्यमान प्रति-फल के भिये अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रांचक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरित के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरिण लिखित में वास्तिक क्यारी कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, छक्त अधिनियम के सधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; ग्रोर/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्रन-कर अकिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जीना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री टी० राहूराज सांग पुत्र डी० लक्षमन सिंग घर नं० 2-1-602, विद्यानगर, हैवराबाद।

(अन्तरक)

- (1) श्री मोहोंमद भ्रब्दुल श्राजीज पुत्र लेट मोहमद भ्रब्दुल हाफीज।
 - (2) श्रीमती रफीया सुलताना पत्नी मोहोंमद ग्रब्दुल ग्राजीज 5-1-485 से 487, जाम-बाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यहसूचना गारीकरकेपूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप 1 --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य क्यकिन द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्तों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होता, जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

थर नं० 5-1-485, 486, 487, पुतली बावली, जामबाग हैदराबाद विस्तीर्ण 238 भी० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5240/81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 29-4-1982

मांहर:

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निर्देश सं० द्यार०ए० सी० नं० 22/82-83—यनः मुझे एस० गोविन्द राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

भागकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 3-6-364 है, जो बणीरबाग हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपायड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विधार है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनिधम की धारा 260 ग के अनुसरण में, में, उक्त मिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्म ऊवानी इंजीनियरींग कं० (हैंदराबाद) प्रा० लि० बाई श्री पी० जे० ऊदानी एम० डी० हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती एल० अम्हरंभा पती एल कृष्णा मुर्ती, - 6-6-85, अरूनदलपेट, गृंट्र।

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी ग्रन्थ व्यक्ति हारा, ग्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन एम० सो० एव० नं० 3-6-364 , लिबर्टी सिनेमा के पीछे वशीरवाग, हैवराबाद विस्तीर्ण 280 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5266/81 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी हैदराबाद।

एम० गोविन्द राजन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुपैन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 30-4-1982

प्रकव धाई॰ टी॰ एव॰ एड॰---भागकर प्रक्रिक्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

मार्गालय, महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

प्रजीन गेज, हैदराधाद

हैदरावाद, दिनांक 30 श्रप्रैल 1982

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 23/1982-83---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मूल्य 25,000/- खपये से अधिक है **ग्रौर** जिसकी सं० 3-6-364 है, जो बसीरबाग, हैदराबाद मे स्थित है (ग्रौर इससे उणाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौंर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सितम्बर 1982 को पृथींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित तहीं किया गया है:---

- (स) अम्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे अचमे में सुविधा क लिए: और/या
- (खा) ऐसी किसी अग्य या किमी घन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त श्रिविनियम, या धन-कर **प्रधिनियम,** 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भायाकियाजानाचाहिए था, छिपानं में सर्विभा के निए;

ग्रतः अ**ब, रक्त अधि**नियम की धारा 285-ग के अनुसरण में, मैं, उन्तर पश्चितियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों. अर्थात :----

- 1. मैसर्स ऊदानी इंजीनीयरिंग कं हैवराबाद प्राo लिए बाई श्री पी० जे० ऊदानी एम० डी० हैदराबाव। (अन्तरक)
- 2. श्री वे ि शियराज के पिता के ० रामस्वामी, घर नं ० 23-1-193, कोटमा मालीजा, हैधराबाद।

(अन्तरिग्ती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के धार्वन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राचिप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की प्रदक्षिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अयक्तियों में से किसी अयक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकारी के पास लिखित म किए घा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणाणित है, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन एम सी० एच० नं० 3-6-364, लिबर्दी सिनेमा के पीछे, बंशीर बाग हैदराबाद। विस्तीर्ण 250 चौ० गज० रजिस्ट्रीइन्त बिलेख नं० 5267/81 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी, हैदराबाद।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी - सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, हैक्षराधाव

तारीख: 30-4-1982

प्ररूप नाई. टी. एन., एस.: ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराधाद, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 24/1982-83—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० 3-6-364 है, जो लिबर्टी के पीछे हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसमे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विज्ञित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रभिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सधीन तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से क्षिश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

नत: जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अभीन निम्नतिसित व्यक्तियों अर्थात्:-- मैंसर्स उदानी इंजीनियारिंग कं० हैदराबाद प्रा० लि० बाह श्री पी० जे० ऊदानी एम० डी० हैदराबाद।

(अन्तरक)

(1) श्री जी० जे० सत्यनारायणा पिता जे० वॅकटाद्री
 (2) श्रीमती डी० राजमनी क्या डी० बी०
 मानीक्यम, 23-1-80./1, काक्यमला
 तालाब, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोह स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्थव्यकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन एम० सी० एच० नं० 3-6-364, लिबर्टी सिनेमा के पीछे बशीर बाग, हैदरबाद विस्तीण 383 चौ० गज। रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 5265/81 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैसराबास।

्म० गोविन्ध राजः। सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

थायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व(1) के ग्रीमन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज , हैवराबाद

हैक्राबाद, दिनांक 30 श्रप्रैल 1982

निर्देश सं० श्रार० ए० सं१० नं० 25/82-83--यतः मुझे गोबिंद राजन का प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सञ्चम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारं मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो णमणाबाद गांव में स्थित है (श्रीर इसमें उपावत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय रेंगारेड्डी जिला में भारतीय र्रांशस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर प्रम्तरक (प्रम्तरकों) ग्रीर ग्रम्तरिती (ग्रम्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रम्तरण लिखित में बाह्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (त) अन्तरक से हुई किसो आय की बाबत, उक्त प्रक्षि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में श्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, अंर/या;
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अण्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत:, अब, उक्त अधिनियम, अशी धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घंकी उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
17 116GH/82

- (1) श्रीमती कामीनी बाई पत्ना लेट कीशनदास गांधी।
 - (2) श्री हरभगवान दास के० गांधी पुत्र लेट कीशनदास गांधी।
 - (3) श्री गोविन्दराम के० गांधी पुत्र लेट कीणने दा गांधी।
 - (4) श्री टीकमचद के० गांधी पृत्र लेट कीणनदास गांधी।
 - (5) श्री दीनेशकुमार के० गांधी।
 - (6) श्री प्रकाश चन्दके० गांधी।
 - (7) श्री रमेश के० गांधी। सभी किशन दास गांधी के पुत्र हैं। 47 दाढाभाई रोड़ बम्बई-56 जी० पी० ए० श्री बसीलाल के० गांधी
 - (8) श्री बशोलाल के० गांधा पुत्र किशनदास गांधाः, शमणाबाद गांव रगारेड्डां जिला।

(अन्तरक)

 श्रामतो सत्मा गांधो पत्ना बन्सीलाल के० गांधा, श्रमशाबाद गांच, तालुका पश्चम रगत्रेष्ट्री जिला (ग्रां० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए कार्यवाहियां करता हूं**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 अवधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितब के किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षित निवम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

कृषि भूमि 3 एकड़, 8 गुंढे, सर्वे न० 40 से श्रौर 5 एकड़ 3 गुंठे सर्वे न० 42 (कृष 8 एकर 10 गुंठे) शमशाबाद गांव जिला पश्चोम रगारेड्डो । रजस्ट्रोक्टल विलेख न० 5556/81 रजिस्ट्रोकर्ती श्रधिकारी रगारेड्डो जिला।

> गुस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रुजन रोज, हैदर:दास

नारोख: 3**0-4-1982**

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भारकार नामृक्त (विर्वाजना)

सर्जन रेज, हैदरावास

हैदराबाद, दिनौंदा 30 अप्रैल 1982

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० ,26/82-83---यत:
मुझे एस० गोविन्द राजन
आयकर मित्रियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के
अधान सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका छनित नातार मूल्य 25,000/- ४०
से अधिक है

श्रीर जिसको सं० कृषि भूमि है, तो शमशाबाद गांव में स्थित है (श्रीर इसमें उपावह श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ते विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारों के कार्यालय रगारेड्डो जिला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीय, तरीख सितम्बर 1982

को पूर्वीक्त प्रस्पत्ति के तिष्यत बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के निए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का करण है कि यथापूर्वीकत सम्मति हा उत्तित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत में ऐसे दृश्यमार प्रतिकत का पर्वह प्रतिशत ग्राप्तिक है और प्रस्तरक (अस्वरकों) और जन्तरितीं (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकत, निम्निश्चित स्थान के लिए तिबित में याम्निविक अप ते तिम्निश्चित स्थान के लिए तिबित में याम्निवक अप ते तिमति नहीं किया गया है। --

- (क) अन्तरण तहुई।केश अध्यक्ता बाबत, तक्ता **अधि**नियम क अधीत कर देमें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के **लिए; और/**या
 - (अ) ऐपी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय धायकर अधिनिया, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर श्रश्विनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रमोजनार्थ अस्तरिती द्वारा धकट नहीं किया थया या किया जाना चाहिए का छिपाने में भृषिधा के लिए;

श्रत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त अधिकिय- की धारा 269-थ की जनसारा (1) के अधीम, निम्नलिसित अथिक्तयों श्रशीत :---

- 1. (1) श्रीमती रकूमनी बाई पत्नी लेट कीशनदास गोधी
 - (2) हरभगवाम दास के ० गांधी पुत्र लेट कीणनदास गांधी।
 - (4) श्री टीकमचद के० गांधी पुत्र लेट कीणन दास गांधी।
 - (5) श्री दी शकुमार के० गांधी।
 - (6) श्री प्रकाश घन्द के० गांधी।
 - (7) श्री रमेश चन्द गांधी। सर्भ। किशनदास गांधी के पुल्ल हैं। 47 दादाभाई रोड़ बस्बई 56 जी०पी०ए०श्री बंसीलाल के० गांधी।
 - (8) बसीलाल क्षे० गांधी पुत्र कीशनदास गांधी, शमशाबाद गांव, रगारेड्डी जिला।

(ग्रस्तरक)

2. श्रीमती सीमा गांधी पत्नी बन्सीलाल के० गांधी: शमणाबैद्ध गांव, तालुका पण्चीम रंगारेड्डी जिला (श्रां० प्र०)

(ब्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्वॉक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

लक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना है राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस की अवधि या द्वारसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तादीस से 45 दिन के भीतर छक्त स्थायर सम्यक्ति में दिलसद किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्ववदीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिभावित है, बही धर्व होना, को उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

कृषि भीमि ८ एकर 37 गुढे सर्वे न० 41 श्रगुर के वाग के साथ, शमणाबाद गांव तालुका पण्चीम रगारेड्डी जिला। राजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5905/81 राजिस्ट्रीकर्ता श्रीधन्तारी रगारेड्डो जिला।

> एस० गोबिन्द राजन सक्षम ग्रीधकारो सहायक श्रासकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रुजन रेंज, हैदराबाद

नारोख: 30-4-1982

मोहरः

प्ररूप आई: टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायोल्य, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1982

निर्देश स० श्रार० ए० सो० न० 27/82-83---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो शमशाबाद गांव में स्थित है (स्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1981

की प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखत में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससेबचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए:

भीत कर सकत नाशिविक को भाग 260 म के अनुसरण में कु मैं, उक्त निधिनियम की धारा 269 न की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्रीमती रकुमीनी नई पत्नी लेट की शनदास गांधी।
 - (2) श्री हरभगवान दास के० गांधी पुत्र लेट र्क शनदास गांधी।
 - (3) श्री गोविन्द राम के० गांधी पुत्न लेट श्रं कीशनदग्स गांधी।
 - (4) श्री टोक्मचढ के० गांधी पुत्र लेट श्री कीशन दास गांधी।
 - (5) श्रो दीनेशकुमार के० गांधा।
 - (6) श्रा प्रकाशचन्द के० गांधी।
 - (7) श्रां रमेशचंद के० गांधी सभी किशनदात गांधा के पुत्र है 47, दादाभाई रोड़ बम्बई 56 जो० पो० ए०, श्रो बसीलाल के० गांधा।
 - (8) श्री बसीलाल के० गांधी कीशनदास गांधी, शमशाबाद गांव, रंगारेड्डी जिला। (अन्तरक)
- श्रोमती सीमा गांधी पत्नी बन्सीलाल के० गांधी शमशाबाद गांव, तालुका पश्चीम रंगारेंड्डी जिला। (श्रां० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

कृषिभूमि 1 एकड़ 26 गुंठे सर्वे न० 39 से श्रौर 26 गुंठे वें नं० 39, 11 ,एकड़ 11 गुंठे सर्वे नं० 40 से एकड़ 12 गुंठे सर्वे नं० 41 से एक एकड़ 25 गुंठे सर्वे नं० 23 से (कुल 19 एकड 20 गुंठे) शमशाबाद तालुक, पश्चीम रंगारेड्डी जिला श्रांध्र प्रदेश। रिजस्ट्रीइत वीलेख नं० 6863/81 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी रंगारेड्डी जिला।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 30-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रें ज 23-1, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1890—स्वतः मुझे जी० सी० गै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 2064 है तथा जो बढवान जिला मुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकृत श्रधिकारी के कार्यालय, बढवान में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं काम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्यन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नितिक्ति व्योजितमों, अधीत् :--- श्री राना हरपाल सिंह हमुमा श्रीर श्रन्य वढवान, जिला सुरेन्द्रनगर।

(अन्तरक)

 श्री द्रुर्गा थोली सेफस की ओर से प्रवीन एम० कपासी महालक्ष्मी सिनेमा, सुरेन्द्र नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों पदो का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 3 एकर 24 गुंठे हैं जो वढवान सीम जिला सुरेन्द्रनगर सेमे स्थित है तथा जो वढवान सब-राजिस्ट्रार, राजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 3902, 3, 4 भीर 5/9-9-81 है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी स**हायक आ**यकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, **श्रहमदा**बाद

नारीखः 4-5-1982

प्रकप धाई० टी० एन• एस•-

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत अरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निराक्षण)

श्चर्तन रेज-23-1 ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, धिनाक 4 मई 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1889—स्यत मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- हमये से प्रधिक है

और जिसकी स० सी० एस० त० 2110— खार्ड या बेट-3, है तथा जो लवारकी पोल, मदनगोपाल की हवेली रोष्ट, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजिस्ट्री रुपण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 3 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सपित्न के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पदह प्रतिपत से अधिक ही और असरक (असरको) और अनिर्ती (अन्तरितियो) के धीच ऐसे अन्तरण है लिए, तथ पाया गया प्रीति फल निम्नां लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) श्रम्तरण में हुई किनो आप की बाबत उबत श्रिष्टि-नियम के श्रद्धीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविझा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किथी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, साधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, बन, उन्त अधिनियम, धारा की 269-ग के श्रनुसरण में, में. उन्त अधिनियम की धारा 269-च है उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, धर्मातः :--- 1 श्रो पचाल रतछोड़लाल नानालाल उर्फ मनसा पचाल ए-7, जीवन पयशाग सोसायटी, राजभवन रोइ, गाहीबाग, श्रहमदाबाद-3800041

(श्रन्तरक)

2 श्री मनुभाई चुर्नीलाल पटेल श्रीर श्रत्य बगला न० 2, बसत बिहार मोसायटी, एच० एल० कामसं कोठेनके रोष्ठे नम्बरंगपुरा, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आ**री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन** के लिए कार्य**वाहिया कर**ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :→→

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुत्रना के राजरत में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोद्दस्ता असी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

हपण्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो खक्त अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाधित है, बही अर्थ होगा ने उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 107 वर्ग गज है जा लवारकी पोल, मदनगोपाल हवेली रोड, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा श्रहमदाबाद सब-रजिस्ट्रार रजिस्ट्रीकर्ता विकाखत नं० 10642/3-9-81 है।

जी०सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज I, श्रहमदाबाद

नागोख: 4-5-198?

भोहर

प्रारूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, भ्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 3 मई 1982

निर्देश म० पा० श्रार० नं० 1888—यतः मुझे, जी०मी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25000/- रुक्त संअधिक है

श्रीर जिसकी सं०एफ० पी० न० 102, हिस्सा न० सं०, टी०पी० एस० 29, है तथा जो बाडज, श्रह्मदाबाद में स्थित है (और इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30 सिनम्बर 1981

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य स कम क द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करन का जागण है कि यथा पूर्वाकत सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिशत सं, एमे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नोलाहा उद्यास्य में उक्त अन्तरण लाखन मा बानाबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए.सी किया जाए या किसी वन गाँ अन्य शिस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-वर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्नत औधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निभननिषित व्यक्तियों अर्थात् :---

- महेन्द्र सिंहजं। एल० की श्रोर से नरेन्द्र सिंहजी एल, 14 मानेकबाग कोलोनी, श्रहमधाबाध। (श्रन्सरक)
- 2. सभवनाथ एपार्टमेन्ट को० भो० हा० सांसायट। लिमिटेड के/श्रो भगवती मेडीकल एण्ड जनरल स्टोसं, गुजरात विद्यालय के सामने श्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दुवारा.
- (ख) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 272 वर्ग गज है (1/3, 817 वर्ग गज का) जा वाडज श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जो सब-रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद बिक्कीखत न० 11631/30-9-81 है।

> जी०सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजन रोज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 3-5-1982 भाहर

प्ररूप ग्राई० टी॰ एत॰ पुस॰---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयक्त (निर्ताक्षण) स्रजंन रेज-1, स्रहमदाबाद स्रहमदाबाद, दिनांक 3 मर्ष 1982

निर्देश मं० पी० श्रार० नं० 1887--- यत मृझे, जी० मी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एफ पी जं 102, हिस्सा नं टी पी पे एस 29 है। तथा जो वाडज श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ती प्रधिकारों के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रें, वरण श्रिधितास 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30 सिनम्बर 1981

कां पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हाई किसी बाय की झबत एकत सिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बीइ/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आ स्तर्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1027 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहा किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की नपधारा (1) के अधीन निम्निस्तिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रा रनजीत सिंहजा पार्चेला प्रवीन कोलोनी. नवरंगपुरा. ग्रहमदीवाद।

(अन्तरक)

१ मंभवताथ एपार्टमेन्ट को० स्रो० हो० मागायरं। लिमिटेड के/श्री भगवती भेडीकल एण्ड जनस्ल स्टोर्स गुजरात विद्यालय के सामने अहमदाबाद। (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्वा क्ति सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्नाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो तक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

जमोन जिसका कुल क्षेत्रफल 272 वर्ग गज (1/3, 817 वर्ग गज का) जो वाङ्ग ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा सक रिजस्ट्राण ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 11640/ 30-9-81 है।

जी० सी ागर्ग सक्षम प्राधिकारी स**हा**ण्क आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्राजीन रेज−1, श्रहमदाबा**द** 3-5-1982

नारी**ख**ं **3-**5-1982

मोहार :

प्ररूप बाई .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाष, दिनांव 3 मई 1982

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुप्त से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० सी० एस० नं० 2515-1-ए पैकी खानपुर-3, मैकण्ड फ्लोर है तथा जो श्रानंद शोषींग सेन्टर, शोप नं० 170, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (शौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रोरपूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10-9-81

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाबार से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफें यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितायों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण मंहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्थ में कभी करने ग्राउससे बचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अधित --- श्रं बहिरचंद ताराचद 32, वीष्पुरनगर सोमायटी नवावाडज, श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 श्री रजनाकान्त ठाकरमी।भाई श्रीमती विमलावेन फोजालाल महेता, गोषीपुरा, कार्जाका मैदान, मुक्ता।

(अन्तरिमी)

को यह स्थना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

दुकान न० 170, दूसरा मंजला, ग्रानन्द शोपीग सेन्टर, पानफोर नाका श्रहमदाबाद तथा रिजस्ट्रीकर्ता सब-रिजस्ट्रार श्रहमदाबाद बिकीखन नं०-11005/10-9-81 है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 3-5-82

महिन :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

अप्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारों 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1982

निर्देण सं० पी० ग्रार० नं० 1885---यतः मुझे, जी० सी० गर्भ

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सकम प्राधिकारि को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे० नं० 3487, 3488, 3489, 3486 शारपुर-II फ्लेट नं० ई०-6, है तथा जो पांचवा मंजला, फिरवोश फ्लेट, खानपुर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14 मितम्बर्फ 1981

को प्रांक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्त अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण जिलित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त बर्डिभनियम की भारा 269-ग की चप्धादा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— —116GI/82 वेहमीताक्षेत खोरशेय जी कारंजावाला कीरंजाबाला बिल्डिंग, खानपुर देखाजा के सामने उपाकिरण फ्लेट के सामने, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

2 श्री मुजाउई।न फकल्दीन कादरी नं० ई०-5, फ्लेट, पांचवा मंजला, फिरदोश फ्लेट, खानपुर, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

काँ यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारींच से**45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, नहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्वी

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 127 वर्ग यार्ड है जो खानपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जो श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता सब रजिस्ट्रार विकीखत नं० 11153/14-9-81 है।

> र्जा० सी० गग सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

भारोख: 3-5-82

मोहरः

"त्रकप जाई• टी• एन• एस•-----

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, प्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, विनांक 3 मई 1982

निर्देश म० पी० श्रार० नं० 1884---यत मुझे, जी० सी० गर्गे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० त० 1218/3, सब फ्लेट तं० 1 है तथा जो मनीनगर, श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रिस्ट्रीकर्ती श्रिष्ठकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में श्रीर एण रूप से विणत है), श्रिस्ट्रीकर्ती श्रिष्ठकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में श्रीर स्ट्रिकरण श्रिष्ठियम, 1908 (1908 रा 16) के श्रिष्ठान, तारीख सितम्बर 1981 को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान श्रिक्त को गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान श्रीतफल से, एसे रहयमान श्रीतफल का पन्द्रह श्रीतशत अध्यक्त है और अन्तरक (अतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्थ से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती जड्डिबेन शनाभाई पटेल, जगाभाई पार्क, मनीनगर, श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 (1) डा॰दोलर दामोदरदाम भुपतानी।

(2) डी० मीसीस सुधा दोलंग भुपनानी स्वामी-नारायन मिद्दिश के नजदीक, मर्नीतगर, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित- बच्च दिसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

मकान जिसका एफ॰ पी० नं० 148/3, सब प्लाट नं० 1 जो जे० भुपतानी की निर्मिग होम से प्रचलित है जो स्वामी नारायन मंदिर, मनीनगर, ग्रहमदाबाद मे स्थित है तथा जिसका राजस्ट्रीकर्ती बिक्रीखत नं० 9905/- सितम्बर 1981 है।

> जीर सीर गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

नारीख: 3-5-1982

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस. -----

माथ्कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1883---यतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000 / एत. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 745 टी० पी० एस० 3, सब प्लांट नं० 3-ए है तथा जो मादलपुर, ग्रहमदाबाद मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद में रजिस्दी-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15 सिनम्बर 1981

की पूर्वीक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, जसके दश्यकान प्रतिकल से एंसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; नौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के, बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिसिट व्यक्तियों, अर्थात्:--

I भी चन्द्र लाल मगनलाल पटल प्रार भारत सेन्द्रल बैंक प्राफ इण्डिया के नजदीक, गुजरास कोलेंज के नजदीकः, एलिसन्नीज, बहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रोहीत वी० शाह मुख्य प्रयोजक-न्यू शीतल एपार्टमेन्ट (प्रयोजड) टेमला पोल, कालुपुर, डोसीयाडा की पोल के नजदीक श्रहमवाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भनस्यी

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 740 वर्ग यार्ड है जो मादल-पुर श्रष्टमबाबाव में स्थित है तथा जिसका रजिस्ट्रेशन श्रहमदा-बाद रजिस्ट्रीकर्ता निकीखत नं 11247/15-9-81 है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सक्कायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बहुमवाबाद

तारीख: 3-5-82

मोहर ः

नक्ष नाहं हो. एन. एस.-

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवृता

भारत सरकार

कार्यालग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 मई 1982

निर्देश सं० पी० स्रार० नं० 1882—यतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 8 है तथा जो वसापुर, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीतन, तारीख 21 सितम्बर 1981

को पूर्वांक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से ऐसे रूर्यमान प्रतिफल का प्रंस्ट्र प्रतिकात अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से ष्टुर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों कतो, जिन्हों भागतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—- श्री बालमुकुन्ध गनपतराम धवे एच०-2, प्रटी र कोलोनी, बसापुर प्रहमदाबाद।

(ग्रन्सिर्सा)

2. मुज शीट एपार्टमेन्ट श्रोनर्स एसोसियेशन की श्रोर से जैयरमेन—शो देवेन्द्र पी० परीख वचलो खांची, रायपुर 1201, शामलाजी को पोल, श्रहमदाबाद। (श्रन्सिंग्सी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्म**ध्यक्तिरणः -इत्स**े प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह¹।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 602 वर्ग यार्ड है जो बस्नापुर प्रहमवाबाद में स्थित है, जिसका वर्णन प्रहमवाबाद रिजस्ट्री-कर्ता बिक्रीखत नं० 7409/21-9-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-5-1982

महेर:

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्वर्णन रेंज-I, श्रहमदाबाद
श्रमहवाबाद, दिनाँक 3 मई 1982

निर्देश सं० पी० म्रार०नं० 1881---यतः मुझे, जी०सी०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसं इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहत से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मी० एस० नं० 5145 पकी 5146, 5147, 5148-2, 5150-बी है तथा जो 5144, 5145 पैकी 5148-1, 5148-3, रायखण्ड, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद प्रानुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजर्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजर्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजर्ट्री-कर्ता श्रीधिकारी के कार्यालय 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 28 सितम्बर 1981

को पूर्शिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिवियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नीलिखत उद्दर्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बोबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ल की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री रीजवान भ्रष्टुलकादीर कावरी श्री रामभुई। न श्रब्दुलकादीर काव रीजहीरूनीस्सा ए० कादरी कागदीबाद, संस्कार केन्द्र मार्ग, कीचरब, श्रष्टमदा-बाद।

(अन्तरक)

2. मैं सर्स (सुचीत) मुर्जाब को० थ्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड प्रमोटर—श्री श्रब्धुलकादर वी० कुरेशी पारसी चाल के नजवीक प्रेम दरवाजा, श्रह्मदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक्ष से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा संकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुधी

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 241 वर्ग यार्ड, 246 वर्ग यार्ड और 125.7 वर्ग यार्ड है, जो रायखण्ड प्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका वर्णन घहमदाबाद रजिस्ट्रीक्ती बिकी-खत नं० 11539, 11541-42 और 11543/28-9-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंअ-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-5-1982

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजैन रोज-23-1, श्रहमदाबाद

ब्रह्मदाबाद, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1900 - यतः मुझे जी० सी० गर्ग,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 401 वार्ड 2-बी है। तथा जो प्रभाग बंगलो, प्लाट नं० 401 धादीपुर कच्छ में स्थित है (ध्रौर इसमें उपाबद्ध ध्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण च्य से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती ध्रधिकारी के कार्यालय भुज में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख 29 सितम्बर 1982

का पृथा कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की दि है और मुक्ते यह विद्यार करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

शत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—— श्रीपी० एस० तोलानी श्रीर श्रीमती जामन्ती एच० कमाले, प्रभु छाया, श्रादीपुर, कडेंठ।

(अन्सरक)

2. श्रीमती श्ररूनाबेन श्रार० मोध श्रौर कुमारी दक्षा देसाई 16, रंग सागर फलेटस प्रभुदास ठक्कर कालेज रोड, पालर्डा, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

प्रभास बंगला जो प्लाट नं० 401, वार्ड 2-की श्राधीपुर कच्छ में स्थित है, तथा जी० डी० ए० से प्लान मंजूर किया गया है, भुज रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी रिजस्ट्रेशन नं० 1786/ 29-9-81 है।

> जी०सी०गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरें ज-, भ्रहमदाबाद

तारीख: 11-5-82

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-23-, श्रहमधाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1982

निर्देण मं० पी० म्रार० नं० 1899-यतः मुझे, जी० सी० गग,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु में अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट 129, 122, 119, 125, 130, 126, 121, 131, 127, 120, हैं तथा जो 124 पैंकी पुराना बस स्टेन्ड, उपलेटा राजकोट में स्थित हैं (फ्रोर इसमें उपायड सनुमूची में भीर पूर्ण रूप से यणित है); रजिस्ट्रीक कार्यालय, उपलेटा में र्राजस्ट्रीकरण प्रीधनियम; 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तार्रीख 21 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पितशत से अधिक हो गोर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलियत उद्देश्यों से अस्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृणिश के लिए बीर/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया आना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपकारा (।) के अधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, अधीत

- श्री युनुम हाजी साम मोहमद मुनर्गा और 16 अन्य भादर रोड-~-जानेटा, जिला राजकीट।
 - (भ्रन्तरक)
- ृ सर्वेद्रमन प्रतापराय शेठ श्रीर श्रन्यः दरबारगढ़ उपलेटा सार्ना मनसुखलाल भवल्लजी माइलीया श्रीर श्रन्य भादर रोड, उपलेटा।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 10144 वर्ग यार्ड **है जो** पुराना बस स्टेण्ड उपलेटा, जिला राजकोट से स्थित है, तथा राजकोट राजस्ट्रीकर्ता राजस्ट्रेणन नं० 1854 से 1876/ 21-9-81 है।

> जी०सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज-1,शहमदाबाद

नारीख: 11-5-82

च्युर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेज-23-1, श्रहभदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं०पी० मार० नं० 1898---यतः मुझे, जी०सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० सर्वे नं० 188-1, 189 ग्रीर 193-2, 194, 190, 193-1, है तथा जो 189-1, थलतेज ग्रहमवाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीक्ती ग्रीधकारी के वार्यालय ग्रहमवाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम; 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 14 सितम्बर 1981

को पूर्वीकत संपितित के जिसत बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिसत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से; एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित जुद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिवक रूप से कथिन नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुइ फिली नाव की बावत, उन्त विश्वतिका के अधीन कर बीचे के जन्तरक के दासित्व में कामी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; विश्वीया
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भूग या अर्म्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम वा धन कर अधिनियम वा धन कर अधिनियम वा पन कर अधिनियम वा धन प्रवासिय अन्तरियो दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

1. श्री कौर्याकभाई गौरधनभाई पटेल फ्राँर भ्रन्य, 51-7-8, मेवाबाला एपार्टमेन्ट, सरोजर्जिनी रोड, बीले पारले बेस्ट, बोम्बे।

(अन्तरक)

2 श्री श्रनीलकुमार भाईलालभाई पटेल और श्रन्य 10-बी, माधवान सीसायटी गुजरात विद्यापीठ के सामने श्राक्षम रोड, श्रहमदाबाद।

(बन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्तिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सकोंने।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वृष्टिन्युम, के बच्चाय 20-क में परिप्राणित हैं, वहाँ वर्ष होया को उस अध्याय में दिया गया है।

मनस्यो

खेती की जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 5 एकड़ 37 गुंठा है, जो गांव चलतेज जिला महमदाबाद में स्थित है तथा महमदाबाद पे स्थित है तथा महमदाबाद पे स्थित है तथा महमदाबाद रिजर्द्री कर्ता बिक्री खत नं 11137, 38, 39, 40/14-9-81 है।

जी० सी० गर्ग सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ं ऋजंनरेंज-, ऋहमदाबाद

तारी**ख**: 10-5-1982

मोहर्ः

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-घ (1) के घंधीन सूचना**

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-23-I, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1897---यतः मुझे, जी० मी० गर्ग,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के घ्रधीन समम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छचित बाजार मृख्य 25,000/-से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० सर्वे नं० 20/3/बी०, 20/3/ए०, 20/2, 20-1-ए०, 20-1-बी 20-3-मी०, हैं तथा जो थलतेज, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजिस्ट्रांकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रिजिस्ट्रांकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 23 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मीतिषत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मे हुई किसी आय की बाबत उक्त बिध-नियम, के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के बाबिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (म) एसी किसी आत या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए या, छिपाने में सृविधा के लिए;

अ**ब; उन्द अधिनिय**म की घारा 269-ग के अन्-स**रण में, मैं, उन्**न अधिनियम की **धारा 269-व** की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,अर्घातः—— 19—116GI/82 श्री कानजीमाई मासंगजी भाई ठाकोर श्रीर फ्रन्य गांव — श्रवनेज, जिला— प्रहमदाबाद।

(अन्तरकः)

2. मैनर्स मुक्तानगर को० आ० हा० सोसायटा लिमिटेड मेक्टेरी--आ दलीचंद जावेचंद ए०-4, हरीदास कालोनी, नवजायन पैस रोड, नवरंगपुरा, ब्रह्मदाबाद। (प्रनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क जर्जन के सम्बन्ध म काई भी आक्षेप्.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 18150 वर्ग यार्ड है जो गांव थलतेज, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा ग्रहमदाबाद र्राजस्ट्रीकर्ता बिकीखन नंज 11495, 94, 93, 91, 90, 85, 84, 79, 678, 77, 71/23-9-81 है।

> जी०सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

नारीख: 10-5-82

प्ररूपं आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, महारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज 23-I, ग्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश मं० पी० श्रार० नं० 1896~-यतः मुझे, जी० मी० गर्ग.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मर्थे नं० 488 है तथा जो वाडज, श्रहमदाब,द में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकण्ण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन तारीख 24 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नतिचित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिवक कुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती कृमुद्रवेन कौशिक प्रसाद दलवाई। और श्रन्य नवरंग हाई स्कूल के पोछे मानेक एवेन्य सोसाईटी) के नजदाक अहमवाबाद-13।

(अन्तरक)

2 क्रांति एैपार्टमेन्ट को० स्रो० हा० सोसायटा लिमिटेड की स्रोर से चेयरमेन--श्री दीलीप कुमार हसमुख लाल भट्ट, मैरीन ड्राइव मोसायटी भैरवनाथ रोड, झहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 8842 वर्ग गज है जो वाडज ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 7129/24-9-81 है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, स्रहमदाबाद

मारीख: 11-5-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-23-1 श्रष्टमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1982 निर्देश सं० पी० श्रार०नं० 1895—-यतः मुझे, जी०सी० गर्ग

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० गीट नं० 108 काकडा नौद नं० 2543-44-45 है। तथा जो 13,पंचनाथ प्लाट मेरी, राजकीट, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजम्ट्री मर्ती अधिकारी के कार्यालय राजकीट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के असीन, तारीख 24 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफाश के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः सबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (†) के अधीन निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गनपतराम वलपतराम श्री चंदुलाल दलपतराम
 13, पंचनाथ प्लाट, राजकोट।

(प्रन्तरक)

 श्री भूपेन्द्र पररोत्तम खरटरपर रसीकलाल परसोत्तम खरटखर नयोनचंद्र भोरनलाल व्यास नाथालाल मोरनलाल व्यास बजार के नजदीक, राजकोट। (ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस प्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की लारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रहनेलायक मकान जो राजकोट पंजनाथ प्लाट पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 351-8-72 वर्ग यार्ड है, जिसका सीटी एस० नं० 108, काकाडा नोध नं० 2543-44-45, तथा राजकोट रजिस्ट्रेगन नं० 5871/24-9-81 है।

> जी० सी० गर्ग सक्ष्म प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रंज-, प्रहमदाबाद

सारीख: 10-5-1982

प्ररूप प्राई० टी• एन० एस•----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) अर्जन रेज-23--- अहमदाबाद श्रहमदाबाद, विनाक 10 मई 1982

निर्देश स० पीर प्रार० न० 1891—प्रत मुझे, जीव सी० गर्ग,

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस क पश्चात् 'उक्त पिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-• से मिधिक है

ार जिसका स० 3108 दिनाक 15-9-81 है। तथा जो सर्वे न० 102 गाव धुमराब जामनगर में स्थित है (ग्रांग इससे उपाबड़ श्रनुसूचित में श्रीप पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रेक्तां श्रिधकार वे कार्यालत जामनगर में रिजस्ट्रेक्तां श्रिधकार वे कार्यालत जामनगर में रिजस्ट्रेकिरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान, तारेख 15 सितम्बर 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ष्य उसक दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण पे हुई किसो आय को बाबन, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए, बीर/या
- (स्त्र) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियो, अर्थात्—

- ग मैं यसं ठक्कर जोतं कपनी रमेशनद्र कानजाभाई जोगां, जयहिन्द लोज, स्टेशन रोड, जामनगर। (अन्तरक)
- 2 श्रा श्रमगरश्रला गुलामश्रला वेचलाना प्रमुख —-राजकोट हा० सोमाइटा लिमिटेड धुवाब, जिला —-जामनगर। (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूत्रींक्त जम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद मसमाप्त होती हो, क भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन को नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क्र किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्तक्षारों के पाम लिखिन मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—दमम प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिक्षि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2,72,920 वर्ग फुट है, सर्वे न० 102, धुवाब, जामनगर म स्थल है तथा आमनगर रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 3108/15-9-81 है।

जीं० सा० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेज-, ग्रहमदाबाद

पार्वाः 10-5-82

मोहर

प्रकप बादै.टी.एन्.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

जारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्स (निर्मिक्षण)

श्रजीन रेज-23-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 10 मई 1982

निदंश से० पं(० ग्रार० नं० 1893-- यन मुझे जी० सी० गर्ग

भारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राप्तिकारों को यह विषयास करने का कारण ही कि स्थार सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मरा 25,000 - रह स अभिका हा

र्थार जिसका स० सर्वे न० 422 हं तथा जा राजकांट आमनगर हाईवे रोड, हारा रेलवे कालोना के नजवाक म स्थित है (थ्रीर इसमें उपायन प्रनुष्य में श्रीर पूर्ण म्य से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान ताराख 15 सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृष्ठ जिल्ली जिल्ली जिल्ली उद्दर्भय में उक्त अन्तरण क्लिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मी, में प्रत जीशिनगर की धारा 269-१ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:-- ार्श्वा रमेशचन्द्र कानजीभाई जोशो एच० यु० एफ० के कर्ता श्रो० जयहिन्द लोज, स्टेशन रोड, जाम नगर।

(ग्रन्तरक)

श्रा केणवर्जा माधवर्जा तम्ना के/ग्रां० रसीकलाल केणवर्जा तम्ना ग्रेन माण्वेट जामनगर।

(ग्रन्तर्गिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की वार्रीय से 45 विन् की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इवाउः }
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा ब्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पक्तीक रण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत, अधिनियम के अध्याये 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन जिसका सर्व न० 422, कुल क्षेत्रफल 11 एकड 20 गुठा है जो राजकोट जामनगर हाईवे रोड पर स्थित है, तथा जामनगर राजस्ट्रेकर्ता राजस्ट्रेशन नं० 3107/15-9-81 है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज- , ग्रहमदाबाद

नाराय: 10-5-812

मोहर .

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • → -

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1982 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1892—सत: मुझे जी०सी

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1892—श्रतः मुझे जी०सी० गर्ग

णायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचिन बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी संव मकान भगवती कृपा गर्वन्मेन्ट सर्वेन्ट कोव ग्रोव हाव सोव लिमिटेड पटेल ग्राइंसकीमवाली गेरी है तथा जो राजकीट में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद ग्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से बणित है), राजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, राजकीट में राजस्ट्राकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव है। अन्तरग के लिए तार पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक कप संक्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अश्तरण से हुई किसी भाय की बानत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; स्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य ग्नास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उन्त अधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए;

बतः अवः उन्त प्रिविनयमः, का धारा 269-ग के प्रनुसरण में में, उन्त अधिनियम की घारा 269-भ की उपघारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री रसीकलाल मनसुख लाल गाह भगवर्ता कृपा गर्वन्मेन्ट सर्वेट को० श्रो० हा० सोसायटा लिमिटेड पटेल ग्राइसकीमवाली गेरी रेसकोर्स, राजकोट।

(अन्तरक)

 श्रीमता रक्षागौरो तस्तकृमार मागर हाटकेण मंदीर के नजदीग मांगरोल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **अर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारी;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी ग्रन्य क्यक्ति द्वारा घष्टोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ हो गा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिस्का कुल क्षेत्रफल 134-08 वर्ग यार्ड है जो भगवती कुषा गर्वेन्मेन्ट सर्वेट को० श्रो० हा० से सायटी पर स्थित है तथा राजकेट रिजस्ट्रीकर्ता नं० 7392/81 सितम्बर 1981 है

> जी० सी० गर्ग यक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजंन रेंज-I, स्रहमदाबाद

तारीख: 10-5-82

प्ररूप आई० टी० एन० एस०⊸⊸

आयक्षर **अधिनियम, 1**961 (1961 का **43**) की घारा 26**9-व** (1) के अधीन सूचना भारत नरकार

कार्यालय, महायक आयकार आय्कत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश मं० पी० ग्रार० न० 1891---यन मुझे जी० सी० गर्र

भायकर भिक्षितियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिक्षितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिन्ना सक्षम भाषिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उजिन बाजार मृत्व 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे वार्ड/4, सीटी एस० नं० 2014 है। तथा जो 2--5, जागनार्थ प्लोट ग्यास्त रखानारोड संतोष सदन बंगला के नजदीक में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूचि में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कार्रा के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख) सितम्बर 1981

(1908 का 16) के अधीन, तारीख) सितम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्त्र ध्रुतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आप की बाकत, उकत प्रश्चितियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्त में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

भ्रत: ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, अक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री लेट हर्षदराय गौरीसंकर श्रोझा जगदीस हर्षदराय श्रोझा प्रतीमाबेन हर्षदराय श्रोझा रेखाबेन हर्षदराय श्रोझा रेखाबेन हर्षदराय श्रोझर श्रीमती सुशालावन हर्षदराय श्रोमा, इन्द्र दीय गोसायटी, पटेल कालोनी, जामनगर।
- (ग्रन्तण्क)
 2. श्रीमती समरतबेन हरीलाल दोशी एघ० जे० हाउस
 कारमारल रोड, चम्बई

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कि क् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में बोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख, से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविश्व, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस मूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रविनियम, के ग्रव्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा जी उन ग्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 250 वर्ग यार्ड है, जो 2/5 जागनार्थ प्लट, जींमखाना रोड राजकोट में स्थित है, तथा राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिकिष्यत नं० $7086/\eta$ म०/3-9-81 है।

जीव सीव गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

तारीखाः 10-5-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आण्कर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, प्रभातसर

अमृतगर, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश सं० ए० एस० ग्रार०/82-83/63 प्रत. मुझे, ग्रानन्दिसिह/भाई० ग्रार० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एक भूमि का प्लाट जो ठाकुर० महाचन्द रोड श्रमृतसर में है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमृत्सर में है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमृत्सरों में श्रांर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के श्रार्थात्वय श्रमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीक सितम्बर 1981 को पूर्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिवक स्थ्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-फर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए:

अतः अबः. जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री धनूप हिंह, यमर पिंह पुत्र हुज.र। दिंह गा बर्मामिड तहसील अजनाला जिला अमृतसर। (अन्तरिक)
- 2 श्री श्रणोक्ष कुमार, पृथवी राज कटडा करम सिन्न कृचा न। डिपा श्रमुतसर।

(अन्तर्गिति)

- उ नैना ऊपर सं० 2 में काई किरापेक्षार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पक्ति हैं)
- भीर कोई
 (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रक्षोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सस्पत्ति में हिनवद है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 183 वर्ग गज जो ठाकुर महांचन्द रोड, बटाला रोड से दूर श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 13076/25-9-81 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानद सिंह श्राई० श्रार० एस० सक्षम श्रीधकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्गन रेंक 3, चद्रगरी श्रमनसर

तारीख: 11-5-82

प्ररूप आई० टी० एत० एस०-----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की सारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निर्वेक्सण)

श्रार्थन रेस. जा अरधर

जालंधर, दिनांक 14 मई, 1982

निर्देश स० एएसश्राम/82-83/64--यन मुझे श्रानद सिंह श्राष्ट्री० श्रार० एस०

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० भे अधिक है

श्रीर जिसकी में भूमि का जाट है तथा जो बेरका श्रमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रमृत्वी में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख रितमबर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रितिफ त के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पम्बह
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और भन्तरिती
(श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य न उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्विक
क्ष से क्थित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण में दूई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री हरभजन सिंह पुत्र पाला सिंह पांसी गांव बेरका द्वारा रतन लाल फेक मल वासी 14 रतन चन्द गंड अमृतसर।

(भ्रन्तरक)

? मैसमं रिणी बुलन मिचज बटाला रोड नजदीक ग्रलफर कलर मेकरण बिल्डिंग ग्रमनसर।

(ग्रन्तिंगती)

3 जैसा ऊपर म० न० 2 में कोई किरायेदार हो । (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

ग्रीर कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकड़ है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त भव्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भयं होगा जो उस भ्रष्ट्याय पें दिया गया है।

अससची

एक भूमि का टुकड़ा 1400वर्ग गंज जो वेरका (बाई पास) त्रृतसर में है जैंगा मेन डीड नं० 11979/11-9-81 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> भ्रानव सिंह भ्रांई० भ्रार० एस० सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयक र आयक्त (निर्माक्षण)

श्रर्जन रेज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 15 जनवरी 1982

निर्देण स० 402/81-82---यतः मझे ध्रीमतो मज् माधवत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० सर्वे नं० 131/2, 160/3,164/2 है, जो बोडिगा ग्राम, कामबा होबली नालूक चिक्मगलूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपावह श्रृत्मूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिश्वस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय चिक्मग्लूर अंडर डाक्मेंट नं० 1066 तारील में भारतीय 5-9-81 रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीपत तारील सिनस्वर 1981

1908 (1908 का 16) ते श्रधीन, नारीख सितम्बर 1981 को पूर्वो कत संपत्ति हो उचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कित संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके हरयमान प्रतिफल से, एसे हरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक लप से किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तससे बचने में सुविधा के लिए; आहुर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगिस्तयों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किथा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

उत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- 1.श्री सी० ग्रार० नूर ग्रहमद काकी प्यांटर, चिकमगलूर। (ग्रन्तरफ)
- 2. मैसर्म मलेनाडु एंटरप्रेमिस, रत्नागिरी रोड चिक्रमगल्र। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेंडिगा ग्राम कासबा होबली, चिकमगल्र तालुक में स्थित निम्न लिखिन काकी लैंडिय

सर्वे नंबर	एकर गुंठा
131/2	526
160/3	521
164/2	1500
	2607

श्रीमती मंजुमाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायदः र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुपैन रेंज, बंगलोर

तारीय: 15-1-82

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

पायकर भिव्यतियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के भ्राधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, अंगलुर

वंगलूर, दिनांक 6 मर्ट 1982

निर्देण सं० सी जार 62/32443/81-82/एकपू-की----यन.
मुझे डा० बी० एन० लिलतकुमार राह्र
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का दि) (जिसे इसमें
इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/ठ० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी संव टीव एसव सव 515/2 है तथा कोडियल वेल गांव मगलूर (ता) में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रन-मुची में क्रौर पूर्ण रूप में वर्णिन है), रजिस्ट्रीवनी क्रधिकारी के कार्यालय, मगल्र सिर्ट। में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के धर्मान, लारीख 11 सितम्बर 1981 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अभ्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के निष्त तय पाया गया प्र**तिफ**ल, निम्निनिखित प्रदेश में उनन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जास की बाबत, उक्त क्षितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करन या उसके वचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आप था किसी धन या प्रस्य ग्रास्तियों की, किसे भारतीय प्रापकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री कं माधवराच लक्ष्मीनारायण राव के पुत्र काईबला काम रोड़ मगलूर।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री श्रार० एम० कदीर सागर सं० 6, देवस्रत श्रणोकः नगर काडीबली (पूर्व) बंबई।
 - (2) श्री राजेन्द्र बुमार देविदास झा चादर्ना बिल्डिंग (ब्लाक मं० V, V फ्लोर ग्रांतीलाल मोदी रोड, काडीवली (पश्चिम) बबई-67।
 - (3) श्री गोपाल सालियान वेलूर रोणनी निवास, कोष्डिकक्षल मंगलूर।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के
 किसी अन्य व्यक्ति धारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दां श्रीर पदों का, जी उक्त प्रश्वितियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही भ्रषं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 826/81-82 ता० 11-9-81) घर संपत्ती है जिपश्त टी० एग० स० 515/2, तथा जी कोडियल बेल गांव मंगलूर (ता०)।

हा० बी० एन० ललित कुमार राव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, मंगलूर

नारीख 6-5-1982 मोहर: रु० से अधिक है

प्ररूप प्राई० टी• एन• एस -----

श्रायकर पिश्तियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के मंत्रीत सूचना

भारत मरहार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाध, दिनांक 10 मई 1982

निर्देश मं० ग्रार० ए० मी० नं० 14/82-83 काकीनाडा स्कॉड—यत: मुझे एन० जेगन मोहन आधितर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसे इसमें इसके पश्चात् 'तक्त अधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास सरने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मुख्य 25,000/-

भीर जिसकी सं० 5-9-30 है, जो पेद्दापूरम में स्थित है (भीर इमसे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेद्दापूरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सिनम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के दर्गमान प्रिक्तल के लिए मन्तरित को गई है और मुग्ने यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ट प्रतिकात से प्रधिक है और मन्तरक (अम्लरकों) और मन्तरितों (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण विखित में वास्तविक कप से कबित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण में तुई किसी आय की बाबत उक्त बिश्वित्य के ब्रधीन कर देने के ब्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रोर/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अग्य आग्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अग्नितियम, या धनकर अधितियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए।

जत. अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री एस० गंटय्या पिता गंगाराज्
 - (2) श्रामती एम० चीत्तम्मा पति श्री एम० चीन्ना गंटरया।
 - (3) श्रीमती एस० वेंकट रमनम्मा पत्नी चीश्रा गंटय्या सभी मेन रोड, पेन्नहापुरस पूर्व गोदावरी जिला के रहीवासी हैं।

(ग्रन्तरक)

2 श्री एन० वेंकट मुख्बाराव (पता लक्ष्मीनारायण, रामा-नायडुपेट, मछलीपटूनम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर बक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

असम ची

डमारत विस्तीर्ण 233 1/3 ची० गंज घर नं० 5-9-30, श्रमेसमेंट नं० 715, पेहापुरम पूर्व भोदावरी जिला र्राजस्ट्राफ्टल विलेख नं० 2060/81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी पेहापुरम।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारों सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

भारी**ख**: 10-5-1982

माहर:

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्षार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मई 1982

निर्देण सं० श्रार० ए० सी० नं० 15/82-83— काकीनाडा स्कॉड यत: मुझे एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है, जो कोरीदापाडू गुंदूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से विणत है), रिजस्ट्रीक्ति श्रिधकारी के वार्यालय गुंदुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख सितम्बर 1981

ताराख स्तिम्बर 1981
को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्रे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिये; और/या
- (ज) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अधीत :-- श्री वासी रेड्डी भृष्णामूनि कांपेल, मंगलगीरी तालुक जिला गुंट्र।

(अन्तरक)

 डा० ह्वी० शिवरामकृष्णा प्रसाद केश्वर श्राफ सी० एच० रामालिंगेस्वरा राव पहली लाइन, चंद्रमौली नगर, गुंट्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवानिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पूर्वों का, षो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियश गया है।

अन्स्वा

भूमि विस्तीर्ण 1909 चौ० गज कारीटीपाडु, गंटूर। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 9781/81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 10-5-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 10 मई 1982

निर्देशस० श्रार० ए० सी० न० 16/82-83—यन मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 16-8-13 है, जो इमारत विणाखापटनम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणास है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विणाखा-पटनम में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंसरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल कल निम्नीलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण ग हुई कि सी नाय का नानत, उठा अधि नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उग्रसे अचने में सुत्रिभा के लिए, बौर/या
- (ल) ए.सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- 1 श्री जीव रामचद्राराव वितासीतारामय्या, कपश्चेका सौदागर, ग्रसपू स्ट्रीट, विजयनगरम। (ग्रन्सरक)
- 2 डा० पी० रामा सन्यासी राव बफम्, म बङ एजद, इराण।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रण्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसम प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

लन्म्ऋी

इमारत घर न० 15-8-13, माह्राणीपेट वार्ड **प्रॉफीसीय**ल कॉलनी/स्ट्रीट, रामलिंगनगर, रोड, विशाखापट्टनम । रिज-स्ट्रीकत विलेख न० 7327/81 रजीस्ट्रींकर्ना प्रधिकारी विशाखापट्टनम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजी रेंज हैवराबाद

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसम्भामें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात.——

न्।रीख 10 5-198**2**

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक अध्यक्त आयक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिलाक 10 गई 1982

निर्देश स० श्रार० ए० मी० न० 17/82-83---यत मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमा इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 13-5-8 है, जो पालकोल में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध भ्रमुम्बी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के वार्यालय पालकोल में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रश्रीन, तारीख सितम्बर 1981

की पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफ़े यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिंगित व्यक्तियों, अर्थात ---

- 1. (1) श्री चोडी लेट्टी चंद्राराव पिता वेंकटरायड्
 - (2) श्री सी० एच० बी० बी० पां**डुरंगा** राव पिता चंद्राराव
 - (२) श्री सी० एच० श्रीरामामुर्ती पिता चंद्राराध पर त० ३-२-२ दुसरा वार्च, पालकील। (भन्तरक)
- 2 श्री याठ एवठ ज्यागक | प्या रामकृष्णा भाष्क नावालक, बाई दादाजी श्री सीठ एवठ सुर्ये नारायणा दोड्डीपेटा, जिला पश्चिम गोदावरी। (मन्तरिनी)

को यह मृघना जारी करके पूर्वाक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अमुस्ची

दुकान घर नं० 13-5-8/1, 2, 3, 4, वार्ड नं० 7, असेसमेट नं० 3223 पालकोल नगर पालिका। राजिस्ट्रीकृत विलेख न ० 2686/81 र्राजस्ट्रीकित श्रीधकारी पालकोल।

एम० जेगन मोष्टन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, हैदराबाद

लागीख (10-5 1982) भाहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय महासक आसकर आस्वत (निरीक्षण)

भाजीत रेंजि∙3, बायाई

बम्बई, दिनांक 22 ग्रप्रैल 1982

निर्वेण सं० ए० झार० 3/2035/81-82 ---यतः मुझे, मुधाकर वर्मा,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रोर जिसकी मं० प्लाट नं० 14, एंड सी० एस० नं० सी०-1 (पीटी)—— है तथा जो ग्रंधेरी में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्ट्राकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजर्ट्राकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन नारीख 19 (सतम्बर 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के घंधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त विधितयम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उक्त विधितयम की धारा 269-भ की उपचारा (1) के के अमीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवति:——

- ग्रोणिवरा लेंड इवेलपमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- 2. अपना घर यूनिट नं० 10, आर० बी० आई दी निरभाय को०-ग्रापरेटिय हाऊसिंग सोगायटी। (अन्तरिनी:

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की सर्वाद्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी सामं 30 दिन की सर्वाद्य, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अस्प व्यक्ति द्वारा अधोहरसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम के अध्याय 20-क में परिकाषित है. वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

श्रनुसूची जैसा की, विलेख संख्या एस० 1269/81 श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार बम्बर्ड, द्वारा दि० 19-9-81 को रिजस्ट्रर्ड किया गया है।

> मुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ध्यर्जन रेज-3, बम्बर्ड

सारी**ख**: 22-4-1982

प्रकप आई. टी. एन. एम ----

आय-तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (।) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यान्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-3, बस्बई; बस्बई, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश सं० ए० भार०/3/2024/82-83—यत: मुझे, एम० एम० शुक्ला,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी केंग्र, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उवित बाजार मन्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० चलता नं० 333 बेग्नरिंग नं० एस० 44-ए० हैं तथा जो गोथ गुंडविली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन क्षारीख 14 सितम्बर 1981 हिस्सा नं० 3, सी०टी० एस० नं० 395/1 डाक्यूमेंट नं० 105/1980

को पृषेक्ति सम्परित के उनित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्नविक रूप से कथिन नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिये, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननियित व्यक्तियों, अर्थात् :---21-116GI/82 1 मिनेस मेरी थेरेमा फनाँडीस श्रंधेरी जिमखाना। (शन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षंप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस इं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्रची

श्रनुसूची जैसा की, विलेख संख्या नं० 105/1980 श्रौर जो उप-रिजस्ट्रार बम्बर्ड, द्वारा दि० 14-9-1981को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एम० एम० गुक्ला सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेज-३ बस्बई

नारीख: 11-5-1982

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1982

निर्देश सं० ए० आए० 3/2026/82-83--प्रतः मुझे, एम० एम० शुक्ला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फाईनल प्लाट नं 149, सब-स्किम नं 3, सी टी० एस० नं 803 है, तथा जो चेंबर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाब अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22 मितम्बर 1981 (डाक्समेंट नं एस० 306/77) को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपिर का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्रुकान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सित्र में बास्तिक रूप से किथत नहीं दिशा गया है --

- (क) अन्तरण में हुई किसी पाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में किमी करने या उससे बचने में मृबिधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिख व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्रीमिसी साम्दा नसंतक्ष्मार नायण।
 - (2) श्री रामदास वसंतक्षार नायर।
 - (3) श्री विजयकुमार वसतकुमार नायर।
 - (4) श्रामता वत्सला मोहनदास नायर।
 - (5) कु० गिराजा वसंतक्षार नायर।
 - (6) कु० इंदिरा वसंतक्ष्मार नायर।
 - (7) श्री सुरेण वसंतकुमार नायर।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती प्रकाशवती हरीचंद गुप्ता।
 - ·(2) श्रामती चंचल श्रजोध्याप्रसाद गुप्ता।
 - (3) श्री ध्ररुण म्रजोध्याप्रसाद गुप्ता।
 - (4) श्री मंजीव म्रजीध्याप्रमाद गुप्ता।

(अन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि, विलेख संख्या एम० 306/77 श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई, द्वारा दि० 22-9-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० एम० शुक्ला, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जने रेंज-3, **बम्ब**र्ड

ना**रीख**: 11·5-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनाक 16 ग्रप्रैल 1982

निर्देश स० जी० प्रार्ट० ग्रार० पी०-91/श्रर्जन--ग्रतः मुझे, विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

श्रीप जिसकी स० 70/3 है तथा जो ग्राम जियामक, लखनक में स्थित है (ग्रीप इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप से विणिन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय लखनक में रिजर्स्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 की 16) के श्रीधीन, तारीख 25 मितम्बर 1981

को पूर्वित संपरित के जिन्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुंई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्ष अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री ग्रनवर नवाब।

(अन्तरक)

2 श्री पुरुषोत्तमदास खेमचन्दानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण: — इसम प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया ह⁴।

अनुसूची

भृखण्ड खसरा संख्या 70/3 क्षेत्रफल दम बिसवा (13612.5 वर्ग फीट) स्थित जियामच लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37-जो संख्या 6044 मे विणित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय मे दिनाक 25-9-81 को किया जा सुका है।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

नारीख: 16-4-1982

मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 ग्रप्रैल 1982

निर्देश सं 16659—-यतः मुझे, श्रार० रिष्ठचंद्रन, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

मौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 10 और 11 है, जो मौंड रोड, मद्रास-15 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय. मैदापेट (डाक्मेंट सं० 3763/81) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फान निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण मे हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) भा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ध्रम, उक्त श्रिष्ठिनयम की भ्रारा 269-च के अमुसरण में, में, उक्त श्रीक्षित्यम की भ्रारा 269-च की उपचारा (1) के श्रश्रीन निम्नलिखित व्यक्तिसयों. अवीत :--- 1. श्री के० सैय्या, डाक्टर सैयद जबवार।

(अन्तरक)

2 श्रीमर्ता रेहाना बेगम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति दुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिशापित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भम्स्ची

भूमि टी० एस० म० 10 घीर 11, मौड रोड, घिन्ठी मदास-15

(डाक्मेंट सं० 3763/81)

श्रार० प्रविचंद्रन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण**) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 22-4-82 मोहर . प्ररूप गाइं. टी. एप. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनाक 19 जनवरी 1982

निवेश सं० ग्रार० ए० सी०/ग्रर्जन/180/80-81--यत: मुझे, ए० एस० खेर,

शायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रः. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पी० एच० नं० 10 डब्ल्य्० न० 12 फोल्ड नं० 134 है, जो मौना विनाकी नागपुर में स्थित है (ग्रीर उसके उपाबद ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप स विणित है), रिजिस्ट्रांकर्ता ग्रिक्षितारों के कार्यालय नागपुर (डाक्समंट सं० 1614/81 में भारतीय रिजिस्ट्रांकरण ग्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रवीन नारीख 5 सितम्बर 1981

का पूर्वाक्स मंपितन के उचित बाजार मृत्य से बम क द्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वाक्त मर्पाक का उचित बाजार मृत्य, उनके द्रयमान पितफल से, एस द्रयमान पितफल बा पल्क प्रतिकल से अधिर है और अवस्त (अवस्ता) अर अवस्ति (अन्तरितमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित मे बारतिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ब्रिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बौर/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविशा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरणः मः, मः, उक्त अधिनियम की धारा उष्ट भ को उपधारा (1) को अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गोस्वामी रमेशपुरी, गुरू महेश पुरी का० इतवारी बार्ड नं० 36 नागपुर।

(अन्तरक)

2. प्रमाद गृह निर्माण सहकारी संस्था सेकेटरी श्री शंकरराव धर्माजी नरपाते निरस्थीबाजार वार्ड नं० 21, श्रमरेड रोड नागपूर।

(अम्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किमी अविकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्परित में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदाँ का, जो अक्स अधिनियम के अध्याय 20-के मा परिभाषित ही, वहां अर्थ होगा जा उस अध्याय मा दिया गया है।

अमृसुची

भौसा बिनाकी पोएच० नं० 10 वार्डेनं० 42, नागपुर शेत न० 134 नागपुर।

> ए०एम० खेण सक्षम अधिकारी स**हायक** आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ऋ**र्ज**न रेंज, नागपुर

गारीख: 19-1-1982

भाहर

प्रकप पाई॰ टी॰ एत॰ एस॰---

भायकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अवीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रॉब-2, नर्झ विल्ली

अर्जन रेंज , णिलांग

शिलांग, दिनांक 27 जनवरी 1982

निर्देश मं० ए० 255/81-82 मिल०/923-31—

ग्रत मुझे, ई० जे० मावलींग,
भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे ध्रममें
६मके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-च के ध्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह
विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका
उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्यमे से ध्रधिक है,
ग्रौर जिनकी सं० 7380, 7378, 7361, 7365, 7360,
7364 ग्रार० एन० पट्टा सं० 950 पारगाना बारकपार मौजा
मिलचर में है, तथा जो जानिगंज मिलचर में स्थित है (श्रौर इससे
उग्जाब अनुसूचा म और पूर्ण हम से विणित है), रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम,
1908 (1908 क 16) के ग्रधान, नारीख 1 मिनम्बर
1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूख्य संकम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वा । करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक वृष्यमान प्रतिफत से, एस दृष्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्नलिबित उड़ेश्य से उकत प्रस्तरण निव्वित में वास्त्विक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रम्सरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त श्रिष्ठितियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्त्र में कमी करने या उसमें बचने में मुखिश के लिसे; और।या
- (ख) ऐसा किसी आग या किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्हे भारतीय भागकर भिम्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिम्नियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में मुश्रिष्ठा के लिए;

गतः गव, उनत अधिनियम की भारा 269-ग को, जनूसरण मो, मो, उनन अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) की अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. श्री जनान चन्द्र राय बर्मन, ग्रम्बोका पट्टी, सिलचर। (अन्तरक)
- श्रीमती निमला मुन्द्री पाल के०/श्राप्त० श्री मुरेष चन्द्र पाल, जानिग-ज सिलचर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के पर्जन के सम्बन्ध में बोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि,
 जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्षत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखा में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः -- इसर्वे प्रपृत्त णक्वों और पदो का, जो छक्त अधिनयम ह अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहा अबं होता, जो उस अध्याय में दिया गया र ।

अम्सूषी

जमीन का माप दो कट्ठा एक छटाक सोलह गन्डे दो करास दी काम्सीस मकान के साथ जो जानीगंज में सिलचर के व्यापारिक केन्द्र म धीर जिनका दावा सं० 7380, 7378 7361, 7365, 7360, 7364 धार० एस० पट्टा सं० 950 परगाना वारकपार, सौजा सिलचर टाउन मे।

ई० जे० मावलौग सक्षम प्राधिकारी स**हायक गायकर आय्**क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज, *शिन्संग*

नारीख: 27-1-1982

मांहर .

प्रकथ आहाँ ही. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन परिक्षेत्र, बिह्मर, पटना पटना, दिनांक 19 मर्ह 1981

निद्येश सं. ।।। 549/अर्जान/82-83--अतः मृभ्ते, हृदय नारायणः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियभ' कहा गया है), की भाग 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था रांखी स्यूनसपिलटी हाल्डोंग मं 869 (नया) का अंश, एम एस प्लाट सं 758 बी जे सं 758 बी/सी से निर्गत बार्ड मं 1 है तथा जो मौराबादी रोड, ग्राम खबरों गंची में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-9-1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मुद्दे हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तद् प्रतिश्वत से अभिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त जीधनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की क्ष्मारा (1) के अधीन निम्नित्थित व्यक्तियों, अर्थात --- श्री प्रभास क्षार विश्वास (2) भी प्रशांग क्षाण विश्वास (3) श्री प्रभात क्षार विश्वास (4) श्री प्रदृत क्षार विश्वास सभी बल्द स्व के के विश्वास (5) श्रीमती संवलानी विश्वास, विश्वास स्व के के विश्वास, निवासी सिर्कट हाउस गंट श्रान लालपुर, जिला राची, वर्तमान पता-सी. एस. 17/4 गोल्फ ग्रीन अर्वन कस्पलेक्स कलकत्ता-700045

(अन्तरक)

 श्री गोविन्द भगत (2) श्री राम नारायण भगत दोनों बल्द श्री कर्मचन्द भगत, जो अपने मा एवं स्वभाविक अभिभावक श्रीमती मालती भगत द्वारा प्रदर्शित है निवासी करमटोली, थाना लालपुर जिला रांची (अन्तरिती)

को यह स्थान **वारी करके प्राव्या सम्परित को अर्ज**न को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्योकरणः--इसमें प्रयुक्त 'सब्दां और पदां का, वो उक्त अधिनिता के अध्यय 20-स मा परिभाषित हैं। वही अर्थ होगा जो उस अध्यय में दिया गया है।

मन्त्रची

पुराने आवासीय मकान एवं जमीन के कुल रक्षवे 5 कटटे स्हित मौजा मोराबादी राज ग्राम नृषरी राजी में स्थित है तथा पूर्ण रूप से विसिका सं. 1-7521 दिनांक 4-9-81 में विणित है एवं सब रिजस्टार आफ एयोरोन्स कलकत्ता द्वारा पंजीकृत है।

ह्**दय नारायण** स्क्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (रिरोक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीस : 19-5-1982 मो**इ**र :

STIBBEME COURT OF INDIA

New Delhi, the 26th May 1982

No. Γ.6, 82-SCA(1).— The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri R. S. Sun, P.P.S. to Hon'ble the Chief Justice of India as Officiating Deputy Registrar in the Registry of the Spreme Court of India with effect from the forenoon of March, 7, 1982 to April 1, 1982 in the leave vacancy of Shri B. S. Dhawan, Deputy Registrar, from April 28, 1982 to May 12,1982 in the leave vacancy of Shri A.S.V. Raghavan, Deputy Registrar and with effect from May 17, 1982 to June 4, 1982 in the leave vacancy of Shri S. Banerjee, Deputy Registrar, until orders.

H. S. MUNJRAL Deputy Registrar (Admu).

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 15th May 1982

No. A.11016/1/81-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a Section Officer of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk

Officer on ad-hoc basis in the office of the U.P.S.C for a period of 3 rapidls with effect from 3rd May 1982 or until further orders whichever is earlier

2. Shrt II. S. Bhatia shall draw Special Pay Rs. 75/- per month in terms of D.C.P. & A R.O. No. 12 '1 74-CS(I) dated 11th December 1975.

Y. R. GANDHI Under Secretary (Admn) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110066, the 28th May 1982

No. F.2/46/81-/Estt.—The President is pleased to extend the deputation period in respect of Shri S. C. Vidyarathi, an IPS Officer of Madhya Pradesh Cadre, as DIG in CRPF from 18-1-82 to 20-3-82

A. K. SURJ Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 25th May 1982

No. 10/30/81-Ad. 1.—The President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Senior Geographers as Research Officer (Map), on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year, in the office of the Directors of Census Operations in States and with effect from the date as indicated against each or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter:—

Sl. No. Name		Office in which working Headquarters		Date of Appointment			
1 2					3	4	5
1, Shri Md. Abbas .					D.C.O., Bihar, Patna.	Patna	The 26th Feb, 1982 (F.N.)
2. Shri S. R. Puri .	•	•	•	•	D.C.O., Haryana, Chandigarh.	Chandigarh	The 22nd Feb, 1982 (A.N.)
3. Shri Shyam Deo .		•		•	D.C.O., Andhra Pradesh, Hyderabad.	Hyderabad	The 24th Feb, 1982 (F.N.)
4. Shri Madhav Shyam				•	D.C.O., Maharashtra, Bombay.	Bombay	The 18th March, 1982 (F.N)

The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon the officers concerned any claim to regular appear in error of Research Officer (Map). The services rendered by them on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

The 29th May 1982

No. 10/52/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri V. V. Rao, Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Systems Analyst on ad-hoc basis, as Deputy Director (Programme), in the same office, on regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of the 30th March, 1982, until further orders.

2. The headquarters of Shri Rao will be at New Delhi.

P. PADMANABHA Registrar General, India

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 24th May 1982

No. CA-1/40-69.—On their attaining the age of superannuation S/Shri D. P. Baneijee and Manoranjan Nath, Audit Officers (Comml) serving in the Office of the Accountant General-II West Bengal, Calcutta have retired from Government service with effect from 31-10-81 and 30-11-81 respectively.

M. A. SOMESWARA RAO Joint Director (Comml)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 11th May 1982

No. Admn.I/O.O.No. 54.—Consequent on his attaining the age of superanuation, Shri Man Mohan Singh a permanent Audit officer of this office will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-5-1982. His date of birth is 24th May 1924.

No Admn.IO.O. No. 55.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri G. B. Lal a permanent Audit officer of this office will retire from service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-5-1982. His date of birth is 18th May 1924.

SAMAR RAY
Ioint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ΔCCOUNTANT GENERAL (I), M.P. Gwalior, the 17th May 1982

No. OFI/GOs-Promotion/56.—In supersession of this office even Notification No. 510 dated 31-3-1982 the Accountant General-I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to accord proforma promotion to Shri L. B. Singh (02/273) Section Officer as Accounts Officer in the officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1st January. 1982 Forenoon.

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF 1HF ACCOUNTANT GENERAL-I, RAJASTHAN

Input, the 29th May 1982

No Admn II G-Notfn/168—The Accountant General, Rajasthan is pleased to promote the following Selection Grade Section Officers of this office and appoint them as Officiating Accounts Officers with effect from dates noted against each until further orders—

S/Shir

- 1 Ganesh Narain Vyas-16 4-82 (FN)
- 2 Ram Gopal Agrawal-24 4-82 (FN)
- 3 Sukhdeo Kumai Khanna-27 4 82 (FN)

M S SHEKHAWAT Sr Dy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HORS CVIL SERVICE ORDNANCF FACTORY BOARD

The 22nd May 1982

No 27/G/82—On attaining the age of superannuation, Shi K P Sukul, Offg S. O. (Subst & Permt. Asstt.) retired from service wef 31st October, 1981 (AN)

The 22nd May 1982

No 25/G/82.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri Bachcha Singh, Offg Assistant Manager (Subst & Permit Foreman) retired from service with effect from 31st December, 1981 (AN)

No 26/G/82—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri H R Majumdar, Offg Asstt Manager (Subst & Permt Storeholder) retired from service with effect from 30th June, 1981 (AN).

V. K. MEHTA Asstt Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi the 25th May 1982

No A-19018(164)/75-Admn (G) Vol II—The President is pleased to appoint Shri S C Gulati, Assit. Director (Gr I) (Mech) Small Industries Service Institute, Allahabad as Deputy Director (Mech) on Ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Ranchi effect from the forenoon of 12-5-1982, until further orders

The 26th May 1982

No 12(752)/22 Admn (G) —On completion of this tenure of deputation as Technical Adviser with Indian Investment Centre/IDBI, Bhopal from 31-5-1980 to 31-3-1981 and on the expiry of E I from 1 4-82 to 5-5-82 Shri S. R. Singh, assumed charge of the post of Dy Director (Chem.) in the office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 6 5-1982.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi 1, the 26th May 1982

No A-1/2(353)VII—The President is pleased to appoint the following officers who have been officiating as Deputy 22—116 GI[82]

Directors (In II of Indian Supply Service, Group 'A') in the offices mentioned against their names, on ad hoc basis, to officiate as Deputy Directors (Gr. II of Indian Supply Service, Group 'A') on regular basis with effect from 30-9-1981:—

- 1 Shri P N. Soni, DGS&D, Hqrs. office, New Delhi
- 2 Shri S Farukh Hamid,

--do--

- 3 Shri Sughosh Bansal, DS&D, Calcutta
- 4 Shri S. L Sakhuja, DS&D, Bombay
- 5 Shri S. K. Shukla, DGS&D, Hqrs office, New Delhi
- 2. The above mentioned officers on promotion as Deputy Directors of Supplies on regular basis, are placed on probation for two years from 30 9-1981 (FN)

S. L. KAPOOR Deputy Director (Administration)

(ADMN SFCTION A-6)

New Delhi-110011, the 31st May 198

No A-6/247(38) —Resignation of Shri G. Sahadevan, substantive Assistant Inspecting Officer (Engineering) officiating in the grade of Inspecting Officer (Engineering) has been accepted on his permanent absorption with Messrs Richardson & Cruddas Limited, (A Government of India Undertaking) with effect from the forenoon of 1st June, 1980.

N M. PERUMAL Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF STEEL

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 27th May 1982

No EI-2(3)/75.—Iron & Steel Controller hereby appoints Shri Prabir Kumar Basu Roy Chowdhury, Superintendent, on promotion to officiate in the post of Assistant & Iron & Steel Controller in this office wef 22-5-1982 (FN)

S. N. BISWAS
Joint Iron & Steel Controller

DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 25th May 1982

No A19012(3)/76-Estt.A—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri G S. Reddy, Pmt. Assistant Mining Engineer, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines with effect from 28-12-1981 (Forenoon).

B C. MISHRA Head of Office Indian Bureau of Mines

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 15th May 1982

No. 301/18/82-F,F.—In pursuance of Rules 19 and 20 of the 29th National Film Festival of India 1982 Regulations and Rule 15 of the National Awrad for the Best Book on Cinema 1982 Regulations published vide Ministry of Information and Broadcasting Notifications No. 301/18/82-F(F), dated 3-3-1982 the Central Government on the basis of the recommendation submitted by the three National juries have decided to give awards to the following films/producers/directors/artists/technicians/author, namely:—

No. Title of the film and language		Name and address of the Award Winner	Award
1 2		3	4
	ſ,	FEATURE FILMS	
I. Award for the Best Feature Film: DAKHAL (Bengali)		PRODUCER Information & Culcutral Affairs Department, Government of West Bengal, Writers' Buildings, Calcutta-700001. DIRECTOR	'Swarn Kamal' (Golden Lotus' and a cash prize of Rs. 50,000/(Rupees fifty thousand) only. 'Swarn Kamal' (Golden Lotus')
		Shri Goutam Ghose, 24E, Rustomjee St., Calcutta-700019.	and a cash prize of Rs. 25,000/(Rupees twenty five thousand only.
2. Award for the Second Best Feature Film: POKKUVEYIL (Malayalam)		PRODUCER Shri K. Ravindranathan Nair, General Pictures, Quilon-691001, (Kerala).	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 30,000 (Rupees thirty thousand) only.
		DIRECTOR Shri G. Aravindan, 9/1733, Vellayambalam, Trivandrum-695010. Kerala.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cashprise of Rs. 15,000/- (Rupec fifteen thousand) only.
3. Nargis Dutt Award for Best Feature Film on Nati SAPTAPADI (Telugu)		. PRODUCER	'Rajat Kamal' (Silver Lotus
		Shri Bheemavarapu Buchireddy, Jyothi Art Creations, No. 12, Ramanathan St., 'T' Nagar, Madras-600017.	and a cash prize of Rs. 30,000, (Rupees thirty thousand) only.
		DIRECTOR Shri K. Viswanath, No. 2, 6th Cross St., United India Colony, Madras-600024.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus and a cash prize of Rs. 15,000 (Rupecs fifteen thousand) only
4. Award for the Best First Film of a Director: AADHARSHILA (Hindi)		. Shri Ashok Ahuja, 15/20, West Patel Nagar, New Delhi-110008.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus and a cash prize of Rs. 10,000 (Rupces Ten thousand) only.
5. Award for Best Direction: 36 CHOWRINGHEE LANE (English)		. Ms. Aparna Sen, 8C, Sonali Apartments, 8/2 A, Alipore Park Road, calcutta-700027.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus and a cash prize of Rs. 20,000 (Ruppes twenty thousand) only
6. Award for the Best Screenplay: THANNER THANNER (Tamil)	. ,	. Shri K. Balachander, 34, Warren Road, Madras-600004.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus and a cash prize of Rs. 10,000, (Rupees ten thousand) only.
7. Award for the Best Actor OM PURI (AROHAN) (Hindi)	•	Shri Om Puri, 181, Bakshi Niwas, Bhagat Singh Colony, Andheri (East), Bombay.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus and a cash prize of Rs' 10,000/ (Rupees ten thousand) only,
8. Award for the Best Actress REKHA (UMRAO JAAN) (Hindi).		Ms. Rekha, 'Sea Bird' Bandstand, Bandra (West), Bombay-400050.	'Rajat Kamal' (Silver Letus and a cosh prize of Rs. 10,000, (Rupees ten thousand) only.
9. Award for the Best Child Artist LEIKHENDRA SINGH (IMAGI NING) (Manipur)	ГНЕМ)	Master Leikhendra Singh, Thangmeiband, Imphal-795001.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus and a cash prize of Rs. 5,000, (Rupces five thousand) only.

1	2		3	4
10. Award fo 36 C	or the Best Cinematography (Colour HOWRINGHEE LANE (English)) 	Shri Ashok Mehta, Plot No. 60, Sector No. 8, New Bombay, Vashi.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.
	r the Best Cinematogruphy (Black a DRU DARIGALU (Kannada) .	nd White)	Shri S. R. Bhat, Ganesh Mahal Hotel, 18th Cross, Sampige Road, Malleswaram, Bangalore-560055.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.
	r the Best Audiography PATHAYAM (Malayalam) .		Shri P. Devadas, Kerala State Film Development Corporation, Trivandrum-695014.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.
	r the Best Editing: HAN (Hindi)	,	Shii Bhanu Das Divkar, 4th Topiwala Lane, Sharda Building, Room No. 39, Dr. D. B. Marg, Bombay-400007.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/-Rupees ten thousands only.
14. Award for UMR	r the Best Art Direction AO JAAN (Hindi)		Shri Manzoor, Art House Plot No. 58, Irla, Andheri (West), Bombay-400058.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus), and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.
15. Award fo UMR	r the Best Music Direction AO JAAN (Hindi) . ,		Shri Khayyaam, Dakshina Murti, Apartments 71/A, 10th Road, Bombay-400049	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/-(Rupees ten thousand) only.
16. Award for EK. I	the Best Male Playback Singer: DUUJE KE LIYE (Hind)		Shri S. P. Balasubramayam, No. 64, I Cross Street, Kamdar Nagar, Madras-600034.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/-(Rupees ten thousand) only.
	the Best Female Playback Singer AO JAAN (Hindi)	. , .	Ms. Asha Bhosle, 'Prabhu Kunj', Poddar Road, Bombay.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/-(Rupees ten thousand) only.
18. Special Ju SADC	ury Award SATI (Hindı)		Shri Satyajit Ray, Director, 1/1, Bishop Lefroy Road, Calcutta-700020.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus, and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupces five thousand) only.
19. Award for	the Best Feature Films in each Rep	gional Language	B	
		(i) Award for	Best Bengali Film	
ADAI	LAT-O-FKTI-MEYE (Bengalı) .		PRODUCER: Shri D. K. Chakraborty, M/s. D. K. Films Enterprises, P-36, India Exchange Place, Calcutta-700001. DIRECTOR: Shri Tapan Sinha 675, Block 'O', New Alipore, Calcutta-700053.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus), and a cash prize of Rs. 15,000/-(Rupees fifteen thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/-(Rupees Seven thousand & five hundred only).
		(ii) Award	for Best English Film	
36 CI	HOWRINGHEE LANE (English)		PRODUCER: Shri Shashi Kapoor, M/s. Film Valas, 6, Readymoney Terrace, 2nd Floor,	'Rajat Kamal' (Silvor Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand) only

2		3	4
		Dr. A. B. Road, Worli, Bembay-400018 DIRECTOR. Ms. Aparna Son 8C, Sonali Apartments, 8/2 A, Alipore Park Road, Calcutta-700027.	'Rajat Lumal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs 7,500/- (Rupces seven thousand and five hundred only).
	(iii) Award for the	Best Hindl Film	
AROHAN		PRODUCER. Information & Cultural Affairs Department, Govt. of West Bengal, Writers' Building. Calcutta-700001.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/-(Rupecs fifteen thousand) only.
		DIRECTOR: Shri Shyam Benegal, 103, Sangam, Dr. G. Deshmukh Marg Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silvei Lotus) and a cash prize of Rs 7,500/- (Rupees Seven thousand add five hundred) only
	(iv) Award for th	e Best Kannada Film	
PARA		PRODUCER: Shri M. S. Sathyu, B-3, Nehru Nagar, Juhu Tara,	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/-(Rupees fifteen thousand) only.
		Bombay-400049. DIRECTOR: Shri M. S. Sathyu, B-3, Nehru Nagar, Juhu Tara, Bombay-400049.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs 7,500/ (Rupees seven thousand & five hundred) only.
	(v) Award for	the Best Malayalam Film	
ELIPPATHAYAM		PRODUCER Shri K. Ravindranathan, General Pictures, Quilon-691001. (Kerala).	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/(Rupees fifteen thousand) only
		DIRECTOR: Shri Adoor Gopala krishnan, 'Darsanam' Triyandrum-695017, (Kerala).	'Rajat Kamal' (Silver Lotus' and a cash prize of Rs 7,500/-(Rupees seven thousand and five hundred) only
	(vi) Award for the	e Best Manipuri Film	
imagi lingthem		PRODUCER: Shri K. Ibohal Sharma X-Cine, Paona Bazar, Imphal-795001	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/(Rupees fifteen thousand) only.
		Manipur DIRECTOR Shri Aribam Syam Sharma, Thangmeiband Lourungpure Loikai, Imphal-795001, (Manipur)	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs 7,500/- (Rupees seven thousand and five hundred) only.
	(vii) Award for the Best M	arathi Film	
UMBARTHA		PRODUCERS 1. Shri D. V. Rao, B-201, Kalpita Enclave, Sahar, Road Andheri (West), Bombay-400069. 2. Dr. Jabbar Patel, Kurkum Road, Daund,	'Rajat Kamal' (Silver Lotus, and a cash prize of Rs 15,000/(Rupees fifteen thousand) only jointly
		District Pune. DIRECTOR: Dr. Jabbar Patel, Kurkum Road, Daund, District Pune.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus and a cash prize of Rs 7,500/-(Rupees seven thousand and five hundred) only.

1 2		3	4
	(viii) Award for the	e Best Oriya Film	
SEETA RAATI		PRODUCER: Shri Balram Misra, C/o Varatee Pictures, Misra Bhavan, Tulasipur, Cuttack-8 (Orissa) DIRECTOR: Shri Manmohan Mahapatra,	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/-(Rupces fifteen thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
		VR 20 Unit Six, Bhubaneswar-751001, (Orissa).	and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees seven thousand & five hundred) only.
	(ix) Award for the Be	st Tamil Film	
THANNEER THANNEER		PRODUCER	
		 Shri P. R. Govindarajan, Kalakendra Movies, 31, East Abiramapuram, 3rd Street, Madras-600004. 	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupces fifteen thousand) only. jointly.
		(ii) Smt. D. Jayalakshmi, Kalakendra Movies, 31, East Abiramapuram, 3rd Street, Madras-600004 DIRECTOR: Shrl K. Balachander, 34, Warren Road, Madras-600004.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 7,500/-(Rupees seven thousand & five hundred) only.
	(x) Award for	the Best Telugu Film	
SB E THAKOKA CHILAKA		PRODUCER Shri Edida Nageswara Rao, 13, Kamder Nagar, Nungambakkam, Madras-400034. DIRECTOR:	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees fifteen thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
		Shri Bharathi Raja, E-5, Parsn Buildings, Gemini Complex, Mount Road, Madras-600006.	and a cash prize of Rs. 7,500/- (Rupees seven thousand & five hundred) only.
	II. SI	HORT FILMS	
20. Award for the Best Information F FACES AFTER THE STORY		PRODUCER: Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Maig, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000-(Rupees five thousand) only.
		DIRECTOR: Shri Prakash Jha, Films Division, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only.
21. Award for the Best Educational/		PRODUCER: Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/-(Rupees five thousand) only.
		DIRECTOR: Shr B. G. Devare, Films Division, Govt. of India 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/-(Rupees five thousand) only.
22. Award for the Best Promotional HYDRUM	Film:	PRODUCER: Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only.

1	2	3	4
		DIRECTOR Shri Mahmood Quraish _i , Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
	the Best Animation Film THINKER?	PRODUCER Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only.
		DIRECTOR Shri . A. R. Sen, Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal, (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/-(Rupees five thousand) only.
		ANIMATOR Ms. Shaila Paralkar, Films Division, Govt. of India, 24, Dr. G. D. Marg, Bombay.400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees five thousand) only
	the Best Indian News Review: S MAGAZINE NO. 12	PRODUCER Films Division Govt. of India, 24, Dr. G. D Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/-(Rupees five thousand) only.
	m	I. BOOK AWARD	
40. 3	the Best Book on Cinema: IIZ CINIMAVIN KATHAI (Tamil) .	. Shri Aranthai Narayanan, 19/14, Peters Road Colony, Madras-600014.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/-(Rupees five thousand) only,
	IV DADA S	AHEB PHALKE AWARD	
		Shri Naushad Ali, Ashiana, Carter Road, Bandra Bombay-400050.	'Swaran Kamal' (Golden Louts) and a cash prize of Rs. 40,000/-(Rupees forty thousand) only and a shawl.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES.

New Delhi, the 24th May 1982

No. A.12026/38/80(AILHPH) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. Choudburi, Section Officer in the Ministry of Finance, Department of Expenditure (Defence Division), New Delhi, to the post of Administrative Officer in the All India Institute of Hygience and Public Health, Calcutta, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 14th April, 1982, and until further orders.

The 25th May 1982

No. A.12023/7/76 (SJH) Admu.I.—Consequent upon his appointment to the post of Scnior Labour Officer at Naval Headquarters, New Delhi, Shri A. S. Sharma relinquished charge of the post of Public Relation Officer at the Safdarjang Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 30th October, 1981.

The 27th May 1982

No. A.12026/38/80(AIIHPH) Admn.I.—Consequent upon reversion to his parent office, Shri J. M. Bhattacharjee, relinquished charge of the post of Administrative Officer at the All India Institute of Hygience and Public Health, Calcutta, with effect from the forenoon of the 14th April. 1982.

Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi, the 26th May 1982

CORRIGENDUM

No. A.31014/3/82-CGHS.I.—In this Directorate's Notification No. A. 31014/3/82-CGHS.I, dated 31-3-1982, sent with this Directorate letter of even number dated 26-4-1982, kindly

For "14-Dr. N. R. Nair"

Read-"14-Dr. K. N. Radhakrishnan Nair"

P. K. GHAI Dy. Director Admn. (CGHS)

K. BIKRAM SINGH Director (Films)

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION Bombay-5, the 15th May 1982

No. PPED/3(282)/81-Estt.I/6539.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri S. M. Sharma, a permanent Upper Division Clerk in PPED Pool and officiating Assistant Accountant in DAE as Assistant Accounts Officer in this Division in a temporary in the scale of pay of Rs. 650-30-740-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of April 30, 1782 until further orders.

No. PPED/3(282)/81-Estt.1.6540.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K. T. Thomas, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant of Bhabha Atomic Research Centre as Assistant Accounts Officer in this Division in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-

40-960 with effect from the foreneon of May 1, 1982 until further orders.

R. V. BAJPAI General Administrative Officer

Bombay-5, the 14th May 1982

No. PPED/4(788)/79/Admn/6566.—On the expiry of his deputation period, Shii M. S. Mohamed Iqbal, a permanent Section Officer in the Office of CDA(ORs) South Madras and officiating as Asstt. Accounts Officer in this Division relinquished the charge of his post in this decision with effect from the afternoon of April 30, 1982.

B. V. THATTE Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 12th February 1982

ORDER

Ref): NFC/PA.V/2606/2925/284.—WHEREAS Shri Mohd Abdul Majeed, Tradesman A, MTP (EC No. 2925), NFC was remaining absent from duty unauthorisedly (without any intimation/sanction of leave) from 25-11-1980 onwards;

AND WHEREAS a telegram was issued on 3-4-81 to the said Shri Majeed directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. NFC: TP:315 dated 3-4-81 was also sent to him by registered post A. D to his permanent residential address at House No. 5-10-64, Near Police Line, Nizamabad (AP);

AND WHEREAS the said Shri Majeed did not report for duty;

AND WHEREAS another telegram was issued to the said Majced on 31-5-81 with a direction to report for duty immediately;

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. NFC: A-149/505 dated 31-5-1981 sent to him by registered post A. D. to his local address at House No. 20-7-241/4, Inside Danika Bagh, Qazipura, Shah-Ali-Banda, Hyderabad was also returned undelivered by the postal authorities with remark 'Addressee left R/S';

AND WHEREAS the said Shri Majeed continued to remain absent from duty unauthorisedy and thus committed an act of misconduct in terms of para 39(5) of NFC Standing Orders and Rule 3(1) of CCS (Conduct) Rules, 1964;

AND WHEREAS the said Shrl Majeed was informed of the charge and of the action propsed to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/2925/1807 dated 22-10-81:

AND WHEREAS the said memorandum of charge dated 22-10-81 sent by registered post A. D to his above mentioned local address was returned undelivered by the postal authorities with the remark 'party left R/S';

AND WHEREAS the said Shri Majeed continued to remain absent from duty unauthorisedly and did not inform NFC of his whereabouts, which amounted to voluntarily abandoning his service with NFC;

AND WHEREAS, therefore, it became practically impossible to hold an inquiry as provided under the rules;

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case was satisfied that the said Mohd Abdul Majeed was not a fit person to be retained in service and came to the provisional conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Mohd Abdul Majeed;

AND WHEREAS the said Shri Majeed was informed of the provisional conclusion as aforesaid vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/2925/2249 dated 29-12-81;

AND WHEREAS the said memorandum dated 29-12-81 sent by registered post A.D. to his residential address at H. No. 20-7-241/4, Inside Danikbagh, Qazipura, Shah-Albanda. Hyderabad was also returned undelivered by the postal authorities with the remarks 'left R/to sender';

AND WHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case has come to the final conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Mohd Abdul Majeed;

NOW, THEREFORE, the undersigned, in exercise of the powers conferred on him under Rule 19(ii) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 read with para 43 of NFC Standing Orders and DAE Order No. 22(1)/68-Adm.II dated 7-7-79, hereby removes the said Shri Mohd Abdul Majeed from service with immediate effect.

N. KONDAL RAO Chief Executive

Shri Mohd Abdul Majeed H. No. 20-7-241/4, Inside Danikbagh, Qazipura Shah-Ali Banda, Hyderabad

> Shri Mohd. Abdul Majeed H. No. 5-10-64, Near Police Line Nizamabad, Nizamabad Dt.

Hyderabad-500762, the 31st March 1982

ORDER

Ref: NFC/PA.V/2606/2638/653.—WHERFAS Shri G. Narsing, Helper B (E. C. No. 2638), EUOP, NFC has been remaining absent from duty unauthorisedly from 11-12-80;

AND WHEREAS a telegram was issued to him on 29-12-80 directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the said Shri Narsing received the post copy of the telegram bearing No. NFC/PA.II/N-139/2636/EUOP 3383 dated 29-12-80 sent to his residential address was received by him but Shri Narsing did not report for duty;

AND WHEREAS another telegram was issued to him on 6-2-81 directing him to report for duty immediately but Shri Narsing failed to report for duty;

AND WHEREAS by his aforesaid action the said Shri Narsing committed an act of misconduct in terms of para 39(5) of NFC Standing Orders and rule 3(1) (ii) and 3(1) (iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964;

AND WHEREAS the said Shri Narsing was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/2636/929 dated 26-4-81;

AND WHEREAS the charge sheet No. NFC/PA.V/2606/2636/929 dated 26-4-81 sent to his residential address at H. No. 7-1-632/107 Bapunagar Sanjeeva Reedy Nagar, Hyderabad-500038 was returned undelivered by the postal authorities with the remark 'left';

AND WHEREAS the undersigned considered that an inquiry should be held to inquire into the charge framed against the said Shri Narsing and accordingly appointed an Inquiry Officer vide order No. NFC/PA.V/2606/2636/1271 dated 9-7-81;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 13-10-81 stating that an inquiry was held ex-parte as the said Shri Narsing failed to attend the inquiry despite nonces issued to him to attend the inquiry;

AND WHEREAS the undersigned on the basis of records of the case including the inquiry report dated 13-10-81 held the charge framed against the said Shri Narsing as proved and came to the provisional conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Narsing;

AND WHEREAS the said Shri Narsing was informed of the provisional conclusion as aforesaid vide, memorandum No. NFC/PA.V/2606/2636/176 dated 29-1-82;

AND WHEREAS the memorandum dated 29-1-82 sent by registered post A.D. to his above mentioned residential address was acknowledged by the said Shri Narsing;

AND WHEREAS the said Narsing did not submit any representation within the stipulated time;

AND WHEREAS the said Shri Narsing continued to remain absent from duty unauthorisedly (without sanction of leave) which amounted to voluntarily abandoning his service under NFC:

AND WHEREAS the undersigned on the basis of the records of the case including the inquiry report has come to the final conclusion that the said Shri Narsing is not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service should to imposed on him;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 43 of NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm.II dated 7-7-79 hereby removes the said Shri G. Narsing from service with immediate effect.

> G. G. KULKARNI, Manager, Personnel & Admn.

Shri G. Narsing H. No. 7-1-632/107 Bapunagar Sanjeeva Reddy Nagar Hyderabad-500038

DEPARTMENT OF SPACE JSRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560058, the 20th May 1982

No. 020/1(002)/82.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the change of name of Shri N. Haridasan Chettiar, Engineer-SB of ISRO Satellite Centre, Bangalore to Shri N. Haridas, in all Office Records with effect from May 201 20, 1982 he having completed all the formalities connected therewith.

Any reference to all Government records referred to so far as N. Haridasan Chettiar shall be deemed to refer to Shri N. Haridas.

S. SUBRAMANYAM Administrative Officer-II

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 28th May, 1982

No. A. 32013 (Met.)/6/81-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned officers of India Meteorological Department, to officiate as Meteorologist Grade I, in the same Department, with effect from the dates indicated equient their pages and until further orders. against their names and until further orders :-

				Date of assum- ption of charge as Meteorolo- gist Grade I
			<u> </u>	23-11-1981
				10-12-1981
				28-11-1981
				9-11-1981
				9-11-1981
				28-11-1981
				9-11-1981
-1,				9-11-1981
				24-12-198
•				9-11-1981
•				9-11-198
'		·		9-11-198
•	•	Ĺ		9-11-198
٠		·		9-11-198
	•			9-11-198
	•			30-11-198
	•			9-11-198
	•			9.11-198
•	•	•		9-11-198
•	•	•		10-11-198
•	•			9-11-198
•	•	•		20-11-198
•	•	•		21 11-198
	· .			
		a	an	an

No. E(1)00791.—In partial modification of the Gazette notification No. A. 32013 (iii)/2/74-E.I./SFS dated 30-8-1977, Shri M. S. Rajagopulan and Shri S. K. Jain, Assistant Meteorologists of India Meteorological Department are granted proforma promotion to the post of Meteorologist Grade II in the same Department with effect from 12-5-1977 instead of 14-4-1977.

S. K. DAS

Addl. Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th May 1982

No. A. 32013/9/81-E.C.—The President is pleased to appoint the following Technical Officers in the Civil Aviation Department to the grade of Scnior Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. the dates indicated against each and to post them to the stations indicated against each :---

S. Name No.			 Present Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
S/Shrì		 	 		
1. P. Gupta .	,		. RC.D.U., New Delhi	A.C.S., Gauhati	14-4-82 (F.N.)
2. V. Goyardanan			. R.C.D.U., New Delhi	A.C.S., Silchar	1-5-82 (F.N.)

PREM CHAND

New Delhi, the 26th May 1982

No. A.32014/1/81-EW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Vishram Singh, Senior Fite Foreman, (officiating as Assistant Fire Officer on ad-hoc basis) to the grade of Assistant Five Officer in the scale of

pay of Rs. 650-1200 with effect from the 12th April, 1980 on a regular basis and until further orders.

2 Shri Vishram Singh is posted to Civil Aerodrome, Lucknow

E. L. TRESSICR Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay-1, the 29th May 1982

No. St.-2/80-81 —In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1) of Rule 232-A of Central excise Rules, 1944, the name, and addresses, and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by the court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944 and persons on whom a penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are published as follows:—

I. COURT CASES

Statement for quarter ending 31st March 1982

S. No. Name of the persons				Address		The provisions of the Act The amount contravened penalty impos		
	1 2		3		4	5		
				NIL	- <u> </u>			
				II. DEPARTME	NTAL ADJUDICAT	IONS		
S. No		of the erson,	Address	Provisions of the Act or Rules made thorounder contravened	Amount of penalty imposed	Value of excisable goods adjudged by an officer under Section 33 to be confiscated.	Amount of fine in lieu of confiscation under Section 34 of the Act.	
	1	2	3	4	5.	6	7	
1.	Dyoir	Prabhat 1g & ting Works	Sonawala Cross Road, Goregaon, Bombay-63.	Rule 173 F Rule 173G(1) R.W. Rule 9(1) Rule 173G(2), R.W. Rule 52-A Rule 173G(4) R.W. Rule 53 & 226	Rs. 40,000/-	NIL	NII.	

K. S. DILIPSINHJI
Collector of Central Excise,
Bombay-1

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhl, the 27th May 1982

No. 9/82.—Shri G Doraiswamy lately posted as Assistant Collector of Central Excise Madras on Transfer to the South Regional Unit of the Directorate of Inspection. & Audit, Customs and Central Excise vide Ministry of Finance Department of Revenue Order No. 77/82 (F. No. A. 22012/13/82-Ad.II) dated 24-4-1982 took over charge of the post of Assistant Director from Shri H A Pandva well 29 4-8' (F. N.).

S. B. SARKAR Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 24th May 1982

No. A-19012/997/82-Estt. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shi G. L. Dudani Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director [Ass] tant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the afternoon of 3rd April, 1982. On his pit 23-116GI/82

motion Shri Dudani is posted to the Central Electricity Authority, New Delhi.

The 27th May 1982

No. A-19012/1003/82-Estt.V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. S. Randhawa, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months of till the post is filled on regular basis, whichever is enrich with effect from the forenoon of 31st March, 1982.

The 28th May 1982

No. 19012/853/80-Estt.V—Chairman, Central Water Commission hereby apoints Shri S. C. Saraswat, Supervisor 1 officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hobasis in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 initially for a period of six months of till the post is filled on regular basis, with effect from the forenoon of 17th September, 1980.

A. BHATTACHAP V
Under Sec

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 30th April 1982

No. 1/348/69-ECIX.—Shri P.C. Sharma, Architect of this of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30-4-82 (AN).

No 1/348/69-ECIX.--Shri P. C. Sharma, Architect of this Department retired from Government service on attaining to age of superannuation with effect from 30-4-1982 (AN).

Mrs. NEENA GARG

Dy. Director of Administration

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 24th May 1982

CORRIGENDUM

No. 365.—The following amendment may be made in the notice issued by this office under section 269-D (1) and published on page 3441 of the Gazette of India for the week ending 17-6-78

Read "Shri Sanjiy Gupta S o Sh. B. N. Gupta R/o House No. 74, Sector 5A, Chandigarh",

For "Shri Ranjıv Gupta S/o Sh. B. N. Gupta".

SUKHDEV CHAND
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Ludhians.

and bearing

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OI-I-ICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 19th May, 1982

Ref. No. III-549/Acq./82-83—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

part of Ranchi Municipality Holding No. 869 (New) portion of M. S. Plot No. 758B ar marked as No. 758B/C, Ward No. I situated at Morabadi Road, of village chadri, Ranchi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-9-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- 1. (1) Shri Prabhat Kumar Biswas
 - (2) Sri Prasanta Kumar Biswas
 - (3) Sri Prabhas Kumar Biswas
 - (4) Sri Pradyot Kumar Biswas, All sons of Late K. K. Bisawas
 - (5) Smt. Saibalini Biswas widow of Late K. K. Biswas all R/O Circuit House Road, P. S. Lalpur, Distt-Ranchi, Present, Address C. S. 17/4 Golf Green Urban Complex, Calcutta-700045.

(Transferor)

- 2. (1) Shri Govind Bhagat
 - (2) Shri Ram Narayan Bhagat, both sons of Sri Karam Chand Bhagat, represented through their mother and natural guardian Smt. Malti Bhagat, R/O Karam Toli, P. S. Lalpur, Distt. Ranhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sadi property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that part of the old residential building alongwith land measuring 5 Kathas situated on Morabadi Road of villege Chadri, Ranchi morefully described in deed No. I-7521 dated 4-9-81 registered with the Sub-Registerar of Assurance, Calcutta

H. NARAIN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Dated: 19-5-82

Scal:

FORM ITNS---

NO FICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THL INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Paina, the 19th May 1982,

Ref. No. III-550/Acq./82-83—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Inconic-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

part of Ranchi Municipality Holding No. 869(New), portion of Ranchi M. S. Plot No. 758B marked as No. 758 B/B, Ward No. 1. situated at Morabadi Road, of villege Chadri, Rnachi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officet at Calcutta on 4-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lateen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- . (1) Shri Prabhat Kumar Biswas
 - (2) Sri Prasanta Kumar Biswas
 - (3) Sri Prabhash Kumar Biswas
 - (4) Sri Pradyot Kumar Biswas

All sons of Late K.K. Biswas (5) Smt. Saibalini Biswas widow of Late K. K. Biswas all R/O ircuit House Road P. S. Lalpur Distt. Ranchi, Present Address C. S. 17/4 Golf Green Urban Complex, Calcutta-700045.

- 2. (1) Shri Krishna Bhagat
 - (2) Sri Jaydeo Bhagat, both minor sons of Sri Karam Chand Bhagat, Represented thorough their mother and natural guardian Smt. Malti Bhagat resident of Karam Toli, P. S. Lalpru Distt. Ranchi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 MI ANATION 1 the turns and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that part of the old residential building alongwith land measuring 5 kathas situated on Morabadi Road of Village Chadri, Ranchi morefully described in deed No. I-7512; dt. 4-9-1981 registered with the Sub-Registrar of Assurance, Calcutta.

H. NARAIN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date 19-5-1982

Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR, PAIN

Patna, the 19th May 1982

Ret No III-548/Acq/82-83—Whereas, I H NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 - and bearing No pail of Ranchi Municipality Holding No 869 (New), portion of Ranchi M S Plot No 758B marked as No 758 B/A Ward No. 1 situated as Morabadi Road of village Chadri, Ranchi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908-16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 5-9-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is all resaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the alores and property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

hat Kumar Biswas

- (2) Sii Prasanta Kumsr Biswas
- (3) Srt Prabhas Kumar Biswas and
- (4) Sti Pradyot Kumar Biswas
- All sons of Late K K. Biswas
- (5) Smt Saibalini Blswas widow of Late K K Biswas all R/O Citcuit House Road , P S Lalpui Disti Ranchi, Present Address (S 17/4 Golf Green Urban Complex, Calcutta-700045

(Transferor)

- (1) Smt Main Bhagat
 W/o Sri Karam Chand Bhagat
 - (2) Sti Rayındra Nath Bhagat S/o Sit Kaiam Chand Bhagat R/o Karam Toh, P S Lalpui Disti Ranchi (Transfeice)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

I YPIANATION

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that part of the old residential building alongwith land measuring 5 Kathas situated on Morabadi Road of village Chadri, Ranchi morefully described in deed No I-7523 dated 5-9-81 registered with the Sub-Registral of Assurance, Calcutta.

H NARAIN
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Dated 19-7-1982 Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL, PUNE-1

Pune, the 10th May, 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR .Miraj-I/Sept. 81/684/82-83 -Where-as, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 236 situated at Mouje Kupwad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Miraj-I on Sept., 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Auna Appa Bhilwade & Othors 2, At Kupwad,

Tal. Miraj, Distt. Sangli.

(Transferor)

(2) Shri Pratap Krishna Patil,
Chief Promotor of Niyojit Ashray Sahakan Griha
Nirman Society
Vishrambag,
SANGLI.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 236 situated at Mouje Kupad, Tal. Miraj, Distt. Sangli.

(Property as described in the sale deed registered under document. No. 2053 in the office of the Sub Registrar, Miraj-I, in the month of Sept. 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Poona

Date: 10-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNF-1

Pune-1, the 10th May, 1982

Ref. No. IAC/CA5fSR Jalgaon/Nov 81/689/82-83—Whereas, I, R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shot S. No. 240/1 situated at Mehrun, Tal & Disti (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at SR Jalgaon on Nov., 1981

for the apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Shri Rahimuddin Sheruddin Poerjade,
 Through Jafruddin Rahimuddin Peerjade,
 At Mehrun,
 Tal, & Distt Jaigaon

(Transferor)

(2) Shii Dilip Samra(hmal Ganhi, Partner of Samrai Development Corporation Jalgnon, 56, Navi Peth, JALGAON

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or α period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I PI N FION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shet S. No. 240/1 situated at Mehrun Tal. & Distr. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 4180 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon, in the month of No. 1981)

R K. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Ringe, Poor

Date: 10-5-1982

FORM I.T.NS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNF-1

Pune-1, the 30th April 1982

Ref. No. JAC/CA5/SR. Malegaon/Sept. 81/671/82-83—Whereas, J. R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S No 733/B Plot No 16 situated at Camp Road, Malegaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at SR. Malegaon on Sept. 81.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Ramesh chandra G. Shah,
 153, Somwar Peth,
 Malegaon-423203,
 Distr Nasik

(Transferor)

(2) Foreauc Fransport Organisation, Economic House, 1st Flank Road, Chinch Bandar, Bombay-400009

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Farianation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing C. S. No. 733 B Plot No. 16 situated at Camp Road, Malegaon Distt. Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 4256 in the office of the Sub-Registrat. Malegaon in the month of Sept. 81)

R K. AGGARWAL
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Poona,

Date : 30-4-198?

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 1st May, 1982

Ref No. IAC/CA5/SR. Kalyan/Sept. 81/679/82-83---Whereas, I. R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 6 (part) and S. No. 8 (part) C. S. No. 9814 to 9817 Tikka No. 42 situated at Gajbandhan Patharli Tal. Kalyan Distt. Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Kalyan, on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

4-116 GI/82

(1) Shri Chandrakant Ramchandra Deo,

Swapn Manjusha, Gopal Nagar, Dombivili (East), Distt. Thane.

(Transferor)

(2) Mrs Mandakini Suresh Dange, Laxmi Niwas, Kalyan Road, Dombivili (East).

Distt. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 6 (part) & S. No. 8 (part) C. S. No. 9814 to 9817 Tikka No. 42 situated at Gajbandhan Patharli Tal. Kalyan, Distt. Thane.

(Property as described in the sale deed registered unduer document No. 1466 in the Office of the Sub Registrar, Kalvan in the month of Sept. 81)

R. K. AGGARWAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 1-5-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE 1

Punc-1, the 1st May 1982

Rcf. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/Sept. 81/680/82-83—Whereas, J. R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C. S. No. 1945/2 situated at City Jalgaon, Dlstt. Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sr. Jalgaon on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid poperty and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vishwanath Jethmal Saraswat, 117, Navi Peth, Jalgaon, Distt. Jalgaon.

(Transferor)

(2) Sini Ramchandra Dhondiram Kabare, Shri Premraj Dhondiram Kabare, 109, Navi Peth, Jalgaon,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C. S. No. 1945/2 situated at City Jalgaon, Distt. Jalgaon,

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3453 in the Office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of Sept., 81)

R. K. AGGARWAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 1-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE, PUNE-411009

Pune-411009, the 10th May, 1982

Ref. No. 1AC/CA5/Sr. Jalgaon/Sept. 81/687/82-83—Whereas I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shet S. No. 143/1C-2 situated at Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Jalgaon on Sept., 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Yashvant Soma Choudhary, Vitthal Peth, Jalgaon

(Transferor)

(2) Shri Dilip Samrathmal Gandhi, Partner of Samrat Development Corporation Jalgaon, 56, Navi Peth, Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shet S. No. 143/IC-2 situated at Jalgaon. (Property as described in the sale deed registered under document No 3456 in the office of the Sub Registrar, Jalgao in the month of Sept. 1981)

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poonan

Date: 10-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 10th May 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/Sept. 81/686/82-83—Whereas, I, R. K AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shet S. No. 143/1C-1 situated at Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer

at Sr Jalgaon on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shrikrishna Soma Choudhari, Vitthal Peth, Jalgaon.

(Transferoi)

(2) Shri Dilip Samrathmal Gandhi,
 Partner of Samrat Development Corporation,
 Jalgaon,
 56, Navi Path,
 Jalgaon.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shet S. No. 143/IC-1 situated at Jalgaon. (Property as described in the sale deed registered under document No. 3455 in the office of the Sub-Registrar, Jaigaon in the month of Sept. 1981.)

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date: 10-5-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RENGE, PUNE

Pune-1, the 1st May, 1982

Ref. No. I.A.C./C.A.5/S.R. Nasik/Sept. 81/677/82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 440/2 situated at Takli Road, Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik, on September, 1981

15. an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fatteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, to pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Umaji Mahadu Bankar, Near Nasardi Bridge, Bankar Mala.
 Nasik Pune Road, Nasik-422001.

(Transferor)

(2) The Chief Promotor. Ujwal Co-op. Housing Society (Noyojit C/o Zila Marketing Office 431/4, Vishwa Apartment, 3rd Floor, Ashok Stambh, Nasik-422002

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (ii) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 440/2 situated at Takli Road, Nasik (Property as described in the sale deed registered under document No. 4014 in the Office of the Sub Registrar, Nasik in the month of Sept., 1981).

R. K. AAGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Poona

Date: 1-5-1982 Scal.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 1st May, 1982

Ref. No. I.A.C./C.A.5/Sr. Jalgaon/Oct. 81/676/82-83.—Whoreas, I. R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C. S. No. 1973 A & B Plot No. 12 situated at City Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Jalgaon on October, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vijay Gambhirmal Jain, 98, Bhayani Peth, Jalgaon.

(Transferor

(2) M/s. Motimahal Apartments Jalgaon, Partner Shri Mahendrakumar Devichand Jain, Bhavani Peth, Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C. S. No. 1973 A+B Plot No. 12 situated at City Jalgaon,

(Property as described in the sale deed registered under do cument No. 1828 in the Office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of October, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 1-5-1982 Seal |

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 28th April, 1982

Ref. No. I. A. C./C. A.S./S. R. Kalyan/Jan, 8/670/82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000/- and bearing No.

Plot No. 10, S. No. 57 His a No. 28+4K situated at Villag Gajbandhan, Sr. Kalyan, District Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Kalyan on Jan. 21982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Madhukar Balwant Choudhary & Other,
 Aryadeep,
 Kopar Road,
 Dombivali (West),
 District Thane,

(Transferor)

(2) Shri R. B. Malgi, Secretary of Aryodaya Co-Operative Housing Society, Manpada Road, DOMBIVLI (East), District Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 10, S. No. 57 Hissa No. 28+4 K situated at Gajbandhan Patharli, Tal. Kalyan, District Thane (Property as described in the sale deed registered under document No. 9 in the Office of the Sub Registrar, Kalyan in the month of Jan. 1982).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometas
Acquisition Range, Poona,

Date: 28-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Punc-1, the 1st May, 1982

Ref. No. I. A. C./C. A. S./S.R. Karad/Sept 81/675/82-83.- - Whereas, I. R. K. AGGARWAI,

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Old R. S. No. 75/1A/2, New R. S. No. 79/1A/2 situated a^t Kasbe Karad, Tal. Karad, District Satara,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Karad, on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dattatray Mahadeo Sabade, 66, Somwar, Karad, District Satar :

(Tinnsferor)

(2) Shrt Rajaram Shridhai Kotnis, Shiyapnagai Housing Society No. 62, Karad, Distr. Satara.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Old R. S. No. 75/1A/2 new R. S. No. 79/1A/2 situated at Kasbe Karad, Tal. Karad District Satara (Property as described in the sale deed registered under document No. 3224 in the office of the Sub Registrar, Karad in the mouth of Sept., 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Augustion Range, Poona,

Date : 1-5-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, PUNE-1

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

Pune-, the 30th April, 1982

Ref. No. I.A.C./C. A. 5/S. R. Jalgaon/Sept. 81/673/32-82.-- Whereas, I R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shet S. No. 270, situated at Mehrun, Tal. & Distt., Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sr. Jalgaon on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—116G1/82

 Shri Mijawaddin Gayasuddin Pirjade, At. Mehrun,
 Tal. & Distt. Jalgaon.

(Transferor)

(2) Shri Anirudha Vishwanath Patil, Partner of M/s. Sonal Traders, 172, Navi Peth, Jalgaon

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the gaid Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Shot S. No. 270 situated at Mehrun, Tal & Distt. Jalgaon

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3417, in the Office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of Sopt.. 1981).

R. K AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 30-4-1982

Sea!

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE-1

Pune 1, the 1st May 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, C. S. No. 1381/2 situated at Dhule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Dhule on Sept 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Anant Shridhar Phadnis & Others 5, Subhash Nagar Dhule

(Transferor)

- (2) 1. Shri Hotchand Chimanial Rizwani,
- 2. Sou. Kamalabai Chimanlal Rizwani
- Sou, Nirmalabai Hotchand Rizwani 2864, Agra Road Dhule.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing G. No. 5, C. S. No. 1381/2 situated at Dhule.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 864 in the office of the Sub Registrar, Dhule in the month of Sept., 1981).

R. .K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range Poons.

Date: 1-5-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-J

Pune-1, the 1st May 1982

Ref. No. I.A.C./C. A. 5/S.R. Dhule/Nov. 81/682/82-83.~-Whereas, I.R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5 C. S. No. 1381/2 cituated at Dhule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Dhule on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair matket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Hotchand Chimanlal Rizwani & Others 2.
 S. No. 2864, G. No. 3,
 Dhule

(Transferor)

(2) Dr Balwant Sitaram Panat, C. S. No. 1382, G. No. 5, Dhule.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing G. No. 5, C. S. No. 1381/2 situated at Dhule.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3707 in the office of the Sub Registrar, Dhule in the month of Nov. 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Poona.

Date: 1-5-1982

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 30th April, 1982

Ref. No. I.A.C./C.A. 5/S.R.. Malegaon/Sept. 81/672/82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 228/2/3/2 situated at Sangameshwar, Tal. Malegaon, Distt. Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at S. R. Malogaon, on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (6) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prabhakar Manohar Hinge, N. D. C. Colony, Banglow No. 6, Soygaon, Tal. Malegaon, Distt. Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Ramprakash Shiychandrai Agarwal & Others 4, 336, Kalbadevi, 2nd Floor, Bombay-40002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 228/2/3/2 situated at Sangameshw Tal. Malegaon District Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3502 registered in the Office of the Sub Registrar Malegaon in the month of Sept., 1981)

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 30-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Achyut Ramchandra Kulkarni, Shri Uday Achuyt Kulkarni Kulkarni Bungalow, Ghantali Road,

Thane.

(1) Shri Nariman Hormusha Dotiwala,

Noss Baug C3, Nana Chowk, Bombay-400007.

(Transferce)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 30th April 1982

Rcf. No. I.A.C./C. A. 5/S.R. Thane/Sept. 81/674/82-83. Whereas, I R. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

146 Hissa No. 8 (Part) situated at Patlipada, Kolshet Grampanchayat, Tal. & Distt. Thana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

S. R. Thana on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belie/c that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of flotice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 146 Hissa No. 8 (part), situated at Village Patlipada, Kolshet Grampanchayat, Tal. & Distt.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 841 in the Office of the Sub Registrar, Thane in the month of Sept. 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 30-4-1982

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. No. A. C.-6/R-II/Cal./82-83.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

219, situated at Dum-Dum Road, Calcutta-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at R. A. Calcutta on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such stransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

 Shri Nando Gopal Paul, 21/A, Rakhal Mukherjee Road, Calcutta-25,

(Transferor)

(2) Shri Nani Gopal Dutta & Ors. Partners of M/s Priyadarshini of 157, Jodhpur Park, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of No. 219 Dum-Dum Road, Calcutta-28, More particularly described in deed No. 8528 of R. A. Calcutta, dated 30-9-1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta,

'Date: 15-5-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTIA

Calcutta, the 15th May, 1982

Ref. A. C. 4/R-11/Cal./82-83. Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

219, situated at Dum-Dum Road, Calcutta-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Mihir Kumar Paul, 21/A, Rakhal Mukherjec Road, Calcutta-25

(Transferor)

(2) Shri Nani Gopal Dutta & Ors., Partners of M/s. Priyadarshini of 157, Jodhpur Park, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of No. 29, Dum-Dum Road, Calcutta-28, more particularly described in deed No. 8526 of R. A. Calcutta, dated 30-9-1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 15-5-1982

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Sushil Ch. Paul, 21/A, Rakhal Mukherjee Road, Calcutta-25.

(Transferor)

(2) Shri Nani Gopal Dutta & Others, Partners of M/s. Priyadarshini of 157, Jodhpur Park, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. No. A. C.-5/R.- Π /Calcutta/82-83,—Whereas, I K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 219, situated at Dum-Dum Road, Calcutta-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta, on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of 219 Dum-Dum Road, Calcutta-28. More particularly described in the deed No. 8527 of R. A. Calcutta dated 30-9-1981.

K. SINHA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 15-5-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF FICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV: CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. No. A.C.- 7/R-II/Cal./82-83.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 219, situated at Dum-Dum Road, Calcutta-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta, on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26—116 GI/82

(1) Shri Basudev Paul, 21/A Rakhal Mukherjee Road, Calcutta- 25.

(Transferor)

(2) Shri Nani Gopal Duta & Ors, Partners of M/s. Priyadarshini of 157, Jodhpur Par k, Cal cutta.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/5th share of No. 219 Dum Dum Road, Calcutta-28. More particularly described in deed No. 8529 dated 30-9-1981.

K. SINHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 15-5-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Rer. A. C.-8/R-II /Calcutta/82-83.Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 219, situated at Dum-Dum Road, Calcutta-28,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. A. Calcutta on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other, assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

(1) Sri Sunil Ch. Paul, 21/A, Rakhal Mukherice Road, Calcutta-25.

(Transferor)

(2) Shri Nani Gopal Dutti & Ors, Pattners of M/s Pijyadarshini of 157, Jodhpur Park, Calcutti.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of No. 219 Dum Dum Road. Calcutta-28. More particularly described in deed No. 8530 of R. A. Caldated 30-9-1981.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 15-5-1982

Seal -

(1) Panchanan Das

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Metropolitan Development

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1982

Ref. No. 1. R.-175/81-82/SI. 616./I.A.C. Acq. R-I/Cal.—Whereas, I M Ahmad

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 55, situate f at Malanga Lane, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R A Calcutto on 4-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fun market value of the property as aforesaid weeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per Doed No. 7508 dated 4-9-1981 registered before th Registral of Assurances, Calcutta—Property at 55, Malang Lane, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 12-5 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUITA

Calcutta, the 12th May 1982

Ref. No. I. R. 191/81-82/Sl. 617.IAC ACQ R-I Cal.—Whereas, I M. Ahmad

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 situated at Notai Babu Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. A., Calcutta on 2-9-1981

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Pigments and Allied Products

(Transferor)

(2) Chandradıp Saha & Lakshmi Prosad Saha.

(Transferee)

(3) Vendec.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) up any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLYNATION: —The terms and expressions used bettern as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 1, Netai Babu Lane, Calcutta with land measuring 2 cottahs 14 chittacks 41 sq. ft. registered on 2-9-1981 before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Daed No.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 12-5-1982

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Debaprosad Maitra

(Transferor)

(2) Smt. Kalyani Nath

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 14th May, 1982

Ref. No. 1092/Acq. R. (II/82-83.—Whoreas, I M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3 situated at Gobinda Boso Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 2-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Secti on269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of land measuring 1 cottah 3 chittacks 12 sq. ft. with building being premises No. 3, Gobinda Bose Lane, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta—700016

Date 14-5-1982

Scal:

- (1) Smt. Sovana Lahiri
- (Transferor)
- (2) Smt. Kalyani Nath

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May, 1982

Ref. No. 1093/Acq. R.-III/82-83.—Whereas, 1 M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

No. 3 situated at Gobinda Bose Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Calcutta on 2-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HARMARION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of land measuring 1 cottah 3 chittacks12 sq. ft. with building being premises No. 3, Gobinda Bose Lane, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta—700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-5-1982 Seal:

Sear

FORM ITNS----

(1) Sm. Shanti Mayee Maitra

(Transferor)

(2) Smt. Kalyani Nath

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ref. No. 1094/Acq. R.-III/82-83.—Whereas, I M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3 situated at Gobinda Bose Lane, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 2-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paided has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I VPI ANATION: "The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of land measuring 1 cottah 3 chittacks 12 sq. ft. with building being premises No. 3, Gobinda Bose Lane, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Date : 14-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Shri Ratan Prosad Maitra

(Transferor

(2) Smt. Kalyani Nath

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ref. No. 1095/Acq. R-III/8283.—Whereas, I M. AHMAD being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3, situated at Gobinda Bose Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 2-9-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of land measuring 1 cottah 3 chittacks 12 sq. ft. with building being premises No 3, Gobinda Bose Lane, Calcutta.

M AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Javanta Prosad Maitra

(lransferor)

(2) Smt Kalyanı Nath

(Fransferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OLFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCULIA

Calcutta, the 14th May 1982

Ref No 1096/Acq R-III/82-83/Cal -- Wheteas, 1 M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 o 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the ammovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No 3 situated at Gobinda Bose Lone, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Celculta on 2-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and instrument of transfer with the object of .---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the anglesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said LXPI ANA TION Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

All that undivided 1/6th share of land measuring 1 cottah. 3 chittacks, 12 sq. ft. with building being premises No 3, Go-binda Bose Lane, Calcutta

> M AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta

Date 14-5-1982 Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely '~

27-116 GJ/82

(1) Shri Jyotirindra Nath Maitra

(Franferor)

(2) Smt. Kalyani Nath

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ret. No. 1097/Acq. R.-III/82-83/Cal,---Whereas, I M. AHMAD

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, situated at Gobinda Bose Lane, Calcutta

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 2-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th share of land measuring 1 cottah 3 chittacks, 12 sq. ft. with building being premises No. 3, Gobinda Bose Lane, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date 14-5-1982 Seal:

Seal

(2) Smt. Sukrity Dev

FORM I.T.N.S.-(1) Smt. Nirmala Saha

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May, 1982

Ref. No. 1090/Acq. R.-JII/82-83/Cal. - Whereas, J M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No 7, situated at Allenby Road, Calcutta

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at at Calcutta, on 23-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent conideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share of 3 cottahs 3 chittacks 35 sq. ft. with building being promises No. 7, Allenby Road, Calcutta-20.

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-5-1982

Seal .

FORM ITNS ---

1) Saut. Limala Sabi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Tripti Dutta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Rof. 1091/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7 situated at Allenby Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in teh office of Registering Officer at Calcutta on 23-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided half share of 3 cottahs, 4 chittacks, 35 sq. fr. with building being premises No. 7, Allenby Road, Calcutta,

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Onte: 15-5-1982

(1) Mis. Sushila Bala Das

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M. D. Salim

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. No. 1087/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2C situated at Tiljala Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

cation of this notice in the Official Gazette,

Objections, if any, to the acquisition of the said properly

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

preperty within 45 days from the date of publi-

Act, shall have the same meaning as given

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any succome arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been on high cought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 19 i7 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/2th share of land measuring 5K-12 ch. with building being premises No. 2C, Tiljala Lane, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '; of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '—

Date: 15-5-1982

Seal '

(1) Mrs. Sashia Bala Das

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. D. Aslam & Ors

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 15th May 1982

Ref. No. 1088/Acq R-HI/82-83.--Whereas, J M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2C situated Tilajala Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regisering Officer at

Calcutta on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- THE SCHEDULE

All the undivided 1/4th share of land measuring 5K-12 ch. with building being premises No. 2C, Tilajala Lane, Calcutta-19.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-5-1982

FORM I.T.N.S.---

(1) Mrs. Sushila Bala Das

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INC**⊕**ME-ΓAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Ghafoot.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGLAIII, CALCULTA

Calcutta, the 5th May 1982

Rei. No. 1089/Acq. R. III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2C situated at Tiljala Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of land measuring 5 K-12ch with building being premises No. 2C, Tiljala Lane, Calcutta

M. AHMAD
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said. Act, to the following persons namely:—

Dat. : 15-5 1987

Scal:

(1) Shri Sushanta Kumar Paul

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chunilal Phumbhra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May, 1982

Ref. No. 1084/Acq. R.-III/82-83/Cal.--Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, situated at Dover Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Calcutta on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such consideration therefor by more than confideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share of land measuring 19 cottah 5 chittacks 39 sq. st. with building being premises No. 4, Dover Park, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-5-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May, 1982

Ref No. 1085/Acq R.-III/82-83/Cal --- Whereas, J M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

4 situated at Dover Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-

lowing persons, namely ---28-116 GI/82

(1) Sushanta Kumar Paul

(Transferor)

(2) Makhanlal Phumbhra

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share of land measuring 19 cottahs 5 chittacks 39 sq. ft. with building being premises No. 4. Doure Park, Calcutta.

M. AHMAD

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 15-5-1982

Seal ·

(1) Shri Sushanta Kumar Paul

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Brijlal Phumbhra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May, 1982

Ref. No. 1086/Acq. R.-III/82-83/Cal.--Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4, situated at Dover Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor ot pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely —

(a) by any of the aforesaid persons with a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/3rd share of land measuring 19 cottahs 5 chittacks 39 sq. ft. with building being premises No. 4, Dover Park, Calcutta.

M. AHMAD

Competent Authority,
Inspecting Assett Commissioner of Income Tax.

Acquisition Range-III, Calcu

Dute : 15-5-92 Scal :

(1) Biswarup Bose

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Santi Rani Mitra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th May, 1982
Ref. No. 1083/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 49/13B situated at Hindustan Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 21-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring cottah 8 chittacks 2 sq. ft. with building situated at and being premises No. 49/13B, Hindustan Park, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
AcquistionRange-III, Calcutta

Date: 15-5-1982

(1) Shri Bimal Kumar Ghosh

(2) Shri Kanai Lal Chatterjee & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May, 1982

Ref. No. 1082/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 43 situated at Jhil Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipur on 16-10-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforeshid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K-9Ch, with kancha structure being premises at 43 Jhil Road, Calcutta.

M. AHMMD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 14-5-1982

(1) Shri Debendra Ch. Roy & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Ruby Skinex Tradeis.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, CALCULTA Calcutta, the 14th May, 1982

Ref. No 1081/Acq R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 45/1A situated at Shyamsul Huda Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 16-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring an area of 2 cottahs 5 chittacks with building being premises No. 45/1A, Shyamsul Huda Road, Calcutta

M. AHMAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 14-5-1982

Scal:

(1) Smt Ashalata Ghosy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Debabrata Sarkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcuta, the 14th May, 1982

Ref. No 1080/Acq R.-III/82-83/Cal —Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 144 (Ground floor flat) situated at Chaiu Chandra Place East, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Alipore on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fufteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 569D of the said Act to the following persons. namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A flat (ground floor) situated at 114, Chatu Chandra Place East, Calcutta

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date . 14-5-1982 Seal

FORM NO. I.T.N.S.———

(1) Md. Yakub & Ore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chittaranjan Routh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May, 1982

Ref. No. 1079/Acq. R-III/82-83/Cal.—Whereas, I AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1, situated at Colonel Biswas Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 4-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(s) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the equisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as ziven in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2 cottahs with building situated at and being premises No 1, Colonel Biswas Road, Calcutta

M AHMAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date 12-5-1982

Seal ·

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Amiya Kumar Chakraborty

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Mahesh Kumar Saraf Smt. Bimala Devi Saraf Smt. Sushila Devi Saraf Smt. Premlata Saraf

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA Calcutta, the 6th May, 1982

Ref. No. 1078/Acq. R.-III/82-83/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 46/3A situated at Ballygunge Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(M) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring an area of 1 cottah, 14 chittacks being premises No. 46/3A, Ballygunge Place, Calcutta

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the follow-

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA CALCUTTA, the 13th May 1982

Ref. No. T.R.-170/81-82/SI. 623/IAC./Acq. R.-I/Cal,—Whereas, I M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 16, situated at Shakespear Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Culcutta on 9-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
29—116GI/81

(1) Dipak Chandra Lahiri

(Transferor)

(2) Subir Karanjai & Ors.

(Transferee)

(3) Bhabesh Bhaduri

(Persons in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 46 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storeyed building with land area 476 .66 sq. mtr. being divided and demarcated portion of 16, Shakespeare Sarani, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 7682 on 9-9-1981.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I - Calcutta

Date: 13-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ref. No. T.R.-171/81-82/Sl. 622/I.A.C./Acq. R.-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5/2, situated at Seal Lane, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been tansferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

R. A., Calcutta on 8-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sadhangsu Sekhar Chowdhury

(Transferor)

(2) Shri Kalipada Ghosh & Ors.

(Transferee)

(3) Shri Bimal Das and other eighteen tenants.

(Persons in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed tile shed at premises No. 5/2, Seal Lane, Calcutta on land measuring one bigha three cottahs one chittack forteen sq. ft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 7655 dated 8-9-1981.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 14-5-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ret No T.R -157/81-82/SI 621/I A C /Acq R -I/Cal — Whereas, I, M AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 21H situated at Atul Sur Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R A, Calcutta on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gangaram Das & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Gita Devi Bajpai W/o Shri Prosad Bajpai

(Transferce)

(3) Vondor

(Persons in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 K 5 Ch 24 Sft., situated at premises No 21H, Atul Sur Road, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No 1184, dated 30-9-81.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 14-5-1982

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ref. No. T. R.-283/81-82/Sl. 620/I.A.C./Acq. R.-I/Cal. — Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. 5/1A, 5/2A, 5/3A, 5/4A, 5/5A situated at Hospital Street, Calcutta

Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 5-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Dipika Seal.

(Transferor)

(2) Shri Pannalal Shaw

(Transferee)

(3) Tenants.

(Persons in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of partly two storeyed and partly three storied brick built building on a land measuring 6 cottahs 13 chittacks situated at premises No. 5/1A, 5/2A, 5/3A, 5/4A, & 5/5A, Hospital Street, Calcutta registered vide Deed No. 7530 dated 5-9-1981.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 14-5-1982

(1) Sourindra Nath Datta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Malabika Co-operative Housing Society Ltd.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

Calcutta, the 15th May 1982

publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1099/Acq. R.-III/82-83.-Whereas, 1, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No 14, situated at Selimpore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 4-9-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the .said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land measuring 88 cottahs more or less with structure being premises No. 14, Selimpore Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

M. AHMAD Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Ca lcut ta

Date: 15-5-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th May 1982

Ref. No. T.R.-220/81-82/Sl. 625/I.A.C./Acg. R.-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 8, situated at Golap Sastri Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Calcutta on 30-9-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kamal Kumar Auddy & Ors.
- (Transferor)
- (2) Shri Tarak Dutta Misra.

(Transferee)

(3) The purchaser.

(Persons in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed building together with land area of 3 cottahs 4 chittacks situated at premises No. 8, Golap Sastri Lane, Calcutta registered before the Sub-Registrar of Assurances Calcutta vide Deed No. I-8608, dated 30-9-1981.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date 17-5-1981 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 13th May 1982

Ref. No. T.R.-169/81-82/Sl. 624/I.A.C./Acq. R-I/Cal. — Whereas, 1, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16, situated at Shakespeare Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

R. A., Calcutta on 9-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Alok Chandra Lahiri

(Transferor)

(2) Shri Subir Karanjai & ors.

(Transferce)

(3) Bhabosh Bhaduri

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storoyed building at premises No. 16, Shakespeare Sarani, Calcutta on land measuring 476.81 sq. met. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 7683 on 9-9-1981.

M. AHMAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 13-5-1982

FORM I.T.N.S.-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th May 1982

Ref. No. T. R.-282/81-82/Si. 619/I.A.C./Acq. R.-I/Cal.— Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

5/1A, 5/2A, 5/3A, 5/4A, 5/5A situated at Hospital Street Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Smt. Dipika Seal

(Transferor)

(2) Smt. Kewla Devi & Ors.

(Transferce)

(3) Tenants.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Cuapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of partly two storeyed and partly three storeyed brick built building on a land measuring 6 cottans 13 chittacks situated at premises No. 5/1A, 5/2A, 5/3A, 5/4A & 5/5A Hospital Street, Calcutta registered vide Deed No. 7531 dated 5-9-1981.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Duc: 14-5-1982

Scal:

(1) Dhananjoy Roy

(Transferor)

(2) Smt. Manju Mitra

(Transferee)

(3) Tenants

(Persons in Obsupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th May, 1982

Ref. Np. T. R.-196/81-82/SI. 618/I.A.C./Acq. R.-I/Cal.-Whereas, I, M. AHMAD

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 124B Situated at Lalin Sarani, Calcutra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 21-9-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/o:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30-116GI/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly three and partly four storegod brick build building together with land measuring 4 cottahs 3 chittacks 6 sq. ft. at premises No. 124B, Lenin Sarani, Calcutta, registered sudo dod No. 8044, dt. 21/9/81 in the office of Registrar of Assurance, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-I, Calcutta

Date 12-5-1982

FORM JTN.S.-- -- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE Bangalore-560001, the 4th December 1981

No. 382/81-82-Whereas, I, SMT AM. NJU MADAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

No RS. No. 203 plot No 20 situated at Hindawadi, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Belgaum under document number 1069 on 3-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sushila Dhundiraj Domble. R/o No. 95, Road No. 3, Bharatinagar, Shahapur-Belgaum,

(Transferor)

 Shri Phiroze Darabshaw Mohta.
 Smt. Dhun Phiroze Mehta.
 R/o. 203/2/IB, Plot No. 20, Hindawadi, Belgaum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1069 Dated 3-9-1981] Land and building bearing RS. No. 203, Plot No. 20 situated at Hindawadi, Belgaum.

SMT. MANJU MADHAUAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore)

Date: 4-17-1981

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 21st May 1982

No. 62/32772/81-82/Acq Dt; 21-5-82—Whereas, I MANJU MADHAVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. M 2758 & 2759 situated at Gandhinagai, Tumkui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tumkur Document No. 1715 on 7-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C, of the said Ac. (I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri G.A. Shivaswamy, S/o Sn G.N. Ankaleshaiah, 5th Cross, Siddaganga Extension, Tumkur

(Transferor)

(2) Sri H. M. Gangadharaiah, Secretary, Siddartha Education Society Gollahally, Tumkur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1715 Dated 7-9-1981) M. N. New 2758 and 2759, Gandhinagar, Tumkur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date 21-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May 1982

No. C-33/Acq. —Whoreas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. B-4 out of plot No. 12 situated at I.T. College

Crossing, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 12-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Pragatisheel Sahkari Grih Nirman Samiti Limited, C-207, Nirala Nagar, Lucknow.
- (2) Smt. Chandra Lokha

(Transferor)
(Transferec)

(3) Smt. Chandra Lekha

Person in occupation of the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Layout plot No. B-4 out of plot No. 12, Khasra No. 992, I.T. College Crossing Lucknow measuring 5148 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 6340 and the Sale-deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 12-9-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 20-5-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICL OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May 1982

No. 57/Acq.—WHEREAS I A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot out of plot No 12, situated at I.T. College Crossing Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the obsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely

ShrijEmt./Km M/s Pragatisheel Sillett N ner Semili Limited, C-207, Nitala Nagai Lucknow. Ialandhai, the 12th May 1982

(Transferor)

(2) Shri Jai Narain

(Iransferce)

- (3) Above Transferec.
- (4) Personp whome the unpersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of Land No ...out of plot No.12, Khasia No. 992 situated at IT. College Crossing, Lucknow measuring 3680 sq ft. and all that doscription of the property which is menuoned in form 37-G No. 6334 and Salo-deed which have duly been registered in the Office of the Sub-Registrar Lucknow on 18-9-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 20-5-1982

50 tj

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May 1982

No. C-34/Acq.—Whereas, I A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B out of plot No. 12 situated at 1.T. College Crossing, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Lucknow, on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Pragatisheol Sahkari Grih Nirman Samiti Limited, C-207, Nirala Nagar Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Chandra Prabha Bhatti

(Transferee)

(3) Above Transferce.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land No. B out of Plot Nor 12, Ahasra No. 992 Situated at I.T. College Crossing, Lucknow measuring 3530 sq. ft and all that description of the property which is mentioned in form 37-G, No. 6342 and Sale-deed which have duly been registerd in the office of the Sub-Registrar Lucknow in September 1981

(A. PRASAD)

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Rango, Luckno w

Date: 20-5-1982

FORM ITNS- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May, 1982

No.A 108/Acq.— Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No B/5. I.T College Crossing situated at Lucknow

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 18-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) M/s Pragatisheel Sarkari Grih Niuman Samiti Ltd N-207, Cirala Nagai, Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Annapuina Devi

(Transferee)

(3) Smt Annaputna Devi

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Layout plot No. B/5 measuring 5121 sq. ft. out of plot no. 12, khasra No. 992, I.T. College Crossing, Lucknow and all that description of the property which mentioned in form 37-G No. 6336 and Sale-deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrat, Lucknow on 18-9-1981

A. PRASAD

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date 20 5 1982

Seal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-14% 40T, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May, 1982

No. M-134/Acq.-Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. D-58/30, D-58/30a, 30-B and 30-C situated at Sigra. Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Varanasi on 12-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

- (1) Shri Iswar Ganendraswar Shiva Thakur Doity installed in promise No B-8/44-44 A Sonarpura, Vatanasi, through its Shewaits and Trusteos:-
 - 1. Shii Amailendu Sekhar Naskar
 - 2. Shu Ardhondu Sekhar Naskar
 - 4. Sha Nabendu Sekhar Naskar
 - 4. Sho Purendu Sekhar Naskar
 - 5. Shri Bimalendu Sekhat Naskai

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Mann Agarwaj 2. Sri Mukund Rai Kataria

 - 3. Sri Bal Govind Agarwal

(Transferee)

(3) Above transferees.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I YELLNAFION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land with building bearing premises No. D-58/30 D-58/30 A, D-58/30-B and D-58/30-C measuring 23462 sq. ft. equivalent to 2,181-95 sq. mts. situated at SIGRA, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the Sale Deel which has duly been registered in the Office of the Sub-Registers, Varanasi on 12 9-1981.

A. PRASAD

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 20-5-1982

 M/s Pragatisheel Shakari Grih Nirman Samiti Ltd, C-207, Nirala Nagar Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Jai Shree Pandey

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Above Transferee (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 20th May 1982

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

G.I.R. No. J-56/Acq.—Whereas I A. PRASAD being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

No. A-13 out of plot No. 12 situated at 1.T. College Crossing, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi at Lucknow on 29-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of Land No. A-13, out of plot No. 12, khasra No. 992 situate at I.T. College Crossing, Lucknow measuring 2030, sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 6566 and Salo Deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar Lucknow on 29-9-1981.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—116GI/82

Date: 20-5-1982

FORM I.T.N.S.-

 Shri Pragatisheel Shakari Girh Nirman Samiti Lt⁴, C-207, Nirala Nagar, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Santosh Dixit.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Smt. Santosh Dixit
(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May 1982

No. S-230/Acq.-Whereas, I A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No B/3 out of plot No 12 situate at IT College Crossing, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Lucknow on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Layout plotNo. B/3 out of plot No. 12, khasraNo. 992, Situate at I.T. College Crossing Lucknow measuring 2006 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in form 37 G No 6338 and Sale Deed which have duly been Registered in the office of the Sub-Registrar Lucknow in Sept 1981.

A PRASAD

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incom: Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 20-5-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 25th May 1982

No. K-108/Acq.—Wheras, 1 A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of '961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

No. B-1/1, Kursi Road, Mahanagar situate at Extension Housing Scheme, Kursi Road, Lucknow.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 19-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nirmala Devi

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Karuna Tiwari
 - 2. Prabhakar Tripathi
 - 3. Sudhakar Tripathi
 - 4. Vivek Tewarı

(Transferce)

(3) Above transferee.

Person in occupation of the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used aerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease-hold rights in plot No. B-1/1, measuring 7,000 sq. ft. situated at Kursi Road, Mahanagar Extension Housing Scheme Lucknow and all that description of the property which is montioned in the Sale-Deed and form 37-G No 5973 which have already been registered in the office of the Sub-Registra Lucknow on 19-9-1981.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Cimmissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 25-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May 1982

No. N-47/Acq.—Whereas I A, PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 253/1, Vill. Tulsipur situated at Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 26-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excessis the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shrl Lal Bahadur Misra
 - 2. Lallan
 - 3. Man Bahal Singh
 - 4. Rama Dhar Singh

(Transfero)

(2) M/s. Navodit Sahkarı Avas Samiti Limited Varanasi, through its Secretary— Shri Bhunesh War Prasad, Regd. Office CK-65/190 Bari Peari, Varanaşi.

(Transferce)

(3) Above Transferee.

(Person in occupation

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire plot admeasuring 63881 sq. ft. out of plot no. 253/1 situated at Village, Tulsipur, Pargana Dehat Amanat, Distt Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the Sale Deed and form 37-G No. 42/1981 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar Varanasi on 26-10-82

A. PRASAD
Competent Authority
Lespecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 20-5-1982

Scal:

FORM LT.N.S.-

(1) Smt. Chandra Lekh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Pragatisheel Sahkari Grih Nirman Samiti Limited, C-207, Nirala Nagar, Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Above Transferee.

Person in occupation of th property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th May 1982

No. P-92/Acq,—Whereas I. A. PRASAD

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No B-4 out of plot No. 12 situate at I.T. College Crossing, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Lucknow on 14-10-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'l property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of Land No. B-4 out of plot No. 12, Khasra No. 992, situate at I.T. College Crossing, Lucnow measuring 5148, sq. ft. and all that description of the property which is mentined in form 37-G No. 6894 and Sale-deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Liucknow on 14-10-1981.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range. Lucknow.

Date: 20-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1879 Acq. 23-I/82-83 -- Whereas, I R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 997 paiki land situated at Village Vajepur, Tal. Morvi, Dist. Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Morvi on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dabhi Mohan Lana; Behind Narsang Tekri, Vajepur, Vadı, Tal. Morvi, Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jayantılal Haribhai Patel;
At Village Motimarad, Tal. Morvi,
(2) Shri Nathalal Gokaldas Patel etc.
at Village Motimarad Tal. Dhoraji at present Morvi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 6 Vighas situated at S. No. 997 at village Vajepuri; Tal. Morvi, duly registered by Sub-Regisrar, vide sale-deed No. 4258 registered in Sept., 1981.

R.R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 26-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Vimlaben Dhanjibhai through P.A. Holder;
 Shri Tribhovandas Ishwarbhai Amin, Kalawad Road, Rajket

(Transferor)

 Smt. Jayaben Mohanlal etc., Behind Galaxy Cinema; Swastik Society, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th April 1982

Ref. No. P.R No. 1880 Acq. 23-1/82-83 -Whereas, IR. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

S. No. 402, Plot No. 16 paiki Umakant Pandii Udhyognagar, Gondal Rd., Mandvi Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raikot on 1-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 600 sq. yds, situated at Umakant Pandit Udhyognagar, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 6480 dated 10-9-1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 26-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 19th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1590 Acq. 23-II/82-83—Whereas, I R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 264, Wd. No. 2, Malesar Maholle, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sheth Faramroz Kersasji Golwala; Roshanben Nariman; Faraben Faridun Kelawala; Rustom Bag, Bayculla, Bombay.

(Transferor (s)

- (2) 1. Parbhuram Shivlal;
 - 2. Chandanben Parbhuram;
 - 3. Shirishkumar Parbhuram:
 - Vinodkumar Parbhuram;
 Ambawadi, Kalipool, Surat.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Malesar Mahollo, Wd. No. 264, Wd. No. 2, Surat registered in Sept., 1981.

R.R. SHAH
Competent Authority,
Commissioner of Income-tax,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 18-5-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 19th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1591 Acq. 23-II/82-83---Whereas, I R.R. SHAH

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 4403, Chhapgar Sheri, situated at Sagrampura, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

on September 1981.

of the Registering Officer at Surat

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
32—116GI|82

(1) 1. Chhampaklal Manilal Chapgor;

 Prabhaben Champaklal Chhapgor; Sagrampura, Chhapgor Sheri. Surat.

(Transferor) (s)

1. Shri Arvindbhai Mangubhai Shah;
 2. Smt. Mrudulaben Arvindbhai Shah;
 Jyoti Flats,
 Kala Mehta Sheri,
 Sagrampura, Surat

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 4403 Chhapgor Sheri, Sagrampura Surat, registered in Sept.,1981.

R.R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19-4-1982

Cast.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-38009, the 19th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1592 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 1059, Near Adarsh Society, Situated at Athwa, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat in September 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:-~

 P.A. Holder of Puspaben Dolatbhai Patel; Dr. Ramanlal Kalidas Desai; Adarsh Society, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)(s)

(2) President and Secretary of Asiana Park Apartment Coop, Housing Society;
1 Shri Yogesh Shantilal Contractor;
Daria Mahal, Chok Bazar, Surat
2. Shri Ashok Dwarkadas Adhikart,
Pani-nl-Bhit,
Soni Falia,
Surat,

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1059, Near Adarsh Society, Athwa Lines, Surat registered in Sept., 1981.

R.R. SIIAH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 19-4-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD 380009

Ahmedabad, the 20th April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1852 Acq. 23-I/82-83---Whereas, I R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Natvernagartal. Vadia, Near Bagasara, Dist. Amreli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amreli on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disciosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely .——

- Vorabal Rukanbai Abdulhussainbhai; Bala Pirni Sheri, Village Badasara, Dist. Amreli.
- (Transferor) (s)
- (2) Shri Manojkumar Amratlal Dhanak; through Guardian Shiri Amratlal Girdharlal Dhanka; In Bazar, Villago Bagasara, Dist. Amreli.

(Transferee) (s)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (d) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

LXPI ANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm.-472 sq. yds. situated at Natvernagar near Bagasara, Tal. Vadia, Dist. Amrell., duly registered by Sub-Registrar Vadia, vide sale-deed No. 908/Sept.,f981.

R.R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-4-1982

Seat :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Lallubhai Park,
Andheri, Bombay-58,

(Transferor) (s)

(2) Shri Rameshchandra, C. Modi;

(1) Shri Shailendra Jaswantrai Anjaria & another;

(2) Shri Rameshchandra, C. Modi;
 L.D. Engineering College Quarters,
 Navrangpura,
 Ahmedabad.

ai kunth Coop. Housing Society,

(Transferee) (s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1853 Acq. 23-I/82-83--Whereas, I. R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. S. No. 154-2, FP. No. 259-2, TPS. 20, situated at Kocharab, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexd hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 622 sq. yds. situated at Kocharab, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed No 11080/11-9-81 i.e. property as fully described therein.

R.R. SHAH
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ts x
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-4-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Jagdishbhai Kuverlal Patel;
 Kalyan Society,
 Ellishbridge,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Lilaben Ashwinkumar Patel; 222-6, Patel Park Stadium Road, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD Ahmedabad, the 22nd April, 1982

Rof. No. P.R. No. 1854 Acq. 23-I/82-83---Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. FP No. 676-TPS. 28, situated at Wadaj, Ahmodabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 11-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicehever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 659 sq. yds. situated at Wadaj. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 3273/11-9-81.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedaab.d

Date: 22nd April, 1982

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
Seal:

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Hargovandas Kuverbhai Patel; 8, Kalyan Society, Ellis bridge, Ahmedabad-6.

(Transferor)

(2) Smt. Dahiben Parshottamdas; 222-6, Near Patel Park Stadium, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Rof. No. P.R. No. 1855 Acq. 23-I/82-83 —Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

FP. No. 676, TP S. 28, situated at Wadaj, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 11-9-1981

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferar to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm.659 sq. yds. situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 3275/11-9-81.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI'-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1856 Acq. 23-1/82-83—Whereas, I, R.,R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. 1681-A-2, Shahpur Wd. 2, Sheet No. 41, C. No. 760-C situated at Nagar Sheth's Vanda, Gheekanta Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-9-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Mahendra Lalbhai; Pattanis Khadki, Zaveriwad, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shrì Chandrakant Gulabehand Shah; Nagar Sheth's Vando, Gheekanta, Ahmedabad

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 92 ·4 sq. yds. situated at Nagarsheth's Vando, Gheekanta, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed No. 9564/65 dated 17-9-1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-4-1982

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref. No. PR. 1857 Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, R R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F. P. 146 paiki, TP S. 6, Sub-Plot No. 3 paiki situated at Paldi. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: ---

Narhariprasad Mahashanker Trivedi;
 Harishkumar Narhariprasad Trivedi;
 Both at"Narhari Bhuwan", Paldi,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Harish Apartment Paldi Coop. Housing Society (Proposed), Promoter: Shri Ghanshyamlal J P ndva; Raikhad, Kanya Shala No 5, Tokersha's Pole, Jamalpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 206 sq. mts 493 ·65 sq. yds. & 206 sq. mts. situated at Paldi, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed Nos. 11124, 11125 & 11122 /18-9-81.

R.R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 22-4-1982

FORM NO. ITN S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref No PR No 1858 Acq 23-I/82-83—Whereas, I, R R SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/-and bearing No

FP No 394+400+401 paiki, Sub Plot No 19, Sub Plot No 19-A TPS, situated at Changispur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

33-116GI|82

- (1) J. Shii Rajiybhai Romeshchandia Parikh,
 - 2 Shri Rameshchandia Jagmohandas Parikh,
 - 3 Smt Vijyaben Ramesh Chandra Parikh,
 - 4 Shri Sanjeevbhai Ramesh chandra Paiikh Vande-matiam Flats Alkapuri, Ahmedabad

(Transferor)

(2) 1 Smt Praviniben Shuleshbhai,
 2 Shri Saileshbhai Bansilal Paiikh,
 'Jaldarshin Society, Opp Natiaj Cinema,
 Ashram Road,
 Ahmodabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm 532½ sq yds situated at Changispur Ahmed ibad duby registered by Sub-Registrai, Ahmedabad vide sile-121 No. 3588 358) 3593 & 3594/21-9-81

R R SHAH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I, 'Ahmedabad

Date 22-4-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(2) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref No PR No 1859 Acq 23-1/82-83—Whereas I, R R SHAH

being the competent authority under Section 269D of the Income tix Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market valuexceeding Rs 25 000% and bearing

No FP No 27-1, Sub-Plot No 20 paiki Fastern side TPS 4 situated Maninagai, Ahmadabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 24-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the cids the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons number to be a said Act, to the following to

 Shri Savalram Dalaji Nagai, Kankaria Road, End of Gordhanwadi, 'Nagar Bhuwan'', Maninagai Ahmedabad

(Transferor)

(2) Shri Tanskukh A Rathi & another, 46, Rajendra Park Society, Odhav Road, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building standing on land adm 210 sq yds situated at Maninagar, Ahmedabad duly rogistered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale deed No 11523/24-9-81

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 22-4-1982 Seal __=

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF ICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1860 Acq. 23-1/82-83—Whoroas, I, R.R. SHAH,

being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act. 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 193 +194, FP. 328, Sub-Plot No. 10, TPS. 21, Paldi, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 25-9-1981

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Sejal Construction; through: Partner Shri Satishchandra Budhalal Shah; Near Geeta Baug,

C.G. Shah Road Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Kirtibhai S. Voia; B-1, Jayasadan, Juhu Scheme Road, No. 3, Vile-Parle, West, Bombay-56.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, adm. 84 sq. yds. built up area situated at Paldi Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vid sale-deed No. 8653/25-9-81.

R. R. SHAH,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 22-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITNON RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1861 Acq. 23-I/82-83---Whoreas, I, R.R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 193+194, FP. 328, Sub-Plot No. 10, TPS. 21, situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sejal Construction:

through: Partner Shri Satishchandra Budhalal Shah; Near Geeta Baug, C.G. Road, Paldi,

C.G. Road, Paidi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Lilavati Bhanuprasad Vyas & another, Smruti Apartment, Flat No. 8, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, adm. 84 sq. yds. built up area situated at Paldi, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No.-8937/25-9-81.

R.R. SHAH,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tar
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-4-1982

FORM I.T.N.S .---

NOTIFE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD Ahmedabad, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1862 Acq. 23-I/82-83-Whereas, I, R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 387 paiki, Sub-Plot No. 20-23 paiki, Unit No. 3, TPS. 19 situated at Shajkhpur, Khanpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ahmedabad on 29-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sarlaben Chaturbhar Patel; through: P.A. Holder; Shri Dineshchandra Chandulal Shah; Girish Patel & Co., Nehru Park, Vastrapur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shii C. P. Pande, Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used nerein as the defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12 having built up area of 113 sq. yds., situated at Shaikhpur Khanpur, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar Ahmedabad vide sale-deed No. 11651/29-9-81.

R.R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asatt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 22-4-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, -I AHMLDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1863 Acq 23-I/82-83—Whoreas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 387 paiki, Sub-plot No. 20-23 paiki, Unit No. 3, TPS, 19 situated at Shaikhpur-Khanpur, Ahmodabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sarlaben Chaturbhai Patel;
 Through: P.A. Holder;
 Shri Dineshchandra Chandulal Shah;
 Girish Patel & Co.,
 Nehrupark, Vastrapui,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri M. M. Singh, D-6, Samarpan, Gulbai Tekra, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 having built up area of 119 sq. yds. situated at Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 11652/29-9-81.

R. R.SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquision Range-I Ahmedahad.

Date: 22-4-1982

FORM ITNS----

NOTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, AHMFDABAD-380009

Ahmedabad, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1864 Acq. 23-1/82-83 -Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

FP 387 paiki, Sub-Plot No. 20-23 paiki, Unit No. 1, Flat No. 4 situated at TPS. 19, Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Ahmedabad on 29-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execteds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sarlaben Chaturbhai Patel; through: P.A. Holder; Shri Dineshchandra Chandulal Shah, Girish Patel & Co., Nehrupark, Vastrapur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri G.S. Nayyar & another;5, Suvarna Nagar,Nayrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

FARIANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, having Guilt-up area of 113 sq. yds. situated at Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 11653/29-9-81.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-4-1982

Scal:

I ORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1865 Acq. 23-I/82-83 - Whereas, I, R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

FP. No. 623, Sub-Plot No. 8, TPS. 3, situated at Kocharab, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rasiklal Nareshchandra Shah; Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Navinchandra Kantilal Shah & another, Gulbai's .Tekra, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, standing on land 1307 sq. yds, situated at Kocharab, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 15512/3-9-81.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-4-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April, 1982

Ref. No. .R. No. 1866 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

183 paiki, Sub-plot No. 6-A, TPS. 26, situated at Vasana, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Almaedabad on 8-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34—116 GI/82

(1) Shri Talsibhai Bhalabhai Patel; Village: Vasana, Dist. Ahmedabad

(Transferor)

(2) Tulsi Apartment Owners Assn. President: Jayendra Manilal Tripathi; Village Vasana, Dist. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, standing on land 631:50 sq. yds, situated at Vasana, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 10684/3-9-81.

R.R. SHAH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-4-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1867 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

150-1, 151-1, 151-2, 151-3, paiki TPS. 20 FP. 300-3 205 P sltuated at Kocharab, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 10-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the proper as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

 Shri Jayantilal Vallabhji Hirani; "Hirani Niwas", Opp. Post Office, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Srinath Apartments Association; Secretary: Shri Kishore Shamji Potaliya, Nawa Wadaj, Ahmedabad.

President: Hasmukhlal Jayantılal Shah;

Vasna, Ahmedabad.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm.-563 sq. yds, situated at Kocharab, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, vide sale-deed No. 11040/10-9-81.

R.R. SHAH

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Aquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-4-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1868 Acp. 23-I/82-83-Whereas, I R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 184+185, Paiki Sub-Plot No. 22, TPS. 21, situated at Paldi, Ambawadi, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 11-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Shri Mukeshbhai Navinchandra Patel;
 Bunglow No. 10, 2nd Lane, Panchvati,
 Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor) (s)

Smt. Indumatiben Krishnaprasad Parikh;
 Shri Krishnaprasad Ochhavhal Parikh;
 of Saikrupa Apartment, Flat No. 3,
 Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferce) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat having q. mts. 121 built up area situated at Ambawadi, Ahmedabad, duly registered by sb-Registrar, Ahmedabad, vide Sale-deed No. 11120/11-9-61 i.e. property as described therein.

R.R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-4-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1869 Acq. 23-I/82-83-Whereas, I R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

846 Vejalpur, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alimedabad on Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conseniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of (1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely '---

(1) Shri Dahyaji Bhaiji; Village Vejalpur, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)(s)

(2) Minal Rameshbhai; Village Shahwadi, Dist. Ahmedabad.

(Transferce)(s)

(3) As per Sr. No. 2 above [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned; :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 4 A-31 G. situated at village Vejalpur, Dist. Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 2287/Sept., 1981 i.e. property as fully described therein.

R.R. SHAH

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 22-4-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 22nd April, 1982

Ref No. P. R No. 1870 Acq. 23-1/82-83—Whereas I R, R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1866 situated at Khadia Wd. 3, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 82-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Dealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Vimalaben Jeshingbhai;
- Nitinbhai Bhagubhai Sankdi Sheri, Manek chowk, Ahmedabad.

(Transferor)(s)

- 1. Chhayaben Uttamrao;
 - Diptiben Aswinkumar; both at Soni's Khadkı, Manek chowk, Ahmedabad.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

FARMATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing S. No. 1866 of Khadia Wd. 3, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 10996/28-9-81.

R R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Ahmedabad).

Dated : 22nd April, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I AHMEDABAD Ahmedabad-380009, the 22nd April, 1982

Ref. No. P. R. No. 1871 Acq 23-1/82-83---Whereas, I R. R. SHAH.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No FP. No. 323, Sub-Plot No. 2, Hissa No. C & B situated at Dariapur-Ka ipur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-9-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

I. Rajitbhai Subhashbhai,

(Transferor)(s)

- Suvitbhai Subodhbhai,
 Both at Opp.
 Shahibaug Police Stadium,
 Ahmedabad.
 - Ratan Apartments;
 C/o. Subodhbhai Mangaldas;
 Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferce) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 690 sq. mts. and building standing on land 286 sq. mts. situated at Darispuc-K-zipur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registerar, Ahmedabad vide sale-deed No. 10876 and 10879/25-9-81.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I,
Ahmedabad

Dated 22nd April, 1982 Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I AHMEDABAD

Ahmedahad 380009, the 22nd April, 1982

Ref. No. P.R. No. 1872 Apq 23-1/82-83-Whereas J. R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. FP. No. 101, Sub-Plot No. 1 paiki 2 & 3 paiki situated at Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedahad on 10-9-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald

instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tranfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the gtoresaid monerty by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jag 14-C, Sardar Kunj Society, Nr. Bahai Centre, Shahpur, Ahmedebad,

(Transferor (s)

(2) Saurashtra Emponum; through: Partner Shri Dhunsukhlal Harjiyanbhai; Vaghela & others; Heisiddh Chambers, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop adm. 307 sq. ft. situated at Shaikhpur Khanpur, Ahmedabad, duly registered by Sub Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No.# 11031/10-9-81.

> R. R. SHAH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad.)

Daed: 22nd April, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April 1982

Rcf No. P. R. No. 1873 Acq. 23 J/82-83—Whereas. 1 R.R. SHAH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 448-2-1/448-2-2 paiki situated at Village Bodakdev, Dist. Ahmedabad

(an i more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1906) in with Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaiting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kankuben Govindbhai Somabhai; Village Bodakdev, Dist. Ahmedabad.

(Transferor(s)

(2) Shri Sagarbhai Kalyanbahai Raika; C-1, Vasundhara Apartments, Opp. Navrangpura Market, Ahmedabad.

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 2400 + 2339+2400 sq. yds. situated at village Bodakdev. Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 11141/11142/11146/14-9-81.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmeddabad.

Deted 22 nd April, 1982: Scott.

Smt. Vidhyagauri Prahladbhai Mody;
 "Kuberniwas", Raikhad, Ahmedabad.

(2) Srinagar Saijpur Coop. H. Socy.

(Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE I AHMEDABAD

Ahmodabad-380009-- the 22nd April 1982

Ref No. P. R. No. 1874 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 376-6, 376-7 & 376-3 situated at Saijpur Bogha, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—116GI/82

C/o Manojkumar Hirabhai Patel; 6-A, Pratikunj Society, Ambawadi Bhadarpura Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the sai d property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 29 guntha palki 1/2, 29 guntha palki 1/2, 0-15 G, and 0-12 G. situated at Saijpur Bogha, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed Nos. 11257, 11258, 11205, 11266, 11254, 11255, 11259/16-9-81.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated; 22nd April, 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April 1982

Ref. No. P. R. No. 1875 Acq 23-1/82-83--Whereas, I R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/No. 412 & 421—TPS. 10—FP. 46 Sub-Plot No. 4-B situated at Rakhial, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering office at Ahmedagad on 24-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Manchharam Dhulabhai Datania;
 Village Rakhial,
 Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

Pradip Industries;
 Sole Proprietor:
 Mausukhbhai C. Panchal;
 Nehrupark Society,
 Gomtipur,
 Ahmedabad-22.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a preiod of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1100 sq. yds. situated at Rakhial TPS. 10, Ahmedaban duly registered by Sub-Registra, Ahmedabad vide sale-deed No. 8464/24-9-81.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated: 22nd April 1982.

Scal:

FORM NO. I.T.N S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1 AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April, 1982

Ref. No P R No 1876 Acq. 23—I/82-83—Whereas, I R. R SHAH

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No 6, Sheet No 229, Sanand Nos 2146 to 52 situated at Ambawadi Road, Opp Kilol Bal Mandii

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 16-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration detailed that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- Smt. Prabhavati Balwantrai Jam, Subhashnagar, Nr Khodiyar Temple, Bhavnagar.
- 2 Shri Kishorchandia Balwantiai Jani, B iirataigar, Bemalia, BlockNo. 766, Bhavnagai
 - Shri Jagdishchandra Balwantrai Jani, Subhashnagar, Nr. Bhodiyar Temple, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shah Bhupendra Viajlal & others; Piot No. 945, Opp Hirabhuvah Dawn, Bhavanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Bullding plot No 1195 situated Opp. Kilol Bal Mandir, Ambawadi Road, Bhavnagar bearing R No 2308 dated 16-9-81 of Sub-Registrar, Bhavnagar

R.R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Rango I,
Ahmedabad.

Dated: 22nd April, 1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1982

Ref No. P. R. No. 1877 Acq. 23-I/82-83—Whereas, I, R.R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 402, Plot No. 15 paiki situated at Umakant Pandit, Udhyognagar, Gondal Rd. Mandvi Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer Rajkot on 6-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Chandrikaben Tribhovandas; Kalawad Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s. Liberal Engg. Works;Para Bazar, Rajkot

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perior of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. sq. yds 760 situated at Umakant Pandit, Udhycunagar, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot vide sale-deed No. 6386 dated 10-9-81.

R.R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I,
Ahmedabad,

Date: 23-4-1982.

ocal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1982

Ref No. P. R. No. 1878 Acq. 23-I/82-83-Whereas, I R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 402, Plot No. 15 paiki situated at Umakant Pandit, Udhyognagar, Gondal Rd. Mandvi Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot on 6-8-1981

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accurated property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chandrikaben Tribhovandas; Kolawad Rood Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Dayaben Manharlal; Para Bazar, Rajkot.

(Transforee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this radice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

1 XPI (NATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. sq. yds. 480 situated at Umakant Pandit, Udhyognagar, Rajkot, duly registered by Sub-Registrar Rajkot vide sale-deed No. 6384 dated 10-9-81.

R.R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Date: 23-4-1982.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-*IONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th April 1982

Ref. No. P. R. No. 1605 Acq. 23-II/82-83—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 101/2, 101/3, 101/4 (P), 132/2, 132/3, 132/4, 132/5, 132/6/7, 132/8, 132/9, situated at Dungari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on Sept. 1981

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

Shri Vasantlal Bhanjibhai;
 Vapi,
 Tal· Pardi.

(Transferor)

(2) Shri Mohmad Tahoi Bawamiya; Byculla, Bombay.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 101/2, 101/3, 101/4, 132/2, 132/3, 132/4, 132/5, 132/6/7, 132/8, 132/9 at Dungari, registered in Sept. 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I,
Ahmedabad.

Dated: 24th April, 1982

Villago : Chhiri, Tal. Pardi, Dist. Bulsar.

(2) Rama Pulp & Paper Pvt. Ltd.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

812, Rahoja Chambors. Nariman Point Bombay-400021.

(Transferees)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 24th April 1982

Ref. No. P. R. No. 1606 Acq. 23-11/82-83 Whereas I R.R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and beraing

No. S. No. 87/2 91/P 93 94, 95, 96/1, 73/1, 96/2/B situated at Chhiri, Tal. Pardi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Mr. Mahmad Haji Suleman & Alihusein Haji Suleman;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Village Chhiri, S. No. 87/2, 91/P, 93, 94, 95, 96/1 73/1, 96/2/B, registered in Sept., 1981.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II

Ahmedaad

Dated: 24th April, 1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedahdd-380009, the 24th April 1982

Ref. No. P. R. No. 1607 Acq. 23-11/82-83—Whereas, I R.R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 31/2, 31/6—land situated at Bardoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bardoli on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely;—

(1) Yusuk Ibrahim Karia; Abdulhai Ibrahim Karia;

(Transferor)

(2) Aksanagar Associates; Voharvad, Bardoli

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at S. No. 31/2, 31/6 at Bardoli registered in Sept., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II d
Ahm cdaba

Dated: 24th April, 1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II

AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th April, 1982

Ref. No. P. R. No. 1608 Acq. 23-11/82-83- Whereas, I R.R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Block No. 122, Kadodara land situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kamaej on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—36.-116GI82

 Shri Ramabhai Himabhai Patol, Kadodara, Tal. Palsana.

(Transferor(s)

- (2) Partners of M/s Mahendra Zaveri & Associates, Athwa Lines, Surat.
- 1. Mahendra Chhaganbhai Zaveri;
- Sakarchand Chhaganbhai Sarkai;
 Krishnakunj,
 Valkeshwar Road,
 Bombay.
- Navinchandra Chhaganbhai Sarkar; Krishnakunj, 212, Valkeshwar Road, Bombay.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Kadodara, Block No. 122, registered in Sept., 1981

(R. R. SHAII),
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II.
Ahmedabad.

Dated, 24th April 1982 Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IT AHMEDABAD

AHMEDABAD-380009, the 26th April 1982

Ref. No. P. R. No. 1609 Acq. 23-H/82-83-Whereas, 1 R.R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. F. P. No. 77, TPS. 4, situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Anand on 1-9-1981

for an apparent consideratio nwhich is less than the fair ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Patels Ashokbhai Maganbhai Bin Laxmidas;
- (2) Patel Shantaben Maganbhai Bib Laxmidas; Both staying at Saptarshi Society, Amul Dairy Road, Anaud.

(Transferor)

 M/s. J. K. Investment Company; C/o Janson's House, Subhash Road, Andand

(liansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at TPS 4, F. P. No. 77, Anand and as fully described in sale deeds No. 2369 and 2370 registered in the offiof Sub-Registrar, Anand on 1-9-1981.

R.R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fux
Acquisition Range II,
Ahmedabati

Dated, 26-4-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad-3800009, the 26th April, 1982

Ref. No. P. R. No. 1610 Acg. 23 11/82-83—Whereus, I R.R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. F P. No 78, TP S. 3, situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 23-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Chavda Shankerbhai Shanabhai;
- Chayda Harmanbhai Shanabhai, Behind Pushpakuni Society, Anand.

(Fransferois)

Kunverben Nathabhai Prajapati;
 Behind Chandralok;
 Bhalej Road,
 Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Sub-Plots Nos. 1 and 2 of Final Plot No. 78, TPS 2, situated at Anand as fully described in sale-deed No. 2538 registered in the office of Sub-Registrar, Anand on 23-9-81

(R. R. SHAH)
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II,
Ahmedabad)

Dated: 26-4-1982

Scals :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/9-81/5545.--Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Palam, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Sardar Singh s/o Gokal,
 Sukhbir Sri S/o Dhigh Ram,
 R/o V. P. O. Palam, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Radha Kishan s/o Shri Uma Shankar R/o V. P. O. Palam, Dolhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Measuring 16, 1/2 Biswas i.e. 825 sq. yds. Village Palam, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 18-5-1982

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 18th May 1982

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/9-81/5546.—Wherens, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Palam, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on Sept. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as adoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sardar Singh s/o Gokal,
 Sukhbir Sri s/o Dhigh Ram
 R/o V. & P. O. Palam,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Chand s/o Shri Ganpat R/o V. & P. O. Sahibabad Mohd. Pur, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Measuring 16,1/2 Biswas of Village Palam, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 18-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delni, the 18th May 1982

Ref. No. 1,A.C./Acq.-II/S. R.-IJ/9-81/5625.—Whereas, 1, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Agricultural land squated at Village buran, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 0.1525 20050, 1931

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dharam Pal
s/o Vishnu Dutt
R/o V. & P. O. Chhapiola,
District Gaziabad (U.P.)
and Smt. Sat Wati
w/o Surinder Sir
Smt. Rajwati
w/o Virender Sir
both r/o 1619/11 Navin Shahdara
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Wati w/o Chbaju Ram R/o V. & P. O. Buran, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Measuring 19 Biswas, Kh. No. 268 (New) (Old) 875, Village Burari, Delhi.

NARINDAR SINGII
Competent Authority,
luspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 18-5-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITIONN RANGL, BHOPAI

Bhopal, the 24th May 1982

Ref. No. I.A.C./Bhopal/2604.— Whereas I, D. P. Panta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Kapurthala adjoining to Amai Talkies, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 23rd September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Rammurari S/o Laxmiprasad
 - 2. Shri Madan Murari S/o Laxmiprasad
 - 3. Shri Kunjibihari S/o Lazmprasad
 - 4. Sint Ramvati W/o Shri Laxmiprasad All R/o Sagar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Shinkerlai S/o Kundanali Khatik
 - 2. Shri Ramprasad S/o Ganeshprusad
 - 3 Shu Sittar S/o Arati
 - 4 Sarr Puranlal S/o Bhaiyalal C/o Rajthani Hotel Matra Bazar, Sagar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expfres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 8505 Sq. ft situated adjoining to Amar Talkies at Katra Ward, Sagar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 24-5-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

HYDERABAD

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD

Hyderabad, the 29th April, 1982

Ref. No. R.A.C. 20/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1-5-67 situated at Mushcerabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of im-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- 1. Syed Abdul Nayeem S/o Late Syed Abdul Hafeez 38 Moor House Drive Scar Brough, Toranto, Ontarioa Canada.
 - 2 Syed Khader Nawaz S/o Sved Abdul Hafeez, Hutton Common Road, Sulton Suriey, England
 - Syed Ghouse Mohiuddin alias Faheem S/o Syed Abdul Hafeez, 1-1-300/2, Asoknagar, Hyderabad.
 - Syed Khaja Mohiuddin, 1980 Apartment No. 402, Foulor Drive, Missavage Ontario, Canada.
 - Mohammadi Sultana alias Sultana Sarcar W/o Late Co. M.M. Sarcar, 8 Dux Lane, Colaba, Bombay.
 - 6. Ahmadi Moina W/o B. S. Shaik, 10-5-3/3 Masab Tank, Hyderabad. G.P.A. for 1,2, 4 and 5 Mr. Syed Ghouse Mohiuddin alias Faheen 1-1-300/2, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferors)

(2) Smt. Ammera Begum W/o Late Mir Ahmed Ali 23-1-644/1 Moghalpura, Hyderabad (1-5 67, Musheerabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 1-5-67 Musheerabad, Hyderahad area 1041 sq. yards registered with S.R.O. Chikadpally Vide Doc. No 815/81

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th April 1982

Ref. No. R.A.C. 21/82-83.-Whereas, I, S. GOVINDA-**RAJAN**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-1-485 to 487 situated at Jambagh, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---37-116GT/82

(1) Shri T. Rahuraj Singh S/o D. Laxman Singh H. No. 2-1-602, Vidyanagar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Mohammed Abdul Aziz, S/o Late Mohd. Abdul Hafeez,
 - 2. Mrs. Rafia Sultana w/o Mohd. Abdul Aziz 5-1-485 to 487 Jambagh, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5-1-485, 486, 487 putlibowli, Jambagh Hyderabad area 239 sq. yards. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5240/81.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 29-4-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Udani Engineering Co. (Hyd.) Pvt. Ltd., Rep. by Mr. P. J. Udani, Managing Director, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. L. Bramarambha W/o L. Krishna Murthy, 6-6-85, Arundalpet, Guntur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th April 1982

Ref. No. R.A.C. 22/82-83,---Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-6-364 situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Myderabad on September 1981

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Pyplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Open land at MCH No. 3-6-364 Behind Liberty Cinema Basheerbagh, Hyderabad area 280 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5266/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th April 1982

Ref. No. R.A.C. 23/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-364 situated at Basheerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Udani Engineering Co. (Hyd.) Pvt. Ltd., Rep. by Shri P. J. Udani, Managing Director, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri K. Shivraj S/o K. Ramaswamy H. No. 23-1-193, Kotla Alija, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at MCH. No. 3-6-364 Behind Liberty Cinema Basheerbagh, Hyderabad area 250 sq yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5267/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Dato: 30-4-1982

NOTICE UNER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th April 1982

Ref. No. R.A.C. 24/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA. RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-6-364 situated at behind Liberty Cinema, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herbey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(i) M/s. Udani Engineering Co. (Hyd.) Pvt. Ltd., Represented by Mr. P. J. Udani, Managing Director, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Dr. J. Satyanarayana S/o J. Venkatadri
 - Smt. D. Rajamani
 W/o D. B. Manikyam,
 23-1-889/1 Mirjumla Talab,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aroresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in M. C. H. No. 3-6-364 behind Liberty Cinema Basheerbagh, Hyderabad area 383 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5265/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 30-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTTION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th April 1982

Ref. No. R. A. C. 25/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Shamshabad Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dt. on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Rukmini Bai W/o Late Kishen Das Gandhi
 - 2. Harbhagwan Das K. Gandhi S/o Late Kishen Das Gandhi
 - 3. Govindram K. Gandhi S/o Late Kishen Das Gandhi
 - 4. I'ıkamehand K. Gandhi
 - 5 Deneshkumar K. Gandhi
 - 6. Prakashchand K. Gandhi
 - Ramesh K. Gandhi
 all sons of Kishendas Gandhi
 47, Dadabhai Road, Bombay, 56GPA,
 Shri Bansilal K. Gandhi,
 - 8. Bansilal K. Gandhi S/o Kishendas Gandhi, Shamshabad Village, R. R. District.

(Transferor)

(2) Sint. Seema Gandhi W/o Bansilal K. Gandhi Shamshabad Village, Taluk West, Rangareddy, District A. P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 3 Acs. 7 guntas out of Survey No. 40 and 5 Acs 3 guntas out of Survey No. 42 (Total 8 Acs. 10 guntas), at Shamshabad village Taluk West Ranga Reddy, District registered with Sub-Registrar Ranga Reddy District vide Doc. No. 5556/81.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 30-4-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th April 1982

Ref. No. R.A.C. 26/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Shamshabad R. R. District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi at R. R. District on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Rukmini Bai W/o Late Kishendas Gandhi
 - 2. Narbhagwandas K., Gandhi
 - 3. Govindram K. Gandhi
 - 4. Tikam Chand K. Gandhi
 - 5. Dineshkumar K. Gandhi

7. Ramesh K. Gandhi

- 6. Prakash Chand K., Gandhi
- all sons of Late Kishendas Gandhi, 47 Dadabhai Road, Bombay 56 G.P.A.
- 8. Bansilal K. Gandhi S/o Late Kishendas Gandhi Shamshabad Village, Taluk West, Rangareddy District, A. P.

Shri Bansilal K. Gandhi

(Transferor)

PART III-Sec. 1

(2) Smt. Seema Gandhi W/o Bansilal K. Gandhi Shamshabad Village Taluk West, Rangareddy District, A. P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Agricultural land 8 Acs. 37 guntas in Survey No. 41 with Grape Garden on a small portion at Shamshabad Village Taluk West Rangareddy District registered with Sub-Registrar Rangareddy District vide Doc. No. 5905/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 30-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th April 1982

Ref. No. R. A. C. 27/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Shamshabad Village, R. R. District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

R. R. District Hyderabad, on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Rukmini Bai W/o Late Kishandas Gandhi
 - 2. Harbhagwandas K. Gandhi
 - 3. Govindram K. Gandhi
 - 4. Tikamchand K. Gandhi
 - 5. Dinesh Kumai K. Gandhi
 - 6. Prakash Chand K. Gandhi
 - Ramesh K. Gandhi all sons of late Kishandas K. Gandhi 47 Dadabhai Road, Bombay-56, G.P.A. Shri Bansilal K. Gandhi
 - Bansilal K. Gandhi, S/o Lato Kishandas Gandhi, Shamshabad Village, Toluk West, Rangareddy District, A. P.

(Transferor)

(2) Smt. Seema Gandhi W/o Bansilal K. Gandhi Shamshabad Village Taluk West, Rangareddy District, A.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1Ac 26 guntas out of Survey No. 24, 26 guntas out of survey No. 39, 11 Acres 11 guntas out of survey No. 40, 4 Acs 12 guntas out of survey No. 41, 1Ac, 25 guntas out of survey No. 23 (Total 19 Acs. 20 guntas) at Shamshabad village Taluk West Rangareddy District, Andhra Pradesh registered with Sub-Registrar, Rangareddy District vide Doc. No. 6863/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

∀ate: 30-4-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th May, 1982

Ref. No. P.R. No. 1890/Acq.23-L/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. S. No. 2064, situated at Wadhawan, District Surendranagar (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 9-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Rana Harpalsinh Hanubha & others: Wadhawan,

District Surendranagar,

(Transferor)

(2) Shri Durga Poly Sacks; through: Pravin M. Kapasi; Mahalaxmi Cinema. Surendranagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 3-A-24 G situated at Wadhawan, sim, District Surendranagar, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan, vide sale-deeds Nos. 3902, 3, 4 & 5 /9-9-81.

> G. C. GARG. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedahad.

Date: 4-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th May, 1982

Ref. No. P. R. No. 1889/Acq. 23-I/82-83. —Whereus, f. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. C. S. No. 2110—Khadia Wd. 3, situated at Lawar's Pole, Madangapat Hayeli's Road, Ahmodabad

(and more fully described in the Schedule (annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmed bed on 3-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 (1) Shri Panchal Ranchhodial Nandlal alias Nansha Panchal;
 A-7, Jeevan Parag Society,
 Raj Bhawan Road,
 Shahibaug,
 Ahmedabad-380004.

(Transferor)

(2) Shri Manubhai Chunilal Patel & others; Bungalow No. 2, Vasant Vihar Society, Behind H. L. College Commerce, Navrangpura, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said properyt may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 107 sq. yds., situated at Luvar's Pole, Madangopal Haveli Road, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No 10642/3-9-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmodabad

Date: 4-5-19

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd May 1982

Ref. No. P. R. No. 1888, Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F. P. No. 1 2, Hissa No. C, T.P.S. 29, situated at Wadaj, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

 Shri Mahendrasinhji L. through: Narendrasinhji L. 14, Nanekbaug Colony, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sambhavnath Apartment Coop. H. Society Ltd., C/o Bhagwati Medical & General Stores; Opp. Gujarat Vidhyapith, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 272 sq. yds. (1/3rd out of 817 sq. yds.) situated at Wadaj, Ahmedabad, duly regitsered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale deed Regn. No. 11631/30-9-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 3-5-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd May 1982

Ref. No. P. R. No. 1887/Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. No. 102--Hissa No. C, T. P. S. 29, situated at Wadaj, Ahmedahad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfor;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Indrajit sinhji Vaghela; Pravin Colony, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sambhavnath Apartment Coop. H. Socy. Ltd., C/o Bhagwati Medical & General Stores; Opp. Gujarat Vidhyapith, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from this date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 272 sq. yds. (1/3rd out of 817 sq. yds.), situated at Wadaj, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed Rogn. No. 11640/30-9-1981.

G. C. GARG
Competent Authorit y
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-5-1982

NOTICE UNDER SFCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd May, 1982

Ref. No. P. R. No. 1886/Acq. 23-1/82-83,---Whereas G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. S. No. 2515-1-A paiki—Kalupur 3, situated at 2nd Floor Anand Shopping Centre, Shop No. 170, Ahmedahad

(and more fully described in the Schedule appreced hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 10-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faiclitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Liherchand Tanachand;
- 32, Virpurnagar Society, New Wadaj, Ahmedabad

(Transferor)

(2) 1. Shei Rejnikane Thakershibher,
 2. Smt. Vimlaben Fojalal Mehea;
 Gopipur.,
 Kaji's Medan,
 Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 170-of 2nd Floor of Anand Shopping Centre, Pinkornika, Ahmedabid duly registered by Sub-Registrar, vide sale-deed Registration No. 11005/10-9-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 3-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 31d May, 1982

Ref. No. P. R. No. 1885/Acq. 23-I/82-83,—Whereas, I G. C. GARG

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S. No. 3487, 3488, 3489, 3486—Shehpur-II situated at Flat No. No. F-6, Fifth Floor, Firdosh Flats, Khanpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office

at Ahmedabi d on 14-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market vaue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kum ti Tehminaben Khorshedji Karanjawalla; Kuranj.w.ll. Building.,
 Opp. Khunpur Daiweja,
 Opp. Ushakirtu Flats,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(?) Shri Shujauddin Fakhruddin Kadri; No. E-5, I-lat, 5th Floor, Findos Flats, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing built up area 127 sq. yds., Situated at Khanpur Ahmedabad duly ingistered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed Registration No. 11153/14-9-1981.

G. C. GARG

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Deta: 3-5-1982

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd May, 1982

Ref. No. P. R. No. 1884/Acq. 23-I/82-83.---Whereas G. C. GARG

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. No. 148/3, Sub-Plot No. 1, situated at Maning ger, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Ahmedabad on September, 1981

for an apparent consideration which is less than

the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Dahiben Shanabhai Patel; Jagabhai Park, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

Dr. Dolar Damodardas Bhu ptill.
 Dr. Mrs. Sudha Dolar Bhuptani;
 Near Swaminarayan Mandir,
 Maninager,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Building bearing F. P. No. 148/3, Sub-Plot No. 1, known as Dr. Bhuptani's Nursing Home, situated at Swaminarayan Mandir, Maninagar, Ahmedabad vide sale-deed No. 9905/Sept., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 3-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedahad, the 3rd May 1982

Ref. No. P. R. No. 1885/Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. No. 745—T. P. S. 3, Sub-Plot No. 3-A, situated at Madalpur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chandulal Maganlal Patel & others; Near Central Bank of India, Nr. Gujarat College, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Rohit V. Shah; Chief Promoter of New Sheetal Apartment (Proposed), Temla Pole, Kalupur, Nr. Doshiwada's Pole, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 740 sq. yd., situated at Madalpur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed No. 11247/15-9-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 3rd May 1982

Ref. No. P. R. No. 1882/Acq. 23-1/82-83.—Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

F. P. No. 8, shucked at Vastrapur, Discret Almedated

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (f) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Balmukund Ganpatram Dave; H-2, Atira Colony, Vastrepur, Ahmedabad.

Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Suj-shit Apartments Owners' Association; through: Chairman Shri Devendre P. Parikh; Vachhlo Khancho, 1201, Shamlaji's Pole, Raipur,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 602 sq. yds., situated at Vastrapur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale deed-No. 7409/21-9-81.

G. C. GARG
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad,

Date: 3-5-1982

FORM I.T N S --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD Ahmedahad, the 3rd May 1982

Ref. No. P. R. No. 1881/Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C. S. 5145 paiki, 5146, 5147, 5148-2, 5150-B, 5144, 5145 paiki 5148-1, 5148-3, situated at Raikhad, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 28-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons, namely:—39—116GI/82

- (1) 1. Shri Rizwas Abdul Kadir Kadri;
 - 2. Shri Samsuddin Abdul Kadir Kedri;
 - Zahirunissa A. Kadri;
 All at Kagdiwad,
 Sanskar Kendra Mers,
 Kocharab,
 Ahmedabad,

('Iransferor)

(2) (Such it) Mujib Coop. H. Socy. L'd, Promoter: Shri Abdulkeda: .V. Kureshi; Near Parsl Chawl, Prem Darwaja Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land adm. 241 sq. yds., 246 sq. yds. and 125:7 sq. yds. situated at Raikhad, Ahmedabad duly registered by Sul-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 11539, 11541-42, & 11543/28-9-81.

G C. GARG

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Lax
Acquisition Range-I, Ahmedahad

Date: 3-5-1982

al ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 11th May, 1982

Ref No P. R. No 1900/Acq. 23-I/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 401 Werd-2-B, situated at Prabhus Bunglow on Plot No. 401, Ward 2-B, Adipur, Kutch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sub: Registrar, Bhuj on 29-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his noice under sebsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shi P. S Tolani and Smt. Jamvanti H. Kamał, Prabhu Chhaya. Adipur-Kutch.

(Transferor)

(2) Smt. Arunaben R. Modh a Kum. Daxa Desar 16, Rang Sagar Flats, Prabhudas Thacker College Road, Paldi, Ahmedabad-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Prabhus" Bunglow on plot No. 401 Ward 2-B, at Adipur, Kutch as per plans approved by G.D.A. registered vide R. No. 1786 dated the 29-9-81 by Sub-Registrar, Bhuj.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 11-5-198?

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 11th May, 1982

Ref. No. P. R. No. 1899/Acq.-23/92-83, —Whereas, 1, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 129, 122, 119, 125, 130, 126, 121, 131, 127, 132, 128, 123, 120, 124 paiki situated at Nr. Old Bus Stand, Upleta, District Raikot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Upicta on 21-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore, aid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Shri Yunus Haji Tas Mohmad Munshi and 16 others,
 Bhader Road,
 Upleta,
 District Rajkot.

(Transferor)

- 1. Shri Sarvadaman Prataprai Sheth & Others, of Darbargadh of Upleta.
 - Soni Mansukhlal Vallabhji Mandalia & others, Bhader Road. Upleta.
 - Smt. Godavriben Gopaldas Aggarwal & Others, Bhader Road, Upleta.
 - Shri Narandas Mohandas Patel of Village Bhanp, Tal. Upleta.
 - Shri Mansukhlal Jethabhai, Navapara, Upleta, Distt, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 10144 sq. yard situated at old Bus stand Upleta District Rajkot duly registered by S. Registrar, Upleta vide sale deed Nos. 1854 to 1876/21-9-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I Ahmedabad,

Date 11-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD Ahmedabad-380009, the 10th May 1982

Ref. No. P. R. No. 1898/Acq. 23-I/81-82,---Whereas 1 G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair 'market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 188-1, 189, 193-2, 194, 190, 193-1 and 189-1 situated at Thaltej District Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Kaushikbhai Gordhanbhai Patel & others 51-7-8, Mewawalle Apartments, Sarojini Road, Villeparle, West, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Anilkumai Bhailalbhai Patel & Others, 10-B, Madhuvan Society, Opp. Gujarat Vidhyapith, Ashram Road, Ahmedabad-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land adm. 5 acr. 27 G. situated at village Thaltel District Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed Nos. 11137, 38, 39, 40/14-9-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Ahmedabad,

Date : 10-5-1982

POPM HINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th May 1982

Ref. No. P.R. No. 1897/Acq. 23.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 20/3/B, 20/3/A, 20/2, 20-1-A, 20-1-B, 20-3-A situated at Thaltej, District Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office:

at Ahmedabad on 27-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

- (1) 1. Shri Kunjibhai Masangjibhai Thakoro & Others,
 - 2. Shri Ghabhaji B. Thakore Others,
 - 3. Shri Ataji Kakuji & Others,
 - Shii Bhikaji Chhagoji & Others, all at Village Thaltej, District Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Muktinagar Co. Op. Housing Society Ltd. Socretary Shri Dallchand Zaverchand, A.4 Haridas Colony, Navjivan Press Road, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAFLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 18150 sq. yard situated at village Thalter Dist. Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale deed Nos. 11495, 94, 93, 91, 90, 85, 84, 79, 78, 77, 71/23-9-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dute: 10-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad, the 11th May 1982

Ref. No. P. R. No. 1896/Acq. 23/82-83. Whereas, I, G. C. \mathbf{GARG}

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 488 situated at Waday, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 24-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partities, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer and/or.
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Inometax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Kumudben Kaushilyaprasad Dalwadi & others, Behind Navrang High School, Nr. Manek Avenue Society, Ahmedabad-13.

(Transferer)

(2) Kanti Apartment Co. Op. Housing Society Ltd., through Chairman—Shri Dilipkumar Hasmukhlal Bhatt,
Marine Drive Society,
Bhairavnath Road,
Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 8842, sq. yd. situated at Wadaj, Ahmedabad, duly registeerd by Sub-Registrar, Ahmedabad vide Sale deed No. 7129/24-9-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Abmedabad.

Date 11-5 1981

FORM I.T.N.S. - --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th May 1982

Ref.No. P.R.No.1895/Acq 23.—Whereas, I, G.C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₂, 25,000 - and bearing

No City Survey Sheet No. 108, Kakda Nondh No. 2543-44-45, situated at 13, Panchnath Plot Sheri, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 24-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I have initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Shri Ganpatram Dalpatram
 2. Shri Chandulal Dalpatram,
 13. Panchnath Plot,
 Rajkot.

(Transferor)

- (2) I. Bhupendra Parshottam Khakhkal,
 - Rasiklal Parshottam Khakhkal,
 Navinenandra Mohanlal Vyas,
 - 1. Nathalal Mohanlal Vvas, Para Bazar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential building situated at Rajkot in 13-Panchnath Plot, Rajkot admeasuring 351-8-72 sq. yards at City S.No. 108, Kakada Nondh No. 2543-44-45 registered vide R. No. 5871 dated the 24-9-1981 at Sub-registrar, Rajkot.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 10-5-1982

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th May 1982

Ref. No. P. R. No. 1894/Acq. 23.— Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3108 dated the 15-9-81 situated at S. No. 102 at Village Dhunray Near Jampayar.

(and more fully described in the Schedule annexed beteto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S. R. Jamnagar, on 15-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act. in
 respect of any income arising from the transfering;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the foll ing persons, namely:—

(1) Thakkar Joshi Co., C/o Ramoshchandra Kanjibhai Joshi Karta of H.UF Jaihind Lodge, Station Road, Jamagai

(Transferor)

 Asgarah Gulamah Vejlani, President, Rajkot Housing Society Ltd., Dhunray, District Jamnagar.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2,72,920 sq. feet at Village Dhunrav bearing S. No. 102 at Dhunrav registered by Sub-Registrar, Jamnagar vide R. No. 3108, dated the 15-9-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 10-5-1982

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th May, 1982

Ref. No. P. R. No. 1893/Acq. 23.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 422 situated at Rajkot Jamnagar Highway Road Near Hapa Railway Colony

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S. R. lamnagar on 15-9 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—116GI/82

 Shri Rameshchandra Kanjibhai Joshi, Karta of H.U.F. Prop. Jai-Hind Lodge, Station Road, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Keshavji Madhavji Tanna, C/o Rasiklal Keshavji Tanna, Grain Markot, Jamnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing S. No. 422, admeasuring 11 acr 20 Gundha situated at Rajkot Jamnagar Highway Road, registered vide R. No. 3107, dated the 15-9-1981 by Sub-Registrar, Jamnagar.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

: 10-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMSDABAD

Ahmedabad, the 10th May 1982

Ref. No. P. R. No. 1892/Acq. 23-I/82-83.—Wheroas, I, G. C. GARG,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building situated at Bhagwati Krupa Government Scr vant's Co-op. Housing Society Ltd., Patel Ice-creamwali Sheri, Rajkot

(and more fully desribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Rajkot on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rasiklal Mahasukhlal Shah, Bhagwati Krupa Govt. Servant's Co. Op. Housing Society Ltd.,
 Patel Ice-creamwali Sherl, Race-course, Rajkot.

(Transferor)

 Smt. Raxagauri Tarunkumar Sagar Nr. Hatkesh Temple, Mangrol.

(Transferee)

(3) Smt. Raxagauri Taiunkumai Sagar Near Hotkesh Temple, Mangrol

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 434 ·8 sq. Yds., situated at Bhagwatl Krupa Govt. Servant's Co-operative Housing Society Ltd., Patel Ice-creamwali Sheri, Race Course, Rajkot duly registered vide Register No. 7392/81 reed, in Sept. 81.

G. C. GARG

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th May 1982

Ref. No. P. R. No. 1891/Acq.-23/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey Ward 14, City S. No. 2014 situated at 2-5, Jagnath Plot, Gymkhana Road, Nr. Santosh Sadan Bunglow

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer

at Sub-Registrar, Rajkot on 3-9-1981

for an apparent consideration which is ess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Legal heirs of Late Shri Harshadrai Gaurishankarbha Oza,
 - 1. Jagdish Harshadrai Oza
 - 2. Pratimaben Harshadrai Oza
 - 3. Rekhaben Harshadrai Oza
 - Smt. Sushilaben Harshadrai Oza Indradip Society, Patel Colony, Jamnagar

(Transferor)

 Smt. Samratben Harilal Doshi, H. J. House, Carmaikel Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 250 sq. yard situated at 2/5, Jagnath Plot, Gymkhana Road, Rajkot vide R. No. 7086/M dated the 3-9-1981 by sub-Registrar, Rajkot.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 10-5-1982

FORM IT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th May 1982

Ref. No. Amritsar/82-83/63.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land on Thakur Mohanchand Road situated at Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S.R. Amritsar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property at aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following precons namly:—

 Shri Anup Singh, Amar Singh ss/o Hajara Singh r/o Villago Bachiwind, Teh, Ajnaja,

(Transferor)

District Amritsar.

(2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Prithvi Raj r/o Katra Karam Singh, Kucha Nadhlan, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overloaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 183 sq. yds. situated in Thakur Mohan Chand Road off Court Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 13076/dated 25-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

11-5-1982

Dn Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th May 1982

Ref. No. Amritsar/82-83/64.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing

No. Plot of land at Verka situated at Amiitsai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar, on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harbhajan Singh

s/o Pala Singh

r/o Villago Verka through Sh. Rattan Lal,

s/o Shri Pheroo Mal,

1/0 14-Rattan Chand Road,

Amritsai

(Transferor)

 M/s. Rishi Woollen Mills at Batala Road, near Alfor Cooler Makers Building. Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One piece of land measuring 1400 sq. yds. situated at Verka Amritsar (Bve pass) as mentioned in the sale deed No. 11979/dated 11-9-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar-

Date: 11-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 15th January, 1982

Notice No. 402/81-82.— Whereas, I MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing

No. Survey No. 131/2, 160/3, & 164/2, situated at Bendiga Village, Kasaba Hobli, Taluk Chikmagalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office

at Chikmagalur, Under document under 1066 on 5-9-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri C. R Noor Ahamed, S/o Haji Abdul Rahim, Coffee Planter, Chikmagalur.

(Transferor)

(2) M/s. Malenadu Enterprises, Ratnagiri Road, Chikmagalur, Represented by its partners,
1. Shri A. Chinnaswamy,
2. Shri B. Hussain Mohammed

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1066, dated 5-9-1981). Below mentioned coffee lands situated at Bendiga Village, Kasaba Hobli, Taluk Chikmagalur.

				Acre-gunta
Survey No. 131/2				5—26
Survey No. 160/3				5 21
Survey No. 164/2	-	•	•	15 00
Total	-			2607

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-1-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF

Bangalore, the 6th May 1982

C. R. No. 62/32443/81-82/ACQ/B.—Whereas, I DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. No. 515/2, situated at Kodialbail Village, Mangalore (Tq.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore on 11-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. Madhava Rao, S/o Laxminarayana Ruo, Kambla Cross Road, Mangalore.

(Transferor)

- Shri R. M. Kshirsagar, No. 6, Dev-vrat, Ashoknagar, Kandvli (East), Bombay-1.
 - Rajondra Kumar Devidas Shah, Chandvi Buildings, Block No. 11, Ind Floor, Shauthilal Modi Road, Kandivli (West), Bombay-67
 - Gopal Salian Belloor,
 V. N. Roshan Nivas',
 Kodikkal,
 Mangalore.

(Transferees)

- (3) NIL
- (Persons in occupation of the property)
- (4) NJL

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the sai d property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 826/81-82, dated 11-9-1981). All that property with land and building bearing T. S. No. 515/2, situated at Kodial Daill Village, Mangalore (Tq.).

DR. V. N. LALITHKU MAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date , 6-5-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th May 1982

Ref. No. R.A.C. No. 14/82-83/Kakinada Squad .- Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 5-9-30 situated at Peddapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Peddapuram on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri Sikala Chinna Gantayya. S/o Ganga Raju
 - 2. Smt. Sikala Chittamma, W/o S. Chinna Gantayya
 - 3. Smt. Sikala Venkata Ramanamma, W/o S. Chinna Gantayya All are residing at Main Road, Peddapuram, E. G. District.

(Transferor)

(2) Shri Narasala Venkata Subba Rao S/o Laxmi Narayana Ramanaidu Peta, Masulipatam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a), by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from respective persons. the service of notice on the whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building admeasuring 233-1/3rd sq. yards with Door No 5-9-30 Asst. No. 715 situated at Peddapuram, East Godavari, District was registered with the S.R.O., Peddapuram during the month of September 1981 vide document No. 2060 of 1981.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 10-5-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 10th May 1982

Ref. No. R.A.C. No. 15/82-83/Kakınada Squad.--Whereas-1 M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Site situated at Koritipadu, Guntur at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on Sept. 1981

Hyderabad

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore, by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:--41--116GI/82

 Shri Vasireddy Krichna Murthe, Kantheru, Mangalagua Taluk, Guntur District.

(Transferor)

(2) Dr. V. Sıyarama Krishna Praşad, C/o Chalasani Ramalıngeswara Rao, 1st Line, Chendramoulinagar Cruntur-/

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring 1909 sq. yards at Korntipadu, Guntur was registered with the S.R.O., Guntur during the month of September 1981 vide doudument No. 9781/81.

M. JAGAN MOHAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range, Hyderabad...

Date : 10-5-1982 Scal:

NOTICE UNDER SECTIN 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th May 1982

Ref. No. R.A.C. No. 16/82-83/Kakimada Squad - Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16-8-13 situated at Visakhapatnam

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transfrreed under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sri Garuda Ramachendra Rao, S/o Seetharamayya, Cloth Merchant, Asapu Street, Vizianagaram

(Transfero)

(2) Dr. P. Rama Sanvasi Rao, Bafrue, Maybod, Yazd, Iran

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with Door No. 16-8-13 Maharanipeta Ward-Official Colony/Street.—Ramalinganagar Road.—Visakhapatnam was registered with the S.R.O., Visakhapatnam during the month of September, 1981 vide document No. 7327/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad

Date : 10-5-198? Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th May, 1982

Rel. No. R. A. C. No. 17/82-83 — Kakınada Squad.--- Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 26°B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 13-5-8 situated at Palakoi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Palakot on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Chodisetty Chendra Rao, S/o Venkatarayulu.
 - Shri Chodisetty Veera Venkata Panduranga Rao S/o Chendra Rao.
 - Shri Chodisetty Srirama Murthy
 S/o Chendra Rao.
 All are residing at Door No 3-2-2, 2nd Ward, galakol.

(Transferor)

(2) Shir Chegondi Ravi Sankar S/o Rama Krishna Baskar Being minor Rep. by Grand father Shri Chegondi, Suryanarayana, Doddipatla—W.G. District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tiled Shop bearing Door No. 13-5-8/1, 2, 3, 4—7th Ward Asst. No. 3223—Palakol Municipality was registered with the S.R.O., Palakol during the month of September, 1981 vide document No. 2686/81.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

.

(1) Oshivra Land Development Co. Pvt. Ltd.
(Transferor)

(2) Apna Ghar Unit No. 10,R. B. I. the Norbhoy Co.-op. Housing Society(Transforce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 22th April, 1982

Ref. No. A. R -III/2035/81-82—Whereds, I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Plot No. 14, & C.S.T. No. C-10 Pt. situatedat Andhen

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reass nto believe that the fair market value of the poperty us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S/1269/81 and Registered on 19-9-1981 with the Sub-Registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date . 22-4-1982

FORM ITNS----

(1) Mrs. Ann Mary Theresa Fernandez

(Transferor)

(2) Andheri Gymkhanu.

(Transferoe

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th May, 1982

Ref. No. A.R.-JII/2024/82-83.—Whereas, I, M. M. SHUKLA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Chatta No. 333 bearing S. No. 44A, Hissa No. 3, C.T.S. No. 395/1 situated at Villago Gundavali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-9-1981 Document No. 105/1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—27—106G182

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used beloin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 105/1980 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 14-9-1981.

M. M. SHUKLA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-5-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMEAY Bombay, the 11th May, 1982

Rel. No. A. R.-III/2020/82-83.—Whereas, I M. M. SHUKLA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final Plot No. 149, Sub-Scheme No. 3, C. 7, S. No. 803 situated at Chembur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 22-9-1981 Document No S 306/77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Mis. Sarda Vasantkumar Nair

- Ramdas Vasantkumar Nair
 Vijaykumar Vasantkumar Nair
- 4. Mrs. Vatsala Mohandas Nair 5. Miss Ginja Vasantkumar Nair 6 Miss Indna Vasantkumai Nan
- 7. Mr. Suresh Vasantkumar Nair

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Prakashvati Harichand Gupta

2. Mrs Chanchal Ajodhyaprasad Gupta

3. Mr. Arun Aodhyaprasad Gupta

5. M1. Sanjiv Ajodhyaprasad Gupta

(Transferces)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette or a period of 30 days from th servce of notee on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 5, 306/7 and registered with the Sub-Reigistrai, Bombay, on 22-9-1981

M. M. SHUKLA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 11-5-1982

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th April, 1982

Ref. No. G. I. R. No. P-81/Acq.--Whereas I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) theremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 70/3, situated at Village Jiya Mau, Lucknow at Lucknow on 25-9-1981

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Anwar Nawab

(Transferor)

(2) Shri Purushottam Das Khem Chandani

(Transferce)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land Khasia No. 70/3, measuring 10 Bisw (13612.5 sq. ft.) situated at Village Jia Mau, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6044, which have duly been registred in the office of the Sub-Registrar Lucknow on 25-9-1981.

VINOD KUMAR

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Lucknow

Date: 16-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) K. Ramiah, 158, Mount Road, Guindy, Madras-15.

(Transferor

(2) Dr. Syed Jabbar Rehand Begum, Vetapalem, Prakasam District, Andhra Pradesh

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-6, the 22th April, 1982

Ref. No. 16659.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. T. S. 10 & situated at 11, Mount Road, Madras-15 (Doc. 3763/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at sadapet on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act m respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XPI ANA CLON:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. No. 10 and 11, Mount Road, Guindy, Madras 15 (2 grounds and 1299 sq. ft.) (Doc. 3763/81).

R. RAVICHANDRAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11, Madras

Date: 22-4-1982

Scal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 19th January 1982

F. No I.A.C. A.C.Q./180/80-81 — Whereas I, A. M. KHI R bring the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sord Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and braring

No. P. H. No. 10, Ward No. 42, Nagpur field No. 134 situated at Mouza Binaki

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 5th September 1981

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shir Goswami Rameshpurti Guru Maheshpurti R/o Itwati C. Mi. 0/15, Waid No. 36, Nagpui

Transferog)

(2) Prasad Griha Niiman Sahakaii Sanstha Socretar, Shii Shenkarrao Dharmaji Nakhate, Minchib zar, W. No. 21, Umted Road, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by at v other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the cate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chap er XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mouza Binaki PH. No. 42, Nagpur, Field No. 134.

A. M. KHER,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur,

Date: 19-1-1982

FORM ITNS------

(1) Shii Juan Chandia Roy Barman, Ambicapatty, Silchar

C/o S11 Suresh Chandra Paul,

(2) Nitmala Sundati Paul,

Janiganj, Silchar, (Tiansferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th January, 1982

Ref No. A-255/81-82/Sil /923/31 - Whereas, I & J MAW LONG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) here nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Dag No. 7380, 7378, 7361, 7365, 7360, 7364 of R. S. Patta No. 950 of Pargona Barakpai Mouza Silchai, situated at Janigani, Silchar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Silchar on 1-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

t and measuring 2 Kathas 1 Chatak 16 Gondas 2 Karas 2 Kramtis with a house thereon is situated at Janugani a Commercial centre of Silchar and covered under Dags No 7380 7378, 7361, 7365, 7360, 7364 of R S Patta No 950 of Pargana Bajakpur and Mouza, Silchar town

F J. MAWLONG

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Shillong.

Date : 27-1-1982 Seal :